आज का विचार

खूबसूरत रिश्तों को संभाल कर रखना साहब... अगर यह खो गए तो गूगल से भी नहीं ढूंढ पाओगे।

दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । शुक्रवार, 27 फरवरी, 2026 वर्ष 24, अंक 50, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

किसानों से समन्वय कर उन्नत तकनीकों को खेतों तक पहुंचाएं कृषि वैज्ञानिक: शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री ने भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में की समीक्षा बैठक

एजेंसी (हि.स.)
वाराणसी

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कृषि वैज्ञानिकों से आह्वान किया कि किसानों से समन्वय बनाकर उन्नत तकनीकों को शीघ्र खेतों तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों का खेत स्तर पर प्रभावी प्रसार, गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, लागत घटाने वाली तकनीकें और बाजार से सीधा जुड़ाव किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

गुरूवार को वाराणसी दौरे पर आए केन्द्रीय कृषि मंत्री चौहान भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान में समीक्षा बैठक के बाद वैज्ञानिकों व किसानों को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने संस्थान में चल रहे अनुसंधान एवं विकास कार्यों, उन्नत सब्जी किस्मों, बीज उत्पादन, संरक्षित खेती, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, मूल्य संवर्धन तथा उद्यमिता विकास से जुड़ी पहलों की सराहना की। बैठक के पूर्व उन्होंने अनुसंधान संस्थान परिसर में रक्त-चंदन के पौधे का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने आगामी रबी सत्र के लिए क्षेत्रवार कार्ययोजना तैयार करने पर जोर दिया।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती को देखते हुए सब्जी उत्पादन प्रणाली में अधिक लचीलापन लाना होगा। उन्होंने कृषि विज्ञान केंद्रों और शोध संस्थानों के मध्य समन्वय का एक प्रभावी माध्यम बताते हुए किसानों तक तकनीक हस्तांतरण की गति तेज करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि उन्नत किस्मों का विकास, गुणवत्तापूर्ण बीजों की उपलब्धता, लागत घटाने वाली तकनीकों का प्रसार तथा किसानों को बाजार से सीधे जोड़ना उनकी आय वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। केन्द्रीय मंत्री ने संस्थान को तकनीकों के त्वरित प्रसार, नियातोन्मुखी सब्जी प्रजातियों के विकास, स्टार्ट-अप एवं एफपीओ के साथ साझेदारी तथा युवाओं को कृषि-उद्यमिता से जोड़ने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक में भारतीय सब्जी अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. राजेश कुमार ने संस्थान की उपलब्धियों और किसानों के साथ किए जा रहे कार्यों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने सब्जी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किसानों को संसाधन और तकनीकी उपलब्ध कराने पर जोर दिया। आईसीएआर के सहायक महानिदेशक डॉ सुधाकर पांडेय ने संस्थान की गतिविधियों पर संक्षिप्त जानकारी दी।

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रक्षेप (शोध के लिए चिन्हित भूमि) भ्रमण के दौरान मौजूद किसानों से बीजों की उपलब्धता, गुणवत्ता, उत्पादन लागत कम करने के उपायों तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर चर्चा की। ग्राफ्टेड बैंगन-टमाटर (ब्रिमेटो) और आलू-टमाटर (पोमेटो) जैसी उन्नत तकनीकों पर वैज्ञानिकों ने विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया। मंत्री ने इसकी सराहना करते हुए इन तकनीकों को किसानों तक शीघ्र उपलब्ध कराने पर बल दिया। उन्होंने हाई-टेक नर्सरी की उपयोगिता रेखांकित करते हुए एफपीओ के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण पौध एवं बीज उपलब्ध कराने की आवश्यकता बताई। केन्द्रीय मंत्री ने वैज्ञानिकों से टमाटर सहित अन्य सब्जियों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने, प्रसंस्करण योग्य किस्मों के विकास, नियातोन्मुखी उत्पादन तथा जैविक खेती को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान देने को कहा। संस्थान के विकसित सूक्ष्मजीव जैव उर्वरक, बॉयो-स्टिमुलेंट तथा बॉयोपेस्टिसाइड उत्पादों का भी अवलोकन किया। इस दौरान आईसीएआर के सहायक महानिदेशक डॉ. सुधाकर पांडेय सहित अन्य अफसर भी मौजूद रहे।

भारत-इजरायल साझेदारी होगी विशेष रणनीतिक

प्रधानमंत्री मोदी-नेतन्याहू के बीच ईरान फिलिस्तीन पर चर्चा

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक इजरायल यात्रा के दौरान दोनों देशों ने अपने संबंधों को शांति, स्मृद्धि और नवाचार पर आधारित विशेष रणनीतिक साझेदारी तक ले जाने का फैसला किया है। दोनों नेताओं की मौजूदगी में रक्षा सहयोग, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, शिक्षा, सायबर और कृषि क्षेत्र में सहयोग के अनेक समझौतों और करारों पर हस्ताक्षर किए गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि द्विपक्षीय संबंध गहरे विश्वास और सहयोग पर आधारित हैं जिससे क्षेत्रीय और विश्व स्थिरता को बढ़ावा मिलेगा।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ व्यापक द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों नेताओं ने भारत-इजराइल संबंधों के सभी पहलुओं पर चर्चा की। बातचीत में प्रौद्योगिकी और नवाचार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता व उभरती तकनीकें, रक्षा-सुरक्षा, व्यापार-अर्थव्यवस्था, श्रम गतिशीलता, शिक्षा, ब्लू इकोनॉमी, कृषि और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्र शामिल रहे। क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श हुआ।

उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण घोषणा करते हुए दोनों देशों ने संबंधों को ह्यशांति,

नवाचार और समृद्धि हेतु विशेष रणनीतिक साझेदारीह्व के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। तकनीक, विज्ञान, वित्त, संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में कई ठोस समझौते भी अंतिम रूप दिए गए।

प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता के दौरान ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के इस पक्ष को दोहराया की सभी मुद्दों का समाधान शांतिपूर्ण तरीके से बातचीत के जरिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत इस दिशा में किए जा रहे किसी प्रयास या पहल में सहयोग देने के लिए तैयार है।

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने वार्ता के बाद एक पत्रकार वार्ता में कहा कि भारत ने फिलिस्तीन समस्या के संबंध में किए जा रहे शांति प्रयासों का समर्थन किया है। प्रधानमंत्री ने इस संबंध में इजरायल की संसद में दिए गए अपने संबोधन में विस्तार से जिक्र किया है।

मिस्री ने युद्ध विभिषिका के शिकार गाजा के पुनर्निर्माण के संबंध में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा कि इस काम में भारत अपनी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। हमारी भूमिका इस पर निर्भर करेगी कि वहां किस प्रकार गतिविधियां चलाई जाती हैं। भारत इस संबंध में विशेष क्षमता रखता है।

उन्होंने बताया कि भारत पहले से ही 17 करोड़ डॉलर फिलिस्तीन में विभिन्न प्रकल्प चला रहा है। इसके अलावा चार करोड़ डॉलर वाली अन्य परियोजना जल्द ही शुरू होने की प्रक्रिया में है। यह प्रकल्प शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षमता निर्माण पर केन्द्रित है। गाजा शांति पहल जैसे आगे बढ़ेगी, उसी के अनुरुप हम अपने योगदान में इजाफा करेंगे।

भारत पश्चिम एशिया यूरोप आर्थिक कोरिडोर (आईमैक) के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में विदेश सचिव ने कहा कि दोनों प्रधानमंत्रियों ने विचार-विमर्श किया। यह परियोजना कैसे आगे बढ़ेगी यह क्षेत्रिया परिस्थितियों पर निर्भर है। इस दिशा में प्रगति के लिए आर्थिक गलियारे से जुड़े देशों के बीच संबंधों पर निर्भर है। फिलहाल विभिन्न देश अपनी क्षमताओं के अनुसार कदम उठा रहे हैं। यह सभी पक्षधारकों की जिम्मेदारी है कि वे इस क्षेत्र में अनुकुल हालात बनाने के लिए काम करें। उन्होंने कहा कि इजरायल इस समय आईमैक का औपचारिक सदस्य नहीं है लेकिन इस परियोजना की सफलता में उसकी प्रमुख भूमिका है। भारत इजरालय और अन्य देशों के संपर्क में है तथा परियोजना को अंजाम तक पहुंचाया जा सके।

घोषणा एवं निष्कर्ष

दोनों देशों ने घोषणा कि वे अपने संबंधों को विशेष रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक उन्नत करेंगे। इजरायल अगले 5 वर्षों में 50 हजार भारतीय श्रमिकों को अपने यहां काम करने का अवसर देगा। दोनों देश राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों के नेतृत्व में महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों में सहयोग पहल की शुरूआत करेंगे। वित्तीय संवाद करेंगे और मुक्त व्यापार समझौते को अंतिम रूप देंगे। विज्ञान और प्रौद्योगिकी पर संयुक्त समिति को मंत्रिस्तरीय स्तर तक उन्नत किया जाएगा। तकनीकी प्रवेश द्वार पहल, कृषि अनुसंधान में 20 संयुक्त छात्रवृत्तियां, संयुक्त अनुसंधान प्रस्तावों के लिए दोनों पक्षों के योगदान में वृद्धि, भारत-इजराइल अकादमिक सहयोग मंच और भारत-इजराइल संसदीय मैत्री समूह अन्य घोषणायें हैं। भारत और इजरायल के बीच कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इजरायल अपने यहां यूपीआई लाएगा। खनिज अन्वेषण में उन्नत भू-भौतिकीय व एआई तकनीक, लोटल (गुजरात) में राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर के विकास और 2026-29 सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम क्रियान्वयन पर सहमति बनी।

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को 1.5 लाख रुपये तक कैशलेस इलाज देगी पीएम राहत योजना: नितिन गडकरी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

सड़क दुर्घटना पीड़ितों को समय पर कैशलेस इलाज उपलब्ध कराने के लिए केंद्र सरकार की पीएम राहत योजना के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा गुरुवार को की गई। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन जराम गडकरी की अध्यक्षता में हुई बैठक में योजना की तैयारियों और राज्यों के साथ समन्वय का आकलन किया गया।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री द्वारा 13 फरवरी को शुरू की गई पीएम राहत (रोड एक्सीडेंट विक्टिम्स हॉस्पिटलाइजेशन एंड एश्योर्ड ट्रीटमेंट) योजना के तहत सड़क दुर्घटना के प्रत्येक पात्र पीड़ित को 07 दिन तक अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा।

मंत्रालय ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं में हर साल बड़ी संख्या में लोगों की मौत होती है। अध्ययन बताते हैं कि यदि पीड़ित को पहले एक घंटे यानी गोल्डन आवर में अस्पताल पहुंचाया जाए तो करीब 50 प्रतिशत मौतें रोकी जा सकती हैं।

योजना के तहत इमरजेंसी रिस्पॉन्स

सपोर्ट सिस्टम 112 हेल्पलाइन को जोड़ा गया है। दुर्घटना स्थल पर मौजूद व्यक्ति, राहवीर या पीड़ित 112 पर कॉल कर नजदीकी अस्पताल और एंबुलेंस की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

मंत्रालय के अनुसार, गैर-गंभीर मामलों में 24 घंटे और गंभीर मामलों में 48 घंटे तक स्थिरीकरण उपचार उपलब्ध कराया जाएगा। इसके लिए पुलिस द्वारा डिजिटल प्रणाली पर निर्धारित समय में पुष्टि करना जरूरी होगा।

योजना को तकनीक आधारित प्रणाली के माध्यम से लागू किया जा रहा है। इसमें दुर्घटना रिपोर्टिंग, अस्पताल में भर्ती, पुलिस सत्यापन, इलाज, दावा और भुगतान की पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से जुड़ी होगी। अस्पतालों को भुगतान मोटर वाहन दुर्घटना कोष से किया जाएगा। बीमित वाहन के मामलों में बीमा कंपनियों के योगदान से भुगतान होगा। जबकि हिट एंड रन और बिना बीमा वाले मामलों में भुगतान केंद्र सरकार करेगी। राज्य स्वास्थ्य एजेंसी द्वारा स्वीकृत दावों का भुगतान 10 दिन के भीतर किया जाएगा।

मंत्रालय ने बताया कि शिकायतों के निवारण के लिए जिला स्तर पर जिला कलेक्टर की अध्यक्षता वाली जिला सड़क सुरक्षा समिति के तहत एक शिकायत निवारण अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।

बैठक में विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन और स्वास्थ्य मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और अन्य संबंधित पक्ष शामिल हुए।

लोकतंत्र में सवाल पूछना, अपनी बात रखना नागरिकों का अधिकार: राहुल गांधी

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

भारतीय युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शनों के बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं।

राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में कहा कि लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब सरकार आलोचना सुनती है और

जवाब देती है। भारत एक लोकतांत्रिक देश है और यहां सवाल पूछना लोकतंत्र का हिस्सा है। लोकतंत्र में सवाल पूछना और अपनी बात रखना नागरिकों का अधिकार है। सरकार की जिम्मेदारी है कि वह आलोचना को सुने और उसका जवाब दे।

उन्होंने कहा कि आज देश में शांतिपूर्ण विरोध को अपराध की तरह देखा जा रहा है। विभिन्न मुद्दों पर आवाज उठाने वाले युवाओं, महिला खिलाड़ियों, किसानों और अन्य लोगों को कार्रवाई का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि असहमति को देशविरोध से जोड़कर देखा जा रहा है।राहुल ने कहा कि कई मौकों पर युवा, महिला खिलाड़ियों, किसानों, आदिवासियों एवं अन्य समूहों ने अपने अधिकारों और मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से आवाज उठाई, लेकिन उनकी मांगों पर संवाद के बजाय कार्रवाई देखने को मिली।उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 16-21 फरवरी तक आयोजित एआई शिखर सम्मेलन के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अर्धनग्न विरोध प्रदर्शन के मामले में कई कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया। युवा कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चिब को भी गिरफ्तार किया गया है।

राष्ट्रपति जनता के बीच पैदल चलीं, बच्चों को चॉकलेट बांटी

एजेंसी (हि.स.)
पूर्वी सिंहभूम

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कदमा में आयोजित श्री जगन्नाथ आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक केंद्र के भूमि पूजन के बाद बारीडीह पहुंचीं, जहां उन्होंने मणिपाल टाटा मेडिकल कॉलेज में परिचय सम्मेलन में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ फोटो सेशन किया, मेधावी छात्रों से संवाद किया और कॉलेज परिसर का निरीक्षण कर पौधारोपण किया। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद जब राष्ट्रपति कॉलेज परिसर से बाहर निकलीं, तो सड़क किनारे बड़ी संख्या में

लोगों की भीड़ मौजूद थी। लोगों का उत्साह देखकर उन्होंने अपना काफिला रुकवाया और वाहन से उतरकर पैदल ही जनता के बीच पहुंच गईं। राष्ट्रपति करीब 150 कदम तक आम लोगों के बीच चलीं और अभिवादन स्वीकार किया। अपने बीच राष्ट्रपति को पाकर लोगों का उत्साह चरम पर था। खासकर महिलाओं और बच्चों में विशेष उत्साह देखा गया। कई लोग हाथों में तिरंगा लिए राष्ट्रपति जिंदाबाद के नारे लगा रहे थे।

राष्ट्रपति ने भी स्नेहपूर्वक लोगों का अभिवादन किया और भीड़ में मौजूद बच्चों को चॉकलेट बांटी। एक बच्ची ने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि उसे स्वयं राष्ट्रपति ने चॉकलेट दी। वहीं परविंदर कौर नामक एक महिला ने कहा कि वह कई घंटों से राष्ट्रपति की एक झलक पाने के लिए खड़ी थीं। जब राष्ट्रपति गाड़ी से उतरकर पैदल उनकी ओर आईं, तो यह क्षण उनके लिए अविस्मरणीय बन गया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति ने उनकी बेटी को चॉकलेट देने के साथ आशीर्वाद भी दिया, जिससे परिवार बेहद भावुक और प्रसन्न है।

मुख्यमंत्री योगी का सिंगापुर और जापान दौरा संपन्न, डेढ़ लाख करोड़ का हुआ एमओयू

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का चार दिवसीय सिंगापुर व जापान दौरा पूरा हुआ। इस यात्रा के दौरान प्रदेश सरकार को 1.5 लाख करोड़ के एमओयू तथा 2.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि इन निवेश प्रस्तावों के धरातल पर उतरने से पांच लाख से अधिक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर सृजित होंगे और यह उत्तर प्रदेश को वर्ष 2029-30 तक वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में एक निर्णायक कदम सिद्ध होगा। गुरुवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री के दौरे से जुड़ी पूरी जानकारी दी गयी।

जापान में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि जापान में 90 हजार करोड़ के एमओयू और लगभग 1.5 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव उत्तर प्रदेश के प्रतिनिधिमंडल को प्राप्त हुए हैं। इसी प्रकार सिंगापुर में 60 हजार करोड़ के एमओयू और लगभग एक लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। इन प्रस्तावों को आगे बढ़ाने का कार्य इन्वेस्ट यूपी और राज्य के अन्य संबंधित विभाग समयबद्ध ढंग से करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस पूरी यात्रा के दौरान यह स्पष्ट रूप से देखने को मिला कि कानून-व्यवस्था (लॉ एंड ऑर्डर) और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस पर प्रधानमंत्री मोदी का प्रारंभ से रहा फोकस अब परिणाम दे रहा है। टेक्नोलॉजी के व्यापक उपयोग और प्रशासनिक पारदर्शिता से वैश्विक निवेशकों का विश्वास अर्जित होता है और यही विश्वास दोनों देशों में उत्तर प्रदेश के प्रति दिखाई दिया। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में उत्तर प्रदेश को अग्रणी राज्य के रूप में स्थापित किया गया है तथा रूल ऑफ लॉ के अनुरूप बेहतर कानून-व्यवस्था सुनिश्चित की गई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव निवेश के माहौल पर पड़ा

है।मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि यामानाशी के गवर्नर अगस्त माह में लगभग 200 जापानी सीईओ के प्रतिनिधिमंडल के साथ उत्तर प्रदेश आने वाले हैं, जो संभावित निवेश को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा। इसी प्रकार सिंगापुर से भी एक बड़ा बिजनेस डेलिगेशन उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए आने को उत्सुक है। योगी ने कहा कि इस यात्रा के दौरान भारतीय समुदाय के साथ संवाद का अवसर भी मिला। सिंगापुर, टोक्यो और यामानाशी, तीनों स्थानों पर भारतीय समुदाय के साथ बड़े और उत्साहपूर्ण कार्यक्रम संपन्न हुए, जिन्होंने भारत और उत्तर प्रदेश के प्रति सकारात्मकता और विश्वास को और सुदृढ़ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश के पास पर्याप्त स्केल, बड़ा लैंड बैंक और निवेश को आकर्षित करने के लिए स्पष्ट सेक्टोरल पॉलिसियां हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था की सुदृढ़ स्थिति और पारदर्शी प्रशासनिक व्यवस्था निवेशकों के विश्वास को मजबूत कर रही है। यदि 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक के एमओयू और 2.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतरते हैं, तो पांच लाख से अधिक युवाओं को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिंगापुर और जापान की यह यात्रा केवल समझौतों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, स्किलिंग, औद्योगिक निवेश और रोजगार सृजन के माध्यम से उत्तर प्रदेश के विकास की नई दिशा तय करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह दौरा उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य की दिशा में एक महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक मील का पत्थर सिद्ध होगा।सिंगापुर व जापान के चार दिवसीय दौरे के समापन पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज यात्रा का चौथा दिन है और एक प्रकार से यह यात्रा के विराम का दिन है। उन्होंने प्रसन्नता जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज पूरी दुनिया में भारत के प्रति अत्यंत सकारात्मक भाव बना है। उनके मार्गदर्शन और प्रेरणादायी नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में पिछले साढ़े आठ-नौ वर्षों में जो ठोस कदम उठाए गए हैं, उनका सकारात्मक संदेश विश्व के देशों तक पहुंचा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन चार दिनों में प्रतिनिधिमंडल ने अनेक विशिष्ट व्यक्तियों और संस्थाओं के साथ सार्थक संवाद किया। जी2जी (गवर्नमेंट-टू-गवर्नमेंट) स्तर पर उच्चस्तरीय बैठकें संपन्न हुईं, जी2बी (गवर्नमेंट-टू-बिजनेस) स्तर पर महत्वपूर्ण विचार-विमर्श हुआ तथा बी2बी (बिजनेस-टू-बिजनेस) बैठकों के माध्यम से औद्योगिक सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई। दोनों देशों में इन सभी बैठकों और कार्यक्रमों को मिलाकर लगभग 60 से अधिक औपचारिक संवाद और कार्यक्रम आयोजित हुए।

वैश्विक नेता बनने के लिए राष्ट्र को औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति पानी होगी : उपराष्ट्रपति

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने गुरुवार को कश्मीर विश्वविद्यालय के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि नवाचारों के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के लिए देश को अपनी औपनिवेशिक मानसिकता त्यागनी होगी। उपराष्ट्रपति ने युवाओं को सोशल मीडिया के उपयोग के प्रति सचेत रहने की भी सलाह दी। उन्होंने कहा कि इस पर नियंत्रण रखना होगा। सोशल मीडिया आपको जीवन में अधिक सफल होने में मदद नहीं करेगा। हर चीज की अपनी सीमा होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि एक स्नातक छात्र के रूप में मैं आप सभी से स्वदेशी नवाचार और भारतीय ज्ञान, संसाधनों और आवश्यकताओं पर आधारित समाधानों पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह करता हूं। हमें चिंतित होने की आवश्यकता नहीं है, हमें हीन होने की आवश्यकता नहीं है। हमें सबसे पहले अपनी औपनिवेशिक मानसिकता को त्यागना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में उद्यमशीलता के माहौल को पहले से कहीं अधिक जीवंत और सहायक बनाया है। कोविड-19 महामारी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश के सभी वैज्ञानिकों से इस महामारी के लिए टीका विकसित करने का आह्वान किया है। हममें से कितने लोगों ने इस पर विश्वास किया था? लेकिन हमने सबसे बेहतरीन टीका खोज लिया है और यह पूरी मानवता के लिए बहुत कारगर साबित हुआ है। उपराष्ट्रपति ने आगे कहा कि इसी टीके पर सबसे विकसित पश्चिमी देशों ने भी शोध और विकास किया है, लेकिन वे सभी इसे पेटेंट कराने में पीछे रह गए, ताकि वे इसे ऊंची कीमत पर बेच सकें।उन्होंने कहा कि एक टीका 7,500 अमेरिकी डॉलर में बिक सकता है, लेकिन एक गरीब आदमी इसे कैसे खरीद सकता है? उन्होंने कहा कि भारतीय नवाचारों को पश्चिमी दुनिया में भी व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। उन्होंने कहा कि अब पूरी दुनिया आपके लिए खुली है, यह आपकी पहल है, आपकी रुचि है, आपका उत्साह है और आपकी मेहनत आपको दुनिया के शिखर पर पहुंचाएगी। राधाकृष्णन ने बताया कि हाल ही में केंद्र सरकार ने 1600 करोड़ रुपये से अधिक की अनुमानित लागत से श्रीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के विकास और विस्तार को मंजूरी दे दी है।

उन्होंने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा था कि पर्यटन का विस्तार किया जाना है, लेकिन इसे हमारे महान राज्य के पारिस्थितिकी तंत्र को प्रभावित किए बिना किया जाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि चिनाब नदी पर बना रेल पुल एक चमत्कार है जो सबसे ऊंचा रेलवे पुल है।उन्होंने कहा कि कई अन्य अवसंरचना परियोजनाएं हैं जो एक बड़ा संदेश देती हैं। ये परियोजनाएं इंजीनियरिंग उपलब्धियों से कहीं अधिक हैं। ये सामाजिक सद्भाव के साधन हैं। जब स्थान जुड़ते हैं तो लोग जुड़ते हैं। और जब लोग जुड़ते हैं तो दिल आपस में जुड़ते हैं। उपराष्ट्रपति ने कहा कि ये पहलें आज स्नातक हो रहे युवाओं जैसे युवाओं के लिए नए अवसर भी पैदा करती हैं। उन्होंने कहा कि जम्मू और कश्मीर के छात्रों के लिए प्रधानमंत्री की विशेष छात्रवृत्ति योजना छात्रों को देश भर के संस्थानों में अध्ययन करने में सक्षम बनाकर एक महान अवसर, आकांक्षा और राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देती हैं। छात्रों से नशीले पदार्थों से दूर रहने का आग्रह करते हुए राधाकृष्णन ने कहा कि आपके माता-पिता आप पर निर्भर हैं कि आप उनके बुढ़ापे में उनकी देखभाल करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि हर धर्म नशीले पदार्थों को सबसे पापपूर्ण पदार्थ मानता है, इसलिए नशीले पदार्थों से दूर रहें।

देवभूमि की अस्मिता से समझौता बर्दाश्त नहीं, युवा सड़कों पर : सन्नी शुक्ला

एजेंसी (हि.स.)
हमीरपुर

भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश अध्यक्ष सन्नी शुक्ला ने मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली हिमाचल प्रदेश सरकार के खिलाफ तीखा हमला बोला है।उन्होंने प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति, कथित माफिया गतिविधियों और राजनीतिक हस्तक्षेप को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं।

भाजयुमो के आह्वान पर प्रदेश के चारों संसदीय क्षेत्रों सोलन, पालमपुर, हमीरपुर और मंडी में कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किए।इन प्रदर्शनों में बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सन्नी शुक्ला ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार राजनीतिक दबाव में काम कर रही है और इससे प्रदेश की छवि को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि अपराधियों को कथित संरक्षण दिए जाने और पुलिस तंत्र के राजनीतिकरण के कारण कानून-व्यवस्था प्रभावित हुई है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि राज्य में अपराध दर में वृद्धि हुई है और इससे आम जनता में असुरक्षा की भावना बढ़ी है। शुक्ला ने मुख्यमंत्री से इन मुद्दों पर स्पष्ट जवाब देने की मांग की।

भाजयुमो अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश में पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। उनके अनुसार, कानून-व्यवस्था को राजनीतिक प्रभाव से मुक्त किया जाना चाहिए ताकि पुलिस निष्पक्ष रूप से कार्य कर सके।

सन्नी शुक्ला ने कहा कि यदि सरकार ने आरोपों पर ठोस कदम नहीं उठाए, तो भाजयुमो आंदोलन को और तेज करेगी। उन्होंने संकेत दिया कि आने वाले समय में सचिवालय का घेराव और व्यापक आंदोलन भी किया जा सकता है।

भाजयुमो ने मांग की है कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ किया जाए और किसी भी प्रकार के राजनीतिक संरक्षण को तुरंत समाप्त किया जाए।

उधर हमीरपुर जिला भाजपा युवा मोर्चा ने प्रदेश सरकार के खिलाफ गांधी चौक पर नारेबाजी की। इस दौरान कहा गया कि एआई समिट में कांग्रेस कार्यकताओं ने पूरे प्रदेश का शर्मसार किया है। इस दौरान राहुल गांधी के खिलाफ भी नारे लगाए गए। कहा गया तीन आरोपी रोहडू में छिपे हुए थे तथा प्रदेश सरकार उनको संरक्षण दे रही थी। जब दिल्ली की पुलिस उनको पकड़ने के लिए आती है तो पुलिस को रोका जाता है। सरकार यदि ऐसे मसलों पर पड़ेगी तो प्रदेश का विकास कैसे होगा।

हिमाचल बोर्ड स्कूलों को सीबीएसई में कन्वर्ट करने के फैसले पर पुनर्विचार करे सरकार : सुनील शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
धर्मशाला

हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड कर्मचारी यूनियन ने प्रदेश सरकार से मांग की है कि हिमाचल बोर्ड के स्कूलों को सीबीएसई में कन्वर्ट करने के फैसले पर पुनर्विचार करे। यूनियन का मानना है कि बच्चों पर सीबीएसई थोपने के बजाय, अच्छा होता सरकार आदर्श मुख्यमंत्री स्कूल खोलती। एचपी बोर्ड के स्कूलों को सीबीएसई में कन्वर्ट करने के विरोध अभिभावकों के साथ बच्चे भी नारे लगाने को मजबूर हो रहे हैं। सरकार इस मामले पर गंभीरता से पुनर्विचार करे, जिससे कि सीबीएसई के कारण अभिभावकों व बच्चों में जो असमंजस की स्थिति है, उससे उन्हें राहत मिल सके। यह बात हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड कर्मचारी यूनियन के अध्यक्ष सुनील शर्मा ने वीरवार को प्रेसवार्ता में कही।

उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने स्कूल शिक्षा बोर्ड के स्कूलों को सीबीएसई में मर्ज करने का फैसला लिया है जोकि पूरी तरह से गलत है। इन स्कूलों को मर्ज करने की बजाय अगर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री आदर्श स्कूल शुरू करती तो प्रदेश के बच्चों को काफी फायदा होता है। उन्होंने कहा कि ब्रांड बदलने से शिक्षा का स्तर नहीं बदल जाता, क्योंकि सीबीएसई के स्कूलों में भी एनसीईआरटी की ही किताबें पढ़ाई जाएंगी और वही किताबें हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड पढ़ा रहा है। इसके अलावा सीबीएसई के स्कूलों में भी वही शिक्षक होंगे, जो एचपी बोर्ड के स्कूलों में बच्चों को पढ़ा रहे हैं तथा विद्यार्थी भी वही होंगे जो स्कूल शिक्षा बोर्ड से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार को एक बार फिर से अपने फैसले पर मंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश सरकार अपने फैसले पर मंथन नहीं करती है तो स्कूल शिक्षा बोर्ड कर्मचारी यूनियन न्यायालय जाने से भी गुरेज नहीं करेगा। इससे पहले बोर्ड कर्मचारी यूनियन बुद्धिजीवी वर्ग से भी विचार विमर्श करेगा। उन्होंने कहा कि परीक्षा के समय में स्कूलों को सीबीएसई करने के लिए कई स्कूलों को मर्ज किया जा रहा, जिससे परीक्षा की तैयारी कर रहे बच्चे असमंजस में पड़ गए हैं। एक ओर सरकार क्वालिटी एजुकेशन की बात कह रही है, वहीं इस तरह के निर्णयों से बच्चों का परीक्षा के समय मनोबल गिराने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह मामला छात्र हित से जुड़ा है और बोर्ड कर्मचारी यूनियन छात्र हितों से खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं करेगी।

जीडीसी बसोहली में एनएसएस विशेष शीतकालीन शिविर का समापन, विद्यार्थियों को किया सम्मानित

एजेंसी (हि.स.)
कठुआ

सरकारी डिग्री कॉलेज बसोहली की एनएसएस इकाई द्वारा आयोजित 7 दिवसीय विशेष शीतकालीन शिविर का समापन गुरुवार को भव्य समारोह के साथ हुआ। शिविर का आयोजन 20 से 26 फरवरी तक कॉलेज प्राचार्य प्रो. राज किरण शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

समापन समारोह में मुख्य अतिथि बसोहली विधायक दर्शन कुमार को एनसीसी कैडेट्स ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्ज्वलन और स्वागत संबोधन से हुई, जिसमें एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रोशन लाल ने एनएसएस को युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी और राष्ट्रसेवा की भावना विकसित करने वाला महत्वपूर्ण मंच बताया। सात दिवसीय शिविर के दौरान स्वच्छता अभियान, जागरूकता रैलियां, नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम, विशेषज्ञों के साथ संवाद तथा सामुदायिक सेवा जैसी गतिविधियां आयोजित की गईं। स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अपने संबोधन में विधायक दर्शन कुमार ने एनएसएस इकाई, कॉलेज प्रशासन और स्वयंसेवकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर युवाओं के व्यक्तित्व विकास और समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करते हैं। उन्होंने छात्रों को भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। समारोह के अंत में सभी स्वयंसेवकों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवकों राधिका देवी और मेहक ठाकुर ने किया तथा राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संक्षिप्त-समाचार

विनय कुमार का केंद्र सरकार पर हमला, अभिव्यक्ति की आजादी दबाने का लगाया आरोप

शिमला। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष विनय कुमार ने वीरवार को केंद्र की मोदी सरकार पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर रोक लगाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि देश में अघोषित आपातकाल जैसे हालात पैदा हो गए हैं, जहां सरकार के खिलाफ बोलने और शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं दी जा रही। विनय कुमार ने कहा कि दिल्ली में भारतीय युवा कांग्रेस के शांतिपूर्ण प्रदर्शन से केंद्र सरकार बौखला गई है और इसी कारण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आलोचनाओं को दबाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन युवा कांग्रेस कार्यकर्ता इससे डरने वाले नहीं हैं। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की आलोचना करते हुए कहा कि यदि किसी राज्य में बिना सूचना दिए हिरासत में लेने की कोशिश की जाती है, तो यह संघीय ढांचे और राज्य की गरिमा के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश एक प्रमुख पर्यटन राज्य है और इस प्रकार की घटनाओं से प्रदेश की छवि प्रभावित हो सकती है। विनय कुमार ने कहा कि दिल्ली में युवा कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन प्रधानमंत्री की नीतियों के खिलाफ था। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडो-यूएस व्यापार समझौता देश के हितों के अनुरूप नहीं है और केंद्र सरकार आलोचना को सहन नहीं कर पा रही। उन्होंने यह भी कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं दिया जाता, जो लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कांग्रेस ने संकेत दिया है कि राहुल गांधी के मार्गदर्शन में देशभर में जनजागरण अभियान चलाया जाएगा।

नेगी ने सिरमौर के बागथन में 1 करोड़ 25 लाख से बनने वाले जैव नियंत्रण प्रयोगशाला का किया शिलान्यास

नाहन। राजस्व, बागवानी, जनजातीय विकास एवं लोक शिकायत निवारण मंत्री जगत सिंह नेगी ने जिला सिरमौर के प्रवास कार्यक्रम के दौरान वीरवार को बागथन में 1 करोड़ 25 लाख से बनने वाले जैव नियंत्रण प्रयोगशाला का शिलान्यास किया। इसके उपरांत उन्होंने फल पौध एवं प्रदर्शन केंद्र (पीसीडीओ) का निरीक्षण भी किया। उन्होंने विभाग के अधिकारियों से इस केंद्र के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। बागवानी मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बागथन में यह जैविक नियंत्रण प्रयोगशाला क्षेत्रवासियों के लिए सुरक्षित, अवशेष-मुक्त एवं टिकाऊ बागवानी के विकास में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने कहा कि यह भूमि प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री स्वर्गीय डॉ. यशवंत सिंह परमार की जन्मभूमि है। उन्होंने जिस दूरदर्शिता के साथ बागवानी को हिमाचल की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बनाया, आज हम उसी विचारधारा को आधुनिक, वैज्ञानिक तकनीक और जैविक प्रबंधन के माध्यम से आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान प्रदेश सरकार रासायनिक दवाओं पर निर्भरता कम करते हुए जैविक एजेंटों के माध्यम से फसलों की सुरक्षा को प्रोत्साहित कर रही है ताकि किसान कम लागत में अधिक लाभ अर्जित कर सकें तथा प्रदेश का फल एवं सब्जी उत्पादन राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो सके।उन्होंने कहा कि कम लागत अधिक लाभ और सुरक्षित उत्पादन प्रदेश सरकार का मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को जैविक बागवानी का मॉडल बनाना हमारा लक्ष्य है जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो मिट्टी की सेहत सुधरे और उपभोक्ताओं को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य उत्पाद प्राप्त हों।

अखिल भारतीय सिविल सेवाएं कुश्ती चैंपियनशिप का शुभारंभ

मंडी। आयुष, युवा सेवाएं और खेल, कानून एवं विधि परामर्शी मंत्री यादविंद्र गोमा ने आज यहां राजकीय वल्लभ डिग्री कॉलेज मंडी में आयोजित तीन दिवसीय अखिल भारतीय सिविल सेवाएं कुश्ती चैंपियनशिप-2025-26 का विधिवत शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में देशभर से 25 टीमों के लगभग 500 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। इनमें 200 महिला व लगभग 300 पुरुष खिलाड़ी शामिल हैं। इस अवसर पर यादविंद्र गोमा ने कहा कि प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खु के नेतृत्व में प्रदेश में खेल अधोसंरचना को मजबूत करने तथा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने पर विशेष ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों की सम्मान राशि में कई गुणा बढ़ोतरी की है। यादविंद्र गोमा ने कहा कि राज्य सरकार ने हाल ही में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक विजेता खिलाड़ियों के सम्मान में एक कार्यक्रम शिमला में आयोजित किया, जिसके तहत इन खिलाड़ियों को लगभग 17 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराज्यीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को दूसरे राज्यों में यात्रा के दौरान थ्री टीयर सुविधा रेल यात्रा में प्रदान करने का निर्णय राज्य सरकार ने निर्णय लिया है।

श्रीनगर में पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 कार्यशाला का आयोजन

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

भारतीय जनता पार्टी ने श्रीनगर, अनंतनाग और बारामूला जिलों के लिए 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026' के बैनर तले श्रीनगर स्थित अमर सिंह क्लब में एक कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में पार्टी पदाधिकारियों, जिला प्रतिनिधियों और जमीनी स्तर के कार्यकताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यशाला को विधायक और महाअभियान के क्षेत्रीय सह-संयोजक अजय महावर और जम्मू-कश्मीर भाजपा के महासचिव (संगठन) अशोक कौल ने संबोधित किया। उपस्थित प्रमुख नेताओं में जम्मू-कश्मीर भाजपा की उपाध्यक्ष शहनाज गनी, राज्य सचिव आरिफ राजा, मुदासिर वानी (कार्यक्रम प्रभारी), साजिद यूसुफ शाह (कार्यक्रम सह-प्रभारी), वरिष्ठ नेता सोफी यूसुफ, डॉ. अली मोहम्मद मीर और कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी और जिला पदाधिकारी शामिल थे। इस अवसर पर बोलते हुए अजय महावर ने इस बात पर जोर दिया कि भाजपा एक दृढ़ संकल्पित पार्टी है जो अनुशासन, प्रतिबद्धता और अंत्योदय दर्शन तथा राष्ट्र-प्रथम सिद्धांतों से प्रेरित स्पष्ट वैचारिक आधार पर टिकी हुई है। उन्होंने कहा कि सुनियोजित प्रशिक्षण कार्यशालाएँ पार्टी के संगठनात्मक ढांचे की रीढ़ है जो यह सुनिश्चित करती हैं कि हर स्तर पर कार्यकर्ता पार्टी की विचारधारा, नीतियों और समकालीन राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप रहें। उन्होंने पार्टी संरचना, प्रभावी संचार, जनसंपर्क रणनीतियों और समाज के प्रति निर्वाचित प्रतिनिधियों की ज़िम्मेदारी जैसे महत्वपूर्ण संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि व्यवस्थित और निरंतर प्रशिक्षण से पार्टी नेताओं और कार्यकताओं में राजनीतिक परिपक्वता, जवाबदेही, नेतृत्व कौशल और कुशल जनसेवा को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि यद्यपि राजनीतिक और सामाजिक परिदृश्य समय के साथ बदलते रहते हैं, पार्टी का वैचारिक आधार और मार्गदर्शक सिद्धांत अटल और अडिग रहते हैं। अशोक कौल ने अपने संबोधन में महाअभियान कार्यक्रम का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया और ज़िला स्तर से लेकर मंडल और बूथ स्तर तक आयोजित होने वाले प्रशिक्षण सत्रों की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए समन्वय, समर्पण और सामूहिक प्रयास के महत्व पर बल दिया। वैचारिक स्पष्टता और जागरूक सक्रियता की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने आग्रह किया कि वरिष्ठ नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर के कार्यकताओं तक, प्रत्येक कार्यकर्ता को राष्ट्रीय, सामाजिक-आर्थिक और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर पार्टी के रुख से अवगत रहना चाहिए।

ग्रामीण स्कूल को भेंट किया आधुनिक और रोबोटिक्स नीनो वी 2 रोबोट

एजेंसी (हि.स.)
नाहन

सिरमौर जिला के ग्रामीण क्षेत्र के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला भलाड़ भलोना के विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत ऐतिहासिक रहा जब इंडिया टू डे ग्रुप और केयर इंडिया फंड की ओर से स्कुल को अत्याधुनिक नीनो वी 2 रोबोट प्रदान किया गया।

स्कूल के प्रधानाचार्य लाल सिंह ने इन संस्थाओं का आभार जताते हुए बताया कि यह रोबोट न केवल बच्चों के आकर्षण का केंद्र होगा बल्कि उनकी तार्किक और तकनीकी समझ को भी विकसित करेगा। नीनो रोबोट बच्चों के साथ बात चित कर सकता है, कहानियां सुना सकता है तथा गणित और विज्ञानं जैसे कठिन विषयों को खेल खेल में समझा सकता है। यह रोबोट बहू भाषी है और कई भाषाओं में बात कर सकता है। प्रधानाचार्य लाल सिंह ने बताया कि ऐसे विश्व स्तरीय तकनीक होना शिक्षा क्षेत्र में एक क्रांति की तरह है और इससे दुर्गम क्षेत्र को लाभ होगा और वो तकनीकी क्षेत्र ०इंजीनियरिंग में बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे। ये संस्थाएं दुनिया से ग्रामीण क्षेत्रों को जोड़ने के उदेशीय से यह कार्य कर रही हैं।

मांग पत्र

यूथ कांग्रेस नेताओं ने अर्धनग्न प्रदर्शन कर देश की छवि खराब करने की कोशिश की

दिल्ली-हिमाचल पुलिस विवाद पर भाजपा राज्यपाल से मिली, सौंपा ज्ञापन

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

दिल्ली और हिमाचल प्रदेश पुलिस के बीच हुए विवाद को लेकर प्रदेश में सियासी हलचल और तेज हो गई है। इस मुद्दे पर हिमाचल भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल गुरूवार को लोक भवन पहुंचा और राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल को ज्ञापन सौंपकर दिल्ली पुलिस की कार्रवाई में कथित रूप से बाधा डालने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

ज्ञापन सौंपने के बाद नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट ने विश्व स्तर पर भारत की प्रतिष्ठा को नई ऊंचाई दी है। उनके मुताबिक इस कार्यक्रम में 20 से अधिक देशों के राष्ट्राध्यक्षों और वैश्विक तकनीकी कंपनियों के प्रमुखों की मौजूदगी में भारत की छवि मजबूत होकर उभरी।

जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि इसी दौरान यूथ कांग्रेस नेताओं ने अर्धनग्न प्रदर्शन कर देश की छवि खराब करने की कोशिश की। उन्होंने दावा किया कि यह प्रदर्शन राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के निर्देश पर हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस इस मामले में विधिसम्मत कार्रवाई कर रही थी और इसी कड़ी में कुछ महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाने की कोशिश की जा रही थी।उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस होटल से जब्त किए गए डीवीआर और अन्य दस्तावेज हासिल करना चाहती थी, क्योंकि इनसे कथित साजिश से जुड़े लोगों का खुलासा हो सकता था। ठाकुर ने आरोप लगाया कि यदि यह सामग्री सामने आ जाती तो कई लोगों की भूमिका उजागर हो सकती थी।

नेता प्रतिपक्ष ने यह भी दावा किया कि इस मामले में शामिल कुछ यूथ कांग्रेस नेताओं को हिमाचल सदन में शरण दी गई।उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं स्वीकार कर चुके हैं कि कमरों की बुकिंग मुख्यमंत्री कार्यालय के माध्यम से हुई थी। उनके अनुसार यह संगठित संरक्षण का संकेत देता है।

जयराम ठाकुर ने बताया कि जब दिल्ली पुलिस को जानकारी मिली कि कुछ आरोपी हिमाचल प्रदेश में छिपे हैं, तो पुलिस रोहडू के चांशल वैली होटल पहुंची और तीन लोगों सौरभ सिंह (अमेठी, उत्तर प्रदेश), अरवाज (कानपुर) और सिद्धार्थ (मध्य प्रदेश) को गिरफ्तार किया। उन्होंने सवाल उठाया कि इनका हिमाचल से स्थायी संबंध न होने के बावजूद वे यहां कैसे पहुंचे और क्या उन्हें राजनीतिक संरक्षण मिला।

उन्होंने आरोप लगाया कि धर्मपुर पहुंचने पर दिल्ली पुलिस को असंवैधानिक तरीके से रोका गया और रात करीब 8:11 बजे उनके खिलाफ अपहरण की एफआईआर दर्ज कर दी गई, जबकि पुलिस के पास वैध दस्तावेज और न्यायालय के आदेश मौजूद थे। ठाकुर ने कहा कि मजिस्ट्रेट से ट्रांजिट रिमांड मिलने के बाद भी दिल्ली पुलिस को रोका गया और उनके वाहन जब्त करने की कोशिश हुई, जिससे करीब 24 घंटे तक टकराव की स्थिति बनी रही।

उन्होंने कहा कि दो राज्यों की पुलिस को आमने-सामने खड़ा करना संघीय ढांचे पर सीधा आघात है। यदि राज्य सरकार ने राजनीतिक कारणों से पुलिस तंत्र का इस्तेमाल किया है तो यह संविधान की शपथ का उल्लंघन है। ठाकुर ने आरोप लगाया कि हिमाचल सरकार राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के इशारे पर काम कर रही है और देवभूमि को राजनीतिक शरणस्थली बनाया जा रहा है।

भाजपा ने राज्यपाल से मांग की है कि पूरे घटनाक्रम की केंद्र सरकार के माध्यम से उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, मुख्यमंत्री कार्यालय की भूमिका की स्वतंत्र जांच हो और दोषी अधिकारियों तथा कथित राजनीतिक संरक्षण देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का
नवोन्मेषक: स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापक: सतपॉल शर्मा
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भुपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036
सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।
स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्क: 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

राम भारत की आत्मा, राम भारत की संस्कृति और संस्कार: नायब सैनी

विपक्ष के सदस्य सदन में चर्चा करने की बजाय लोगों में जाकर बोलते है झूठ

भूपेंद्र शर्मा
चंडीगढ़

विपक्ष राम नाम का शुरू से ही कर रहा है विरोध, विपक्ष के बड़े नेताओं ने राम सेतु का विरोध किया, कांग्रेस राम विरोधी- मुख्यमंत्री

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि श्री राम भारत की आत्मा हैं, संस्कार हैं और इस राष्ट्र की संस्कृति का आधार हैं। लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि विपक्षी दल कांग्रेस इस पवित्र नाम से नफरत करता है। कांग्रेस हमेशा राम के नाम को लेकर विरोध करती रही है। इनके बड़े नेताओं ने राम सेतु पर भी आपत्ति दर्ज कराई। कांग्रेस राम विरोधी है। विपक्ष के सदस्य सदन में चर्चा करने की बजाय लोगों के बीच में जाकर झूठ बोलते हैं, इसलिए एक निंदा प्रस्ताव पारित किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री वीरवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान विधायक श्री राम कुमार कश्यप द्वारा वीबी जी- राम-जी पर लाए गए प्रस्ताव पर बोल रहे थे।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सभी को मालूम है कि विपक्ष के समय में किस प्रकार ये सदन से बाहर उठाकर फेंक देते थे। परंतु आज किसी के प्रति ऐसी सोच नहीं है। आज सबको बैठकर सुना जाता है। किसी के प्रति कोई दुर्भावना नहीं है। विधानसभा अध्यक्ष द्वारा सबको समय दिया जाता है। परंतु इसके बावजूद भी विपक्ष के सदस्य यहां बैठ कर चर्चा नहीं करते।

उन्होंने कहा कि मुख्य विपक्षी दल राम नाम से इतना नफरत करता है कि वे यहां बैठ कर सुन भी नहीं पाए। गरीब की आशा का प्रस्ताव विधायक द्वारा लाया गया है और कांग्रेस इसे सुनने के लिए तैयार ही नहीं ।*

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत - गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) : (विकसित भारत झ्र जी राम जी) किया गया है। इसके तहत 100 दिन के कार्य दिवस की सीमा को बढ़ाकर 125 दिन किया गया है। परंतु कांग्रेस श्रमिकों में भ्रामक प्रचार कर रही है। जबकि उनके समय में तो मनरेगा के तहत केवल गड्ढे खोदने और भरने का ही काम मिलता था, लेकिन वीबी जी राम जी के तहत कार्यों का भी विस्तार किया गया है, जिससे श्रमिकों को अधिक काम मिलेगा।

श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि मनरेगा का नाम कांग्रेस के समय में परिवर्तित किया गया। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने गत दिनों जब पंजाब में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया तो उस दौरान उन्हें मनरेगा श्रमिकों ने बताया कि उन्हें न तो काम मिलता है और न ही पैसा मिलता है। बड़ा भ्रष्टाचार है। इसके बाद केंद्रीय कृषि मंत्री ने जब सोशल ऑडिट करवाया तो बहुत सारी कमियां पाई गई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मनरेगा के नियम बदलने का निर्णय किया और जो मनरेगा का नाम बदलकर वीबी जी राम जी किया। इतना ही नहीं, इस एक्ट के तहत कार्य दिवसों का समय बढ़ाया गया। साथ ही, कार्य की प्रकृति का भी विस्तार किया गया। श्री नायब सिंह सैनी ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जब मनरेगा का नाम बदला गया तो कांग्रेस ने श्रमिकों के बीच भ्रामक स्थिति फैलाने का प्रयास किया। गत 2 दिन पहले भी विपक्ष ने सड़क पर प्रदर्शन किया, जिस पर हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया कि रास्ता ब्लॉक किया। प्रदर्शन के दौरान विपक्ष ने हाथों में मनरेगा के मजदूरों के साथ अन्याय हुआ के बैनर थे। ये बताएं कि श्रमिकों के साथ क्या अन्याय हुआ है।

अंबाला शहर में नवरंग राय तालाब, महावीर पार्क व बाल भवन के निर्माण कार्य जारी

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल ने सदन में कहा कि अंबाला शहर में नवरंग राय तालाब में रेलिंग, कोटा स्टोन फ्लोरिंग, प्रवेश द्वार व विद्युत कार्यों को स्थल पर पूरा कर लिया गया है। शेष कार्यों के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है जिसे 31 मार्च 2026 तक तैयार कर लिया जाएगा।

हरियाणा शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल वीरवार को बजट सत्र के दौरान पूछे गए एक प्रश्न का जवाब दे रहे थे।

उन्होंने बताया कि महावीर पार्क से संबंधित परियोजना के तहत कैंटीन का निर्माण, कनेक्टिंग ब्रिज, परिसर के चारों ओर प्रकाश व्यवस्था, पेंट कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं । परियोजना के शेष कार्यों के लिए डीपीआर तैयार की जा रही है जो 20 अप्रैल 2026 तक तैयार कर ली जाएगी। अब तक इस परियोजना पर कुल 1879.51 लाख रुपये का खर्च किया जा चुका है।

उन्होंने बताया कि बाल भवन परियोजना को पूर्ण करने हेतु 13.99 करोड़ रुपये का संशोधित अनुमान तैयार किया गया। इसमें भवन ब्लॉकों के सिविल कार्यों को पूर्ण करने का प्रावधान किया गया है। शेष कार्यों के लिए अलग से डीपीआर तैयार की जाएगी।

नई दिल्ली में आयोजित एआई समिट में कांग्रेस यूथ कार्यकताओं ने देश का किया अपमान, यह निंदनीय

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित इंडिया ए आई समिट में कांग्रेस के यूथ कार्यकर्ताओं ने जिस प्रकार का नंगा नाच किया और भारत देश को दुनियाभर में अपमानित करने का काम किया है, उसकी जितनी निंदा की जाए उतनी कम है। मुख्यमंत्री वीरवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन में बोल रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाला समय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का है। इसी के मद्देनजर राज्य सरकार ने पिछले बजट में घोषणा की थी कि सरकार गुरुग्राम तथा पंचकूला में दो ए.आई हब बनाएगी। श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में वैश्विक स्तर की ए आई समिट का आयोजन किया गया। इस समिट में पूरी दुनिया से लोगों ने भागीदारी की, लेकिन कांग्रेस के यूथ कार्यकर्ताओं ने वहां नंगा नाच करके इस देश को दुनिया में अपमानित किया।

महम विधानसभा के किसानों को मिलेगा 6.46 करोड़ रुपये का मुआवजा

चंडीगढ़। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबन्धन मंत्री श्री विपुल गोयल ने कहा कि महम विधानसभा में हुई फसल नुकसान की भरपाई के लिए जल्द ही मुआवजा प्रदान किया जाएगा। इसके लिए 6.46 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी गई है। राजस्व एवं आपदा मंत्री ने कहा कि किसानों द्वारा ई-क्षतिपूर्ति पोर्टल पर 15 सितंबर 2025 तक अपलोड किए गए सभी दावों का क्षेत्र राजस्व अधिकारियों द्वारा सत्यापन किया गया है इसके अलावा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के पी०एम०एफ०बी०वाई डेटा और खाद्य,नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग, हरियाणा के ई-खरीद पोर्टल के डेटा के साथ मिलान कर लिया गया है।

हरियाणा में सड़क और रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर पर अभूतपूर्व कार्य: रणबीर गंगवा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में राज्य के सड़क तंत्र तथा आरओबी (रेलवे ओवरब्रिज) और आरयूबी (रेलवे अंडर ब्रिज) के निर्माण में अभूतपूर्व प्रगति हुई है।

लोक निर्माण (भवन एवं सड़कें) मंत्री श्री रणबीर गंगवा वीरवार को हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान विधायक श्री लक्ष्मण सिंह यादव द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रहे थे।

मंत्री ने बताया कि सड़क और रेलवे परियोजनाओं के क्षेत्र में किये गए इन प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव आमजन की जिंदगी पर सीधे दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा, यही कारण है कि हमारी सरकार लगातार तीसरी बार जनता द्वारा चुनी गई है।

उन्होंने विशेष रूप से रेवाड़ी बाईपास परियोजना का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि रेवाड़ी–दिल्ली, रेवाड़ी–रोहतक और रेवाड़ी–पटौदी रेलवे लाइन पर तीनों ओर से ह्यवी शेपह्ण का जंक्शन बनाया जाएगा। इस प्रस्ताव को स्थायी वित समिति के पास भेजा गया है और स्वीकृति मिलने के बाद इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र योजना बोर्ड (ठउफ्ढइ) को ऋण के लिए भेजा जाएगा। इस परियोजना पर लगभग 207 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। रेलवे ने इस कार्य को 2023 में अपने कार्य योजना में भी शामिल किया था।

मंत्री रणबीर गंगवा ने यह भी आश्वासन दिया कि राज्य में सड़क और रेलवे परियोजनाओं की गुणवत्ता एवं समयबद्धता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती रहेगी।

विद्यार्थियों में आत्मविश्वास की भावना को सुदृढ़ करती है कला प्रदर्शनी: डॉ. अंकेश्वर प्रकाश

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में के ललित कला विभाग में गुरुवार को रचनात्मकता का अद्भुत उत्सव देखने को मिला। विभाग द्वारा आयोजित विशेष कला प्रदर्शनी में एम.एफ.ए. के प्रतिभाशाली विद्यार्थियों कार्तिक, मुस्कान धीमान तथा दीक्षाह्व शीर्षक चित्र श्रृंखला के कलाकारों की सामूहिक कृतियों का भव्य प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि केयू परीक्षा नियंत्रक डॉ. अंकेश्वर प्रकाश, द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। विभागाध्यक्ष डॉ. गुरूचरण सिंह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में समारोह की शोभा बढ़ाई।

मुख्य अतिथि डॉ. अंकेश्वर प्रकाश ने विद्यार्थियों की सृजनात्मकता की सराहना करते हुए कहा कि कार्तिक की मूर्तियां परिपक्वता को दशार्ती हैं, ह्यदीक्षाह्ण सांस्कृतिक विरासत को संजोती है और मुस्कान की रचनाएं सामाजिक चेतना को जागृत करती हैं। यह संगम वास्तव में अद्भुत है ।ह्व उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, सृजनात्मक दृष्टि और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को सुदृढ़ करते हैं।

डॉ. गुरूचरण सिंह ने कहा कि ललित कला विभाग उभरते कलाकारों को सशक्त मंच प्रदान करने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शनी कला प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र होने के साथ-साथ लुप्त होती परंपराओं और समकालीन दृष्टिकोण के बीच सेतु का कार्य भी करती है।

इस अवसर पर संकाय सदस्य, शोधार्थी और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी आगामी तीन दिनों तक दर्शकों के लिए खुली रहेगी।

रोहतक के युवा मूर्तिकार कार्तिक ने दैनिक जीवन और परिवेश की झलक अपनी कृतियों में उकेरी। अभिव्यंजक आकृतियों और बनावटदार सतहों के माध्यम से उनकी मूर्तियां व्यक्तिगत स्मृतियों को साझा मानवीय अनुभवों में रूपांतरित करती हैं।

इस खंड को पश्चिम बंगाल की प्रसिद्ध कालीघाट शैली को समर्पित किया गया। पार्टी नाइटह्व और ऑटो में यात्राह्व जैसी कृतियों के माध्यम से कलाकारों ने पारंपरिक लोककला को आधुनिक विषयों से जोड़ा। गहरे रंगों और प्रकाश-छाया के सूक्ष्म प्रयोग से चित्रों में त्रिआयामी प्रभाव उभर कर आया।

उदीयमान कलाकार मुस्कान धीमान ने महिला सशक्तिकरण और मिड-डे मील अभियान जैसे सामाजिक विषयों पर आधारित पोस्टरों के माध्यम से बाल पोषण और शिक्षा के महत्व को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। उनके विज्ञापन अभियानों और फोटोग्राफी ने यह स्पष्ट किया कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम भी है।

संक्षिप्त-समाचार

वार्षिक परीक्षाओं में नकल करने और करवाने वाले लोगों पर तुरंत होगी कार्रवाई: विश्राम कुमार मीणा

कुरुक्षेत्र। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि भिवानी बोर्ड की परीक्षाओं में नकल करने और करवाने वालों पर तुरंत कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। ऐसे लोगों पर नजर रखने के लिए उड़न दस्तों की ड्यूटी लगाई गई है। इसके अलावा पुलिस अधिकारी और कर्मचारी भी पूरी मुस्तैदी के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन कर रहे है। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कुरुक्षेत्र जिले के परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करने के उपरांत अधिकारियों को कुछ आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। इससे पहले उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने ज्योतिसर राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के परीक्षा केन्द्रों, एसडीएम एवं नगराधीश आशीष कुमार ने आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल के साथ-साथ अन्य परीक्षा केन्द्रों का औचक निरीक्षण किया। इतना ही नहीं डीएमसी अमन कुमार, एसडीएम शाहबाद डा.चिनार, एसडीएम लाडवा अनुभव मेहता,एसडीएम पिहोवा अनिल दून ने भी अपने-अपने अधीन परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया। उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि कुरुक्षेत्र जिले में बनाए गए सभी परीक्षा केंद्रों में ड्यूटी देने वाले सुपरवाईजर, शिक्षक पूरी मेहनत और ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ अपनी ड्यूटी का निर्वहन करें, सभी के साझे प्रयासों से ही भिवानी बोर्ड की परीक्षाओं को नकल रहित और शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाया जा सकता है। उन्होंने उड़न दस्ते के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अधिकारी अपने अधीनस्थ परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करेंगे और सायं तक चेकिंग रिपोर्ट प्रशासन को देना सुनिश्चित करेंगे। इस मामले में जरा सी भी लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

गीता विद्यालय में 5 मार्च को दीनानाथ बत्रा के जन्मोत्सव पर विशेष कार्यक्रम: अशोक रोशा

कुरुक्षेत्र। श्रीमद्भागवदगीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड कुरुक्षेत्र में दीनानाथ बत्रा जन्मोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम के उपलक्ष्य में एक प्रेस वार्ता रखी गई।जिसमें विद्यालय के पूर्व छात्र व वरिष्ठ उप प्रधान अशोक रोशा ने बताया कि गीता विद्यालय एक तीर्थ के समान है जहां से छात्र संस्कार युक्त शिक्षा प्राप्त करते हैं यहां से प्राप्त शिक्षा के कारण विद्यालय के पांच छात्र पांच राज्यों के डी जी पी 4 विश्वविद्यालय के कुलपति व अनेकों संस्थान में उच्च श्रेणी पर यहां के छात्र बड़े-बड़े पदों पर आसीन हैं उन्होंने बताया दीनानाथ बत्रा के जन्मोत्सव पर पूर्व छात्रों के द्वारा 5 करोड़ का एक कॉरपोरेट अकाउंट खोला जा रहा है जिसके इंटरेस्ट से गरीब व मेधावी छात्र जो 90% से अधिक अंक लेकर पास होंगे उनकी सहायता की जाएगी तत्पश्चात विद्यालय के पूर्व छात्र व के. डी .बी.के सदस्य डॉक्टर संदीप छाबड़ा ने बताया की दीनानाथ बत्रा के जन्मोत्सव के अवसर पर एक अंग्रेजी विषय की लैब खोली जाएगी उन्होंने पूर्व छात्रों से भी आग्रह किया कि वह अपने तन मन धन से इस पुण्य कार्य में अपना बढ़ चढ़कर सहयोग दे विद्यालय के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अशोक रोशा ने बताया कि दीनानाथ बत्रा शिक्षा बचाओ आंदोलन के संस्थापक तथा राष्ट्रीय संयोजक थे ।वे विद्या भारती के महासचिव भी रहे ।उन्होंने राष्ट्रीय शैक्षिक आंदोलन में अग्रिम भूमिका निभाते हेतु सात बार जेल यात्रा की। दीनानाथ बत्रा का जन्म 5 मार्च 1930 को विभाजित भारत के डेरा गाजी खान वर्तमान पाकिस्तान में श्री टेकन दास और श्रीमती लक्ष्मी देवी के परिवार में हुआ ।विभाजन के समय वे 17 वर्ष के थे फिर भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य होने के नाते उन्होंने वीरता का परिचय देते हुए अपने परिवार को सुरक्षित अंबाला पहुंच कर स्वयं वापिस पाकिस्तान गए ताकि अपने अन्य मित्र और साथियों को सुरक्षित ला सके ।दीनानाथ बत्रा 1955 से 1965 तक डी. ए .वी.विद्यालय डेरा बस्सी पंजाब तथा 1965 से 1990 तक गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कुरुक्षेत्र में प्राचार्य रहे उन्होंने हरियाणा शिक्षा बोर्ड की पाठ्य योजना दिल्ली शिक्षा बोर्ड पाठ योजना दिल्ली शिक्षा बोर्ड समिति दिल्ली नैतिक शिक्षा समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया वे अखिल भारतीय हिंदुस्तान स्काउट गाइड के कार्यकारी अध्यक्ष भी रहे वे पंचनद शोध-संस्थान के निदेशक व संरक्षक भी रहे वे राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद एनसीआरटी की कार्यकारिणी के सदस्य भी रहे दीनानाथ बत्रा ने बहुत सी पुस्तकों की रचना की जिनमे शिक्षा का भारतीयकरण, शिक्षण में त्रिवेणी, आचार्य का आचार्यत्व जागे, वैदिक गणित, मां का आह्वान, हमारा लक्ष्य, विद्यालय में संस्कारमय वातावरण आदि अनेक चरित्र निर्माण के ऊपर पुस्तक लिखी।

शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक: प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सिटी दर्पण संवाददाता
कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने गुरुवार को विधि संस्थान द्वारा 17 से 19 मार्च तक आयोजित होने वाले लॉ फेस्ट - विधि गाला के ब्रोशर का विमोचन किया।

इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. सोमनाथ सचदेवाने कहा कि ऐसे शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आयोजन विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा विधि शिक्षा को व्यावहारिक दृष्टिकोण से समृद्ध करते हैं। उन्होंने कहा कि विधि के क्षेत्र में सफलता के लिए केवल सैद्धांतिक ज्ञान ही नहीं, बल्कि तर्कशक्ति, अभिव्यक्ति कौशल और नैतिक दृष्टिकोण भी अत्यंत आवश्यक हैं।

विधि संस्थान के निदेशक प्रोफेसर अमित लुदरी ने बताया कि लॉ फेस्ट- विधि गाला विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने, विधि ज्ञान को सृजनात्मक गतिविधियों के माध्यम से प्रस्तुत करने तथा समकालीन कानूनी विषयों पर विचार विमर्श का मंच प्रदान करेगा। उन्होंने बताया कि लॉ फेस्ट के अंतर्गत वाद-विवाद, क्विज प्रतियोगिता तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

इस अवसर पर लॉ फेस्ट- विधि गाला की संयोजिका डॉक्टर कृष्णा अग्रवाल, डॉ. रमेश कुमार, डॉ. मनजिंदर गुलयानी, डॉ. अमित कुमार, डॉ. संत लाल, डॉ. सुमित तथा विधि संस्थान के छात्र-छात्राएं सिया, गुंजन, शीनू, प्रीति, हर्षित, पार्थ, जशन, गुरहरमन और मृणाल मौजूद रहे।

वी.बी.-जी. राम-जी योजना से ग्रामीण रोजगार और आजीविका को मिलेगा नया बल : डॉ. अरविंद शर्मा

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने बजट सत्र के दौरान श्री राम कुमार कश्यप द्वारा प्रस्तुत ह्यविकसित भारत झ्र रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)ह्ण प्रस्ताव का समर्थन करते हुए कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का विचार था– अगर भारत को जानना है तो भारत के गांवों में जाकर देखो ।ह्व इसी सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने ग्रामीण विकास और ग्रामीण आजीविका को राष्ट्रीय प्राथमिकता दी है।

डॉ. शर्मा ने कहा कि इस योजना का उद्देश्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि योजना का नाम समय-समय पर बदला गया– पहले ह्यकाम के बदले अनाजह्ण, फिर ह्यनरेगाह्ण और बाद में ह्यमनरेगाह्ण के रूप में इसे लागू किया गया। वर्तमान में ह्यविकसित भारत झ्र रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (ग्रामीण)ह्ण के रूप में इसे अधिक आधुनिक, पारदर्शी और जवाबदेह ढांचे के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने योजना का केवल नाम नहीं, बल्कि इसकी कमियों की गहराई से समीक्षा कर सुधारात्मक कदम उठाए हैं, जिससे यह योजना अधिक प्रभावी बनी है। यह योजना श्रमिकों और मजदूरों के हित में है और किसी भी बड़े संगठन द्वारा इसका विरोध नहीं किया गया है।

डॉ. शर्मा ने बताया कि अब ग्रामीण परिवारों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष में 100 दिनों के स्थान पर 125 दिनों तक रोजगार की गारंटी दी जाएगी। मजदूरी भुगतान की समय-सीमा को 15 दिनों से घटाकर 7 दिन किया गया है। यदि निर्धारित समय में भुगतान नहीं होता है तो श्रमिक क्षतिपूर्ति के लिए आवेदन कर सकता है। भुगतान सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हुई है।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण और आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को योजना में प्राथमिकता दी गई है। ग्राम सभाओं से मंत्रणा लेकर ही कार्यों का निर्धारण किया जाएगा, जिससे स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप विकास कार्य सुनिश्चित हों।

डॉ. शर्मा ने जानकारी दी कि वर्ष 2014 से 2025 तक हरियाणा में 5 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि सीधे मजदूरों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई है। इससे पहले कांग्रेस के समय देशभर में लगभग 2 लाख करोड़ रुपये व्यय किए गए थे वह भी उचित लोगों के पास नहीं पहुंचे। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण प्रणाली लागू होने के बाद राशि सीधे लाभार्थियों तक पहुंच रही है।

हरियाणा में विकास परियोजनाओं में गुणवत्ता सुनिश्चित, लापरवाही करने वाली एजेंसियों पर जुर्माना

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि राज्य में विकास परियोजनाओं के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाता। उन्होंने कहा कि जो भी एजेंसी या ठेकेदार कार्य में लापरवाही करता है, उस पर विभाग द्वारा उचित कार्रवाई की जाती है और जुमार्ना लगाया जाता है। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा आज हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान विधायक श्री देवेन्द्र हंस द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि कैथल जिले के सीवन गांव में सीवरेज परियोजना के लिए 30.60 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए थे और वर्ष 2019 में इसका निर्माण कार्य शुरू हुआ था। कार्य में हुई देरी के कारण विभाग ने अनुबंध की धारा 2 एवं धारा 3 (सी) के तहत संबंधित एजेंसी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए 1.28 करोड़ रुपये का जुमार्ना लगाया। शेष कार्य अब उसी एजेंसी के जोखिम एवं लागत पर किसी अन्य एजेंसी को आवंटित किया गया है। परियोजना 30 जून, 2026 तक पूर्ण होने की संभावना है। विधायक द्वारा उठाए गए एक अन्य सवाल के जवाब में, जिसमें सीवर और पानी की पाइप लाइन बिछाने के दौरान खोदी गई सड़कों को पुनर्निर्माण करते समय सड़क धंसने के कारण रिहायशी मकानों को होने वाली संभावित क्षति का मुद्दा था, श्री गंगवा ने कहा कि 23 फरवरी, 2026 को संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी गई थी। रिपोर्ट के अनुसार, क्षेत्र में किसी भी मकान को किसी प्रकार का नुकसान नहीं हुआ है। मंत्री ने यह भी आश्वासन दिया कि विभाग सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कर रहा है, ताकि आम जनता को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

आयुष्मान योजना के तहत सरकार हरियाणा में स्वास्थ्य सेवाओं को कर रही है सुदृढ़ : आरती सिंह राव

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा कि ₹आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना₹ के तहत सरकार प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ कर रही है। इस योजना के अंतर्गत शल्य चिकित्सा, डे केयर उपचार, दवाइयों एवं जाँच की लागत सहित लगभग 2694 उपचार पैकेज उपलब्ध हैं।

स्वास्थ्य मंत्री वीरवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सदन के एक सदस्य द्वारा पूछे गए सवाल का जवाब दे रही थी।

आरती सिंह राव ने बताया कि 20 फरवरी 2026 तक प्रदेश में कुल सक्रिय कार्डों की संख्या 1,38,47,905 है। उन्होंने बताया कि आयुष्मान भारत-चिरायु हरियाणा योजना के तहत जनवरी 2024, अक्टूबर 2024 और जनवरी 2026 के दौरान कुल 2694 उपचार-पैकेज उपलब्ध रहे हैं। इसके अतिरिक्त, उपयुक्त उपचार पैकेजों में शामिल न होने वाले उपचार-पैकेजों को सूचीबद्ध अस्पतालों द्वारा अनिर्दिष्ट (४ल्ल२स्त्रू-ग्री) श्रेणी के तहत बुक किया जाता है तथा तदनुसार कार्यवाही अमल में लाई जाती है। उन्होंने आगे बताया कि नवंबर 2022 से 17 फरवरी 2026 तक राज्य में आयुष्मान योजना सहित कुल उपचारों की संख्या (भुगतान किए गए दावों के अनुसार) 14,28,872 थी जिनकी एवज में अस्पतालों को 2010 करोड़ रुपये 33 लाख 66 हजार 180 रुपये की राशि वितरित की गई है।

हर घर नल से जल पहुँचाने की दिशा में हरियाणा सरकार कर रही लगातार पहल– रणबीर गंगवा

हरियाणा के जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का संकल्प है कि हर घर नल से जल पहुँचे। इस दिशा में विभाग लगातार काम कर रहा है और नई नियमित कॉलोनियों में भी पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री श्री रणबीर गंगवा वीरवार को हरियाणा विधानसभा में चल रहे बजट सत्र के दौरान विधायक श्रीमती गीता भुक्कल द्वारा पूछे गए प्रश्न का जवाब दे रहे थे।

मंत्री श्री गंगवा ने कहा कि हाल ही में झज्जर में की गई 25 नियमित कॉलोनियों में जलापूर्ति की योजनाएं तैयार की जा चुकी हैं और उनके लिए अनुमान भी तैयार कर लिया गया है।

उन्होंने बताया कि झज्जर निर्वाचन क्षेत्र के गाँव कालियावास, खानपुर कलां, मुंडसा, खोर्रा, बहु, नोगांवा, साल्हावास, मातनहेल, धाना धानीरवास तथा झज्जर शहर में नहर आधारित पेयजल आपूर्ति योजनाओं के माध्यम से मानक अनुसार पानी की आपूर्ति हो रही है।

मंत्री ने आगे कहा कि इन सभी नहर आधारित जल घरों में जल भंडारण टैंकों की नियमित सफाई और रखरखाव किया जाता है। साथ ही, पेयजल पाइप लाइन में रिसाव की रोकथाम और मरम्मत के लिए विशेष अभियान भी चलाए जाते हैं। ग्रीष्म एवं बरसात के मौसम में पाइप लाइनों की विशेष निगरानी रखी जाती है।

जल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक स्त्रोत के जल के नमूनों का एन. ए. बी. एल. से मान्यता प्राप्त विभागीय प्रयोगशालाओं में प्रतिवर्ष रासायनिक परीक्षण कराया जाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा किसी भी प्रकार के हैंडपंप स्थापित नहीं किए गए हैं और झज्जर विधानसभा क्षेत्र में अब तक किसी गांव या शहर में पैकेटबंद पेयजल की आपूर्ति की स्थिति उत्पन्न नहीं हुई है। मंत्री ने विश्वास दिलाया कि विभाग के सतत प्रयासों से प्रदेश के हर घर तक सुरक्षित और शुद्ध जल पहुँचाने का काम निरंतर जारी रहेगा।

संपादकीय

विश्व नेताओं को पीछे छोड़ पीएम मोदी ने 100 मिलियन फॉलोअर्स के साथ बनाया इंस्टाग्राम पर नया कीर्तिमान

डिजिटल युग की राजनीति में सोशल मीडिया अब केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि जनसमर्थन, प्रभाव और वैश्विक पहचान का पैमाना बन चुका है। इसी बदलते परिदृश्य में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। वे इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन यानी 10 करोड़ फॉलोअर्स का आंकड़ा पार करने वाले दुनिया के पहले शीर्ष राजनीतिक नेता बन गए हैं। यह उपलब्धि केवल एक व्यक्तिगत रिकॉर्ड नहीं, बल्कि वैश्विक राजनीति में भारत की डिजिटल उपस्थिति और नेतृत्व शैली का भी प्रतीक है। सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव ने राजनीति के पारंपरिक स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। पहले जहां जनसभाएं, प्रेस वार्ताएं और टीवी इंटरव्यू संवाद के मुख्य माध्यम होते थे, वहीं अब इंस्टाग्राम, एक्स (पूर्व में ट्विटर), यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म सीधे जनता से जुड़ने का सशक्त जरिया बन गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस परिवर्तन को समय रहते समझा और उसे अपनी राजनीतिक रणनीति का अभिन्न हिस्सा बनाया। उनकी पोस्ट केवल सरकारी घोषणाओं तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों, युवाओं से संवाद, अंतरराष्ट्रीय यात्राओं, योग, पर्यावरण अभियानों और व्यक्तिगत क्षणों तक फैली होती हैं। इससे उनकी छवि एक सख्त प्रशासक के साथ-साथ जनसरोकारों से जुड़े नेता के रूप में उभरती है। यदि वैश्विक संदर्भ में तुलना करें तो यह उपलब्धि और भी उल्लेखनीय बन जाती है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन सोशल मीडिया पर सक्रिय हैं, लेकिन इंस्टाग्राम फॉलोअर्स के मामले में वे मोदी से पीछे हैं। पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प का डिजिटल प्रभाव अपने समर्थकों के बीच मजबूत रहा है, फिर भी इंस्टाग्राम पर उनकी पहुंच इस स्तर तक नहीं पहुंच सकी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक भी सोशल मीडिया का रणनीतिक उपयोग करते हैं, लेकिन फॉलोअर्स की संख्या में वे काफी पीछे हैं। कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो को युवा और उदार छवि वाला नेता माना जाता है, परंतु डिजिटल लोकप्रियता के इस रिकॉर्ड में वे भी मोदी से काफी दूर हैं। यह अंतर केवल संख्या का नहीं, बल्कि डिजिटल रणनीति और निरंतरता का भी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 के आम चुनाव से पहले ही सोशल मीडिया की शक्ति को पहचाना और उसे जनसंपर्क का प्रमुख माध्यम बनाया। 2014 और 2019 के चुनावों में डिजिटल अभियान ने निर्णायक भूमिका निभाई थी। 2024 के बाद भी यह प्रभाव बरकरार है। उनके सोशल मीडिया पोस्ट में भावनात्मक अपील, राष्ट्रीय गौरव, विकास परियोजनाओं की झलक और सांस्कृतिक विरासत का समावेश रहता है। यही कारण है कि उनका डिजिटल संवाद केवल राजनीतिक समर्थकों तक सीमित नहीं रहता, बल्कि वैश्विक दर्शकों तक पहुंचता है। डिजिटल लोकप्रियता का एक कूटनीतिक आयाम भी है। जब किसी नेता के करोड़ों फॉलोअर्स होते हैं, तो उसके संदेश सीमाओं से परे प्रभाव डालते हैं। जी20 शिखर सम्मेलन, ब्रिक्स बैठक या विदेशी दौरों की तस्वीरें और वीडियो वैश्विक दर्शकों तक तुरंत पहुंचते हैं। इससे भारत की सॉफ्ट पावर को मजबूती मिलती है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने भी युद्ध के दौरान सोशल मीडिया का प्रभावी उपयोग कर अंतरराष्ट्रीय समर्थन जुटाया था। लेकिन इंस्टाग्राम पर फॉलोअर्स की संख्या के लिहाज से मोदी का रिकॉर्ड उन्हें एक अलग स्थान पर स्थापित करता है। हालांकि, आलोचकों का तर्क है कि सोशल मीडिया फॉलोअर्स को जनसमर्थन का अंतिम पैमाना नहीं माना जा सकता। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर एल्गोरिदम, ट्रेंड और प्रचार रणनीतियां भी प्रभाव डालती हैं। इसके बावजूद 100 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा निरंतर सक्रियता और दीर्घकालिक रणनीति का परिणाम होता है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि मोदी का डिजिटल प्रभाव केवल भारत तक सीमित नहीं है; उनके फॉलोअर्स में बड़ी संख्या विदेशों में बसे भारतीयों और वैश्विक नागरिकों की भी है। भारत दुनिया के सबसे बड़े इंटरनेट उपयोगकर्ता देशों में शामिल है। सस्ते डेटा और स्मार्टफोन क्रांति ने डिजिटल पहुंच को व्यापक बनाया है। ऐसे में प्रधानमंत्री का सोशल मीडिया पर प्रभावी होना राजनीतिक संवाद की नई परिभाषा गढ़ता है। यह लोकतंत्र के डिजिटल रूपांतरण का संकेत भी है, जहां नेता और नागरिक के बीच की दूरी कम हो रही है। इस उपलब्धि का राजनीतिक संदेश भी स्पष्ट है। डिजिटल युग में नेतृत्व केवल नीतियों से नहीं, बल्कि प्रस्तुति और संवाद शैली से भी परिभाषित होता है। मोदी की इंस्टाग्राम सफलता बताती है कि वे बदलती तकनीकी और सामाजिक प्रवृत्तियों के अनुरूप स्वयं को ढालने में सक्षम रहे हैं। विश्व नेताओं के बीच यह रिकॉर्ड उन्हें डिजिटल कूटनीति के अग्रणी चेहरे के रूप में स्थापित करता है। अंततः, इंस्टाग्राम पर 100 मिलियन फॉलोअर्स का आंकड़ा केवल एक सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं, बल्कि भारत की वैश्विक डिजिटल पहचान का प्रतीक है। यह रिकॉर्ड दर्शाता है कि राजनीतिक नेतृत्व अब केवल संसद और मंचों तक सीमित नहीं है, बल्कि स्क्रीन पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराता है। आने वाले वर्षों में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या अन्य वैश्विक नेता इस स्तर तक पहुंच पाते हैं या प्रधानमंत्री मोदी की यह डिजिटल बढ़त लंबे समय तक कायम रहती है। फिलहाल, यह उपलब्धि भारतीय राजनीति के डिजिटल अध्याय में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बन चुकी है।

सबसे विवादित राष्ट्रपति बनते दिखते ट्रम्प

ऋतुपर्ण दवे (हि.स)

न्याय तो न्याय होता है फिर वो अपनों के लिए हो या गैरों के लिए। लेकिन ट्रम्प को यह भी नागवार गुजरा जब वहां के सुप्रीम कोर्ट ने कानून की हद और जद में वो फैसला सुनाया, जो उनके खिलाफ था। दरअसल, अमरीका में सुप्रीम कोर्ट में अदालतों की नियुक्ति वहां के राष्ट्रपति करते हैं जो कि आजीवन या जबतक जज सक्षम, स्वस्थ और सक्रिय रहें तब तक के लिए होती है। अमरीकी सुप्रीम कोर्ट में ट्रम्प के पहले कार्यकाल के नियुक्त तीन जज थे जिनसे ट्रम्प पूरे भरोसे में थे और उन्हें अपनी जागीर समझ बैठे। फैसला उनके खिलाफ भला कैसे जाएगा? लेकिन वो ये भूल गए कि जजों ने न्याय करने की शपथ ली थी न ट्रम्प के हितों की रक्षा की। फैसला आते ही उन्होंने जिन शब्दों में सुप्रीम कोर्ट और खिलाफ फैसला देने वाले जजों पर आरोप लगाए वह निश्चित रूप से अमेरिका की पूरी न्याय प्रणाली पर कटाक्ष था जो बेहद निंदनीय है। इसी तरह हालिया भारत-पाक युध्द को रोकने को लेकर अनगिनत बार एकतरफा बोलने वाले ट्रम्प इस बार तो इतना कह गए यदि वो दोनों का परमाणु युध्द नहीं रुकवाते तो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की हत्या हो जाती।

दुनिया भर में इस फैसले की चर्चा इसलिए भी हो रही है कि वहां के सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से इसे असंवैधानिक करार दिया। इसमें ट्रम्प के नियुक्त जजों ने भी अहम भूमिका निभाई। 6झ्र3 के बहुमत से ट्रम्प टैरिफ को असंवैधानिक करार देते हुए 1977 के आईईईपीए कानून यानी 'अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्तियां अधिनियम' (इण्टरनेशनल इमरजेंसी इकॉनामिक पॉवर ऐक्ट) का हवाला दिया। यह वो अमेरिकी कानून है जो राष्ट्रपति को राष्ट्रीय आपातकाल के दौरान विदेशी खतरों से निपटने के लिए आर्थिक लेनदेन, आयात-निर्यात और संपत्ति को विनियमित करने का अधिकार देता है। जबकि अमरीका में ऐसी स्थिति नहीं है। बिना कांग्रेस की सहमति लिए जिद्दी ट्रम्प ने दुनिया भर में मनमाने टैरिफ ठोंक दिया, भारत भी अछूता नहीं रहा।

फैसला आते ही कुछ देर में ट्रम्प ने प्रेस कांफ्रेंस की जिसमें फैसले की न केवल आलोचना की बल्कि विरोध में फैसला देने वाले खुद के नियुक्त जजों को जमकर कोसा, लताड़ा भी। कोर्ट पर मनमाने आरोप भी लगाए और कहा कि अदालत विदेशी हितों और ऐसे राजनीतिक आंदोलनों से प्रभावित है, जो लोगों की सोच से छोटे हैं। फैसले को अपने चुनाव परिणाम से जोड़ते हुए कहा कि मैं लाखों वोटों से जीता फिर भी धोखाधड़ी हुई नहीं तो अंतर और बढ़ता बावजूद इसके भारी मतों से जीता। उन्होंने यहां तक कहा कि जो लोग बुरे, अनजान और शोर मचाने वाले हैं, वो चिल्लाकर बोलते हैं। ऐसा लगता है कि कुछ जज इससे डर गए और सही काम नहीं करना चाहते। जस्टिस गोरसच और जस्टिस बैरेट जो ट्रम्प के द्वारा नियुक्त थे, ने भी खिलाफ में फैसला दिया जबकि ब्रेट कैवनॉघ ट्रंप द्वारा नियुक्त वो जज थे जिन्होंने पक्ष में फैसला सुनाया। मुख्य न्यायधीश जॉन रॉबर्ट्स द्वारा लिखे गए फैसले के कुछ घंटे बाद ट्रंप ने बौखलाहट भरी प्रतिक्रियाएं दीं कि टैरिफ पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला बेहद निराशाजनक है, कोर्ट के कुछ सदस्यों पर शर्म आ रही है जो देश के लिए सही काम करने की हिम्मत नहीं कर पाए। निश्चित रूप इससे ट्रम्प की साख गिरी है न कि अमरीकी सुप्रीम अदालत की।

मुख्य न्यायाधीश जॉन रॉबर्ट्स के साथ बहुमत में न्यायाधीश नील गोरसच और एमी कोनी बैरेट भी शामिल थे। इनकी नियुक्ति ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में की थी। सहमति जताने वालों में न्यायाधीश क्लेरेंस थामस, सैमुअल एलिटो और ब्रेट कैवना थे जिनमें कैवना को ट्रंप ने नियुक्त किया था।

इन्होंने असहमति मत में लिखा कि वास्तव में टैरिफ आयात को नियंत्रित करने का पारंपरिक और सामान्य उपकरण है तथा आइईईपीए का पाठ, इतिहास तथा पूर्व की तमाम मिसालें प्रशासन के पक्ष का समर्थन करती हैं। जज कैवना ने चेतावनी दी कि इस निर्णय से चीन, ब्रिटेन और जापान जैसे देशों के साथ हुए व्यापार समझौतों पर अनिश्चितता पैदा हो सकती है। हालांकि फैसले में यह साफ नहीं है कि कंपनियों को उन अरबों डॉलर का रिफंड मिलेगा या नहीं, जो दिसंबर 2025 तक ही अमरीकी खजाने में करीब 133 अरब डॉलर से अधिक जमा हो चुके हैं। इनमें कुछ कंपनियां पहले ही निचली अदालतों में रिफंड का दावा पेश कर चुकी हैं। निश्चित रूप से ट्रम्प की स्थिति बहुत मजाक वाली हो गई है। कहीं न कहीं वो हाशिए पर भी हैं। ट्रम्प की खिसियाहट इसी से समझ आती है कि एक तो उन्होंने अदालत को भला-बुरा कह कर दुनिया को चौंकाया और यहां तक कि उनके द्वारा नियुक्त विरोध में फैसले देने वाले न्यायाधीशों को देशद्रोही तक कह दिया।

लगता है कि ट्रम्प को न्याय में विश्वास नहीं है और देर-सबेर अमरीका में यह मांग भी उठेगी कि भारत सहित तमाम देशों की न्यायपालिका के समान निष्पक्ष व्यवस्था अमरीका में भी हो जिससे नियुक्त न्यायाधीश बिना किसी के दबाव में न्याय हित में काम कर सकें। हाँ, ट्रम्प का सुन्दर सपना टूट जरूर गया है लेकिन ट्रम्प और विवादों का चोली-दामन का रिश्ता कब क्या, कैसा कुछ नया कर दे, कोई नहीं जानता। फिलाहाल ट्रम्प ने ग्लोबल टैरिफ लगाकर, जब चाहें तब बदलकर अपने ही देश की सर्वोच्च अदालत को एक तरह से चुनौती दे डाली। इससे पहले शांति के नोबल पुरस्कार न मिलने पर उनकी हरकतों को दुनिया ने देखा। यह सब उनके पद और गरिमा को देखकर अनुकूल नहीं था। लगता है वो अमेरिका के ऐसे राष्ट्रपति जरूर बनने की ओर हैं जो सबसे विवादित कहलाएंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अर्थव्यवस्था का एक नया नजरिया: भारत के जीडीपी के आधार में संशोधन को समझना

सकल घरेलू उत्पादया जीडीपीकिसी देश की अर्थव्यवस्था के आकार और उसकी सेहत को आंकने का एक तरीका है।यह एक राष्ट्र का वहरिपोर्ट कार्ड है, जो हमें बताता है कि वह देश वस्तुओं और सेवाओं के लिहाज से कितना उत्पादन कर रहा है।जब जीडीपी बढ़ रही होती है, तो आमतौर पर इसका मतलब होता है कि कारोबार जगत वस्तुओं एवं सेवाओं का अधिक उत्पादन कर रहा है, अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिल रहा है और आय बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर भी जीडीपी का बेहद महत्व होता है।वर्तमान में भारत विश्व की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में शुमार है और अनुमान है कि 2030 तक यह तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

अर्थव्यवस्था को मापने के एक साधन के रूप में, जीडीपी को अर्थव्यवस्था की सही नब्जको पहचाननेके उद्देश्य से नियमित रूप से संशोधितकरते रहने की जरूरत होती है।इस काम को बदलती अर्थव्यवस्था के साथ तालमेल बनाए रखने के इरादे से जीडीपी के आधार वर्ष को नियमित अंतराल पर अद्यतन करके पूरा किया जाता है। जैसे- जैसे अर्थव्यवस्था के स्वरूप बदलता जाता है औरनए उद्योग उभरते हैं, उपभोग के पैटर्न बदलते हैं तथाआंकड़ों के नए स्रोत विकसित होते हैं, इन संशोधनों से आधिकारिक आंकड़ों को असली हकीकतों के अनुरूप ढालने में मदद मिलती है और अनुमान अधिक सटीक वठोसबन जाते हैं।

आधार में पिछले संशोधन के बाद से आंकड़ों के नए स्रोतों की उपलब्धता ने हमें जीडीपी में अलग-अलग सेक्टरों और अलग-अलग क्षेत्रों के योगदानों को अधिक स्पष्ट रूपसे देखने और बेहतर तरीकों को अपनाने में मदद की है।उदाहरण के लिए, अनौपचारिक क्षेत्र को भी व्यापक रूप से कवर करने वाले गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा मूल्य वर्धन का अनुमान लगाने में संदर्भ में।

जीडीपी के आधार में पिछलेसंशोधन के बाद से, कंपनियों के प्रबंधन एवं प्रशासन संबंधी आंकड़े (एमजीटी-7/7ए) जैसे कुछ नए किस्म के आंकड़े उपलब्ध हुए हैं। ये आंकड़े कंपनियों द्वारा की जाने वाली व्यावसायिक गतिविधियों की संख्या, एनआईसी 2008 के अनुसार व्यावसायिक गतिविधि के विवरण और प्रत्येक वर्ष प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि (उद्योग) से प्राप्त प्रतिशत कारोबार (टर्नओवर) की जानकारी प्रदान करते हैं।इसलिए, आधार का पुनर्निर्धारण करते समयबहु-गतिविधियों वाले उद्यमों के लिएमूल्यवर्धन को अब पहले की तरह पूरी तरह से मुख्य गतिविधि को आवंटित करने के बजायनए उपलब्ध एमजीटी-7 के आंकड़ों के आधार पर विभिन्न गतिविधियों में आवंटित किया जाता है। इस बदलाव से हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से समझने में मदद मिलती है।इससे यह स्पष्ट हो जाता है कि प्रत्येक व्यावसायिक गतिविधि अर्थव्यवस्था को किस प्रकार संचालित कर रही है।

सौरभ गर्ग

जिस प्रकार कंपनी स्तर के नए आंकड़े हमें अलग-अलग सेक्टरों के योगदानों को अधिक सटीक रूप से मापने में मदद करते हैं, ठीक वैसे हीनई श्रृंखला में जीएसटी आंकड़ों के बेहतर उपयोग से अन्य बातों के अलावा, निजी कॉरपोरेटसेक्टर से संबंधित क्षेत्रीय आवंटन में सुधार और राज्य स्तर पर व्यय-पक्ष के अनुमानों के बेहतर संकलन के जरिए जीडीपी में क्षेत्रीय योगदानों का अधिक सटीक और सूक्ष्म दृष्टिकोण हासिल होता है।

एएसयूएसई और पीएलएफएस जैसे सर्वेक्षणों से हासिलवार्षिक आंकड़ों की उपलब्धता, जिसकी सुविधा पहले नहीं थी, ने हमें गैर-निगमित क्षेत्र द्वारा वार्षिक रूप से मूल्यवर्धन का अनुमान लगाने की एक बेहतर पद्धति अपनाने में समर्थ बनाया है। पहले हम अन्य संकेतकों से अप्रत्यक्ष रूप से जीडीपी में इसके योगदान का अनुमान लगाते थे। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि लाखों घरेलू व्यवसायों, छोटी दुकानों और स्वरोजगार श्रमिकों से मिलकर बना यह सेक्टर अर्थव्यवस्था का एक बड़ा हिस्सा है और रोजगार एवं आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

जीडीपी के आधार में संशोधन महज आंकड़ों के नए स्रोतों के उपयोग से कहींआगे की बात है।यह कार्यप्रणाली में सुधार से भी जुड़ा हैऔर इस संदर्भ में, जीडीपी की नई श्रृंखला में कई कार्यप्रणालीगत सुधार देखे गए हैं।

पहले, कीमतों में बदलाव के अनुसार जीडीपी को समायोजित करने की दोहरी अपस्फीति (डबल डिफ्लेशन)विस्तृत विधिसिर्फ कृषि क्षेत्र में ही लागू होती थी। वर्ष 2022-23 की नई श्रृंखला मेंदोहरी अपस्फीति विधि का विस्तार करके इसे मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र तक ले आया गया है, जहां अब पर्याप्त आंकड़े उपलब्ध हैंऔर अन्य सभी क्षेत्रों में एकलबहिर्वेशन (सिंगल एक्सट्रपलेशन)/ मात्रात्मक बहिर्वेशन (वॉल्यूम एक्सट्रपलेशन)विधि का उपयोग किया जाता है। यह दृष्टिकोण उपलब्ध आंकड़ों का सर्वोत्तम उपयोग करता है, जिससे अनुमान सटीक और विश्वसनीय बने रहते हैं। दोहरी अपस्फीति में बहुत अधिक आंकड़ों की आवश्यकता होती है, क्योंकि इसके लिए आउटपुट और इनपुट दोनों की कीमतों पर विस्तृत जानकारी की जरूरत होती है। जैसे-जैसे समय के साथ यह आंकड़ा और अधिक उपलब्ध होता जाएगा, हम इसके उपयोग का विस्तार और अधिक क्षेत्रों में कर सकेंगे।

कार्यप्रणाली की दृष्टि से एक उल्लेखनीय सुधार यह है कि अर्थव्यवस्था के अनुमानों को उत्पादित वस्तुओं (उत्पादन पक्ष) और लोगों एवं कारोबार जगतद्वारा किए गए व्यय (खर्च पक्ष) के आधार पर ढाला गया है। ये दोनों पक्ष अक्सर पूरी तरह से मेल नहीं खाते, जो कि दुनिया के तमाम देशों में औरखासकर तिमाही जीडीपी के मामले में, एक आम समस्या है। इस समस्या को दूर करने के उद्देश्य सेनई श्रृंखला में 'आपूर्ति एवं उपयोग सारणी' के ढांचे का उपयोग किया जा रहा है ताकि प्रारंभिक अनुमानों में विसंगतियों को सीमित किया जा सके और अंतिम अनुमानों के समय पूरे आंकड़े उपलब्ध होने पर उन्हें पूरी तरह से दूरकिया जा सके।

जीडीपी के आंकड़ों को अद्यतन करना अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट नजरिए से देखने जैसा है। हर आर्थिक गतिविधि, चाहे छोटी हो या बड़ी, स्पष्ट रूप से सामने आती है और राष्ट्र के विकास में उसके योगदान का सटीक तरीके से उजागर होता है। बेहतर आंकड़ों का उपयोग करके, विधियों को परिष्कृत करके और अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों के अनुरूप ढलकर, मंत्रालय ने अर्थव्यवस्था को और भी स्पष्ट रूप से पेश किया है। नागरिकों के लिए इसका मतलब यह है कि अब नीतियां एवं सार्वजनिक सेवाएं अर्थव्यवस्था की कार्यप्रणाली की सटीक समझ पर आधारित हैं, जिससे विकास का असर सिर्फ कागजों पर ही नहींबल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में भी महसूस हो रहा है।

(लेखक सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सचिव हैं। ये उनके निजी विचार हैं।)

आज का राशिफल

मेष: आज कार्यस्थल पर प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है और कुछ विरोधी सक्रिय रहेंगे, लेकिन सहकर्मियों का सहयोग आपको संतुलित रखेगा। जरूरी कार्यों में दूसरों पर निर्भर रहना पड़ सकता है। संपत्ति से जुड़े पुराने विवाद सुलझने के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

वृषभ: आज भावनात्मक निर्णय लेने से बचें। पेट से जुड़ी हल्की समस्या या एसिडिटी परेशान कर सकती है, इसलिए खानपान संतुलित रखें। प्रेम संबंधों में नजदीकियां बढ़ेंगी। आध्यात्मिक विषयों में रुचि रखने वालों के लिए दिन चिंतनशील रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

मिथुन: सामाजिक गतिविधियों में सक्रियता से आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी। हालांकि, नकारात्मक सोच काम की गति धीमी कर सकती है। शाम के समय घर में किसी बात को लेकर तनाव संभव है। धैर्य और समझदारी से परिस्थिति संभालें। अनावश्यक चिंताओं से दूरी बनाना लाभदायक रहेगा। *(सिटी दर्पण)*

कर्क: दिन की शुरूआत थोड़ी सुस्त रह सकती है। थकान और ऊर्जा की कमी महसूस होगी। योग और प्राणायाम से मानसिक संतुलन बनाए रखें। भ्रम की स्थिति में निर्णय लेने से बचें। काम का दबाव बढ़ सकता है, इसलिए प्राथमिकताओं को स्पष्ट रखें। *(सिटी दर्पण)*

सिंह: आज आत्मविश्वास चरम पर रहेगा। पुराने मित्रों से मुलाकात या बातचीत मन प्रसन्न करेगी। व्यापार में साझेदारी से लाभ संभव है। वैवाहिक जीवन में रोमांस और समझ बढ़ेगी। जीवनसाथी के साथ भावनात्मक संवाद रिश्ते को मजबूत करेगा। *(सिटी दर्पण)*

कन्या: नई नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं। अनुभवी लोगों की सलाह से आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। खर्चों पर नियंत्रण रखने में सफलता मिलेगी। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा और व्यापार में अच्छा लाभ मिलने के योग हैं। *(सिटी दर्पण)*

तुला: आय से अधिक खर्च की योजना न बनाएं। मन अस्थिर रह सकता है, जिससे निर्णय लेने में दुविधा होगी। परिवार में धन को लेकर मतभेद संभव हैं। अनावश्यक यात्रा टालना बेहतर रहेगा। आत्मविश्वास अच्छा है, लेकिन अति आत्मविश्वास नुकसान पहुंचा सकता है। *(सिटी दर्पण)*

वृश्चिक: आज मन प्रसन्न रहेगा और घर में सकारात्मक माहौल रहेगा। वैवाहिक जीवन में मधुरता बढ़ेगी। आपके उदार स्वभाव की सराहना होगी। युवा अपने प्रेम का इजहार कर सकते हैं। कार्यक्षेत्र में सम्मान और आर्थिक लाभ दोनों मिल सकते हैं। *(सिटी दर्पण)*

धनु: व्यवसाय विस्तार के लिए निवेश पर विचार कर सकते हैं। पुराने संपर्क लाभकारी सिद्ध होंगे। एकाग्रता बनाए रखें, तभी लक्ष्य प्राप्त होंगे। जीवनशैली में बदलाव के संकेत हैं। शाम तक कोई शुभ समाचार उत्साह बढ़ा सकता है। *(सिटी दर्पण)*

मकर: राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिल सकती है। अधिकारी आपकी राय को महत्व देंगे। घर में मेहमानों का आगमन संभव है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा में सफलता के संकेत हैं। *(सिटी दर्पण)*

कुंभ: आज नया कार्य शुरू करने से बचें। कार्यक्षेत्र में प्रभाव थोड़ा कम हो सकता है। कानूनी मामलों में सावधानी बरतें। सहकर्मियों से मतभेद की स्थिति बन सकती है। वैवाहिक जीवन में विश्वास बनाए रखना आवश्यक होगा। *(सिटी दर्पण)*

मीन: व्यापार में नए प्रयोग लाभदायक रहेंगे। पूर्व में किए गए प्रयासों का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। प्रेम विवाह के इच्छुक लोगों को पारिवारिक सहमति मिल सकती है। छात्रों के लिए सफलता के अच्छे अवसर हैं। योजनाएं समय पर पूरी होने से आत्मविश्वास बढ़ेगा। *(सिटी दर्पण)*

ताज महोत्सव: संस्कृति का विराट उत्सव

योगेश कुमार गोयल (हि.स)

यमुना के पावन तट पर स्थित धवल संगमरमर की वह अलौकिक कृति, जिसे दुनिया ताजमहल के नाम से जानती है, केवल ईंट-पत्थरों और नक्काशी का मेल नहीं है बल्कि भारतीय संवेदनाओं, स्थापत्य-कौशल और सौंदर्य-चेतना का एक शाश्वत महाकाव्य है। जब इस विश्वप्रसिद्ध स्मारक की शीतल और भव्य छाया में रंगों की चटक आभा, रागों की मधुर लहरियां और रसों की सजीव अनुभूति एक साथ साकार होती है, तब वह दृश्य 'ताज महोत्सव' के रूप में भारतीय संस्कृति का एक अनुपम उत्सव बन जाता है। उत्तर प्रदेश के ऐतिहासिक नगर आगरा में 18 से 27 फरवरी तक आयोजित हो रहा यह दस दिवसीय सांस्कृतिक पर्व केवल एक साधारण मेले का विस्तार नहीं है बल्कि यह भारत की बहुरंगी परंपराओं, लोक-स्मृतियों, लुप्तप्राय शिल्प-कौशल और उस विराट पाक-वैभव का उत्सव है, जहां राष्ट्र की विविधता वैश्विक मंच पर एक साथ स्पंदित होती हैं। इस वर्ष अपने 34वें गौरवशाली संस्करण में प्रवेश कर रहे इस महोत्सव की थीम 'वंदे मातरमः परंपरा एवं राष्ट्र गौरव' हमारी सांस्कृतिक अस्मिता और राष्ट्रीय चेतना का एक सशक्त उद्घोष है, जो आगंतुकों के भीतर स्वदेश प्रेम और अपनी जड़ों के प्रति सम्मान की भावना को प्रगाढ़ करता है।

सन् 1992 के वसंत में जब इस महोत्सव का बीजारोपण हुआ था, तब शायद ही किसी ने कल्पना की होगी कि यह आयोजन आने वाले समय में भारत के सबसे प्रतिष्ठित और प्रतीक्षित सांस्कृतिक आयोजनों में शुमार हो जाएगा। इसका मूल दर्शन भारतीय हस्तशिल्प, लुप्त होती लोक कलाओं और सदियों पुराने पारंपरिक कौशलों को एक ऐसा मंच प्रदान करना रहा है, जहां वे अपनी आधुनिक प्रासंगिकता सिद्ध कर सकें। ताजमहल की जादुई पृष्ठभूमि में सजे सैंकड़ों स्टॉल, चटख और पारंपरिक परिधानों में सुसज्जित लोक कलाकार, शास्त्रीय संगीत की गंभीर तान और लोकनृत्यों की लयात्मक थिरकन मिलकर एक ऐसा जादुई वातावरण रचते हैं, मानो पूरा लघु भारत एक ही परिसर में सिमट आया हो।

ताज महोत्सव की सबसे बड़ी पूंजी इसकी वह विविधता ही है, जो उत्तर के हिमालयी अंचल से लेकर दक्षिण के कन्याकुमारी तक और सुदूर पूर्वोत्तर की पहाड़ियों से लेकर पश्चिम के रेगिस्तानों तक की कला को एक सूत्र में पिरोती है। यहां कश्मीर की पश्मीना शॉल की मखमली कोमलता और वाराणसी की रेशमी साड़ियों की राजसी चमक एक साथ देखी जा सकती है। लखनऊ की बारीक चिकनकारी की नजाकत हो या सहारनपुर की लकड़ी पर की गई सूक्ष्म नक्काशी, मुरादाबाद के पीतल शिल्प की सुनहरी दमक हो या खुर्जा की सिरेमिक कला की चटक रंगीन छटा, ये सभी तत्व मिलकर भारत की हस्तकला परंपरा का एक ऐसा जीवंत संग्रहालय रच देते हैं, जिसे देख दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। भदोही के हस्तनिर्मित कालीनों की जटिल बुनावट, दक्षिण भारत की पाषाण और काष्ठ मूर्तियां, पूर्वोत्तर के बांस-बेंत की कलाकृतियां और गुजरात के पटोला व बांधनी कार्य की विविधता दर्शकों को एक अनूठी सांस्कृतिक यात्रा पर ले जाती है।

यह महोत्सव केवल वस्तुओं के क्रय-विक्रय का बाजार नहीं है, बल्कि 'आत्मनिर्भर भारत' की धड़कन और स्थानीय प्रतिभा के स्वाभिमान का एक जीवंत दस्तावेज है। इस वर्ष सरकार की 'वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट' पहल के अंतर्गत प्रदेश के 50 जनपदों की विशिष्ट पहचान को जिस प्रकार एक ही मंच पर प्रतिष्ठित किया गया है, वह अद्भुत है। लगभग 500 सुसज्जित स्टॉल भारतीय उद्यमिता की उस रचनात्मक ऊर्जा का परिचय दे रहे हैं, जो परंपरा और आधुनिकता के सूक्ष्म समन्वय से नए भारत के भविष्य का निर्माण कर रही है। यहां प्रदर्शित खादी की सादगी, जूट की पर्यावरण-मित्र आत्मा और हथकरघा की सूक्ष्म बुनावट केवल व्यापारिक उत्पाद नहीं बल्कि स्वदेशी स्वाभिमान, सतत विकास और सांस्कृतिक निरंतरता के उन सशक्त प्रतीकों के रूप में उभरते हैं, जो वैश्विक बाजार में भारत की श्रेष्ठता सिद्ध करते हैं।

कला और शिल्प के इस महाकुंभ में संगीत और नृत्य की धाराएं आत्मा के स्पंदन की भांति प्रवाहित होती हैं। ताजमहल की मुगलई वास्तुकला की छाया में गूंजते शास्त्रीय, अर्ध-शास्त्रीय और लोक राग एक ऐसे सांगीतिक वातावरण का सृजन करते हैं, जो श्रोताओं को अलौकिक आनंद की अनुभूति कराता है। ब्रज के उल्लासपूर्ण लोकनृत्य, जिनमें होली की मस्ती और राधा-कृष्ण के प्रेम की महक होती है, कथक की भावप्रवण मुद्राएं, जिनमें इतिहास बोलता है और सूफी गायकी की वह रूहानी लहरियां, जो सीधे खुदा से संवाद करती प्रतीत होती हैं, दर्शकों को एक आध्यात्मिक ऊंचाई प्रदान करती हैं।

इस वर्ष के विशाल डिजिटल मुक्ताकाशीय मंच पर आधुनिकता का भी समावेश है, जहां नीरज श्रीधर की ऊर्जस्वित बॉलीवुड नाइट्स, कृष्णा-अभिषेक की हास्य-विनोद से भरपूर प्रस्तुतियां और सचिन-जिगर की सुरीली धुनों वाली समापन संध्या युवा ऊर्जा को एक नई चमक प्रदान करेगी। इसके साथ ही 'इंडियन ओशन' जैसे बैंड की फ्यूजन संगीत, अली ब्रदर्स की शुद्ध सूफियाना सुर-लहरियां और माधवाज बैंड की भक्तिमय संध्या इस महोत्सव को संगीत-प्रेमियों के लिए एक कभी न भूलने वाला अनुभव बना देने वाली हैं।

भारतीय उत्सव की आत्मा उसके स्वाद में बसती है और ताज महोत्सव इस मामले में किसी स्वर्ग से कम नहीं है। यहां देशभर के उन पारंपरिक व्यंजनों का संसार सजता है, जो जीभ के स्वाद के साथ-साथ हमारी भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता का भी परिचय देते हैं। उत्तर प्रदेश के चटपटे आंचलिक व्यंजनों से लेकर दक्षिण भारत के कुरकुरे डोसे, राजस्थानी दाल-बाटी-चूरमा की सोंधी खुशबू, पंजाब की मलाईदार लस्सी, बंगाल की रसभरी मिठाइयां और कश्मीर के शाही वाजवान तक, हर स्वाद अपनी विशिष्ट पहचान के साथ यहां उपस्थित होता है। यह भोजन केवल पेट भरने का साधन नहीं बल्कि भारत की उस सांस्कृतिक समृद्धि का सजीव प्रमाण है, जो सदियों के मेलजोल से विकसित हुई है।

इसके साथ ही, यह आयोजन स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए किसी वरदान से कम नहीं है। आगरा के होटल, रेस्तरां, परिवहन सेवाएं, हस्तशिल्प बाजार और टूर गाइडों के चेहरों पर इस दौरान जो रौनक दिखाई देती है, वह पर्यटन उद्योग की गतिशीलता का प्रतीक है। हजारों की संख्या में आने वाले विदेशी पर्यटक जब भारतीय परिधानों को पहनकर, यहां की हस्तशिल्प और पारंपरिक कलाओं के बीच समय बिताते हैं तो वे अपने साथ भारत की एक सुखद और गौरवशाली छवि लेकर स्वदेश लौटते हैं।

आगरा स्वयं भी इतिहास और स्थापत्य का एक अनूठा संगम है। महाभारत काल में 'अग्रवन' के रूप में वर्णित यह नगर, जिसे कभी सिकंदर लोदी ने बसाया और बाद में मुगल सम्राटों अकबर, जहांगीर तथा शाहजहां ने अपनी राजधानी बनाकर विश्वपटल पर चमक दी, आज भी अपनी ऐतिहासिकता को संजोए हुए है। इसी गौरवशाली अतीत की पृष्ठभूमि के कारण ताज महोत्सव का महत्व और भी गहन हो जाता है। प्रेम, कला और इतिहास के इस त्रिवेणी संगम में जब आधुनिक मंच-सज्जा, डिजिटल तकनीक और लेजर शो का समावेश होता है, तब परंपरा और आधुनिकता का वह अद्भुत सामंजस्य दृष्टिगोचर होता है, जिसे दुनिया आज का भारत कहती है। महोत्सव में आयोजित होने वाले कवि सम्मेलन, मुशायरे और गजल संध्याएं साहित्यिक रसिकों के लिए एक ऐसा आकर्षण केंद्र होती हैं, जहां शब्दों की सरगम और भावों की सूक्ष्म अभिव्यक्ति दर्शकों को हमारी महान साहित्यिक विरासत से जोड़ती है। चित्रकला, फोटोग्राफी और नृत्य प्रतियोगिताएं आयोजित कर यह महोत्सव न केवल स्थापित दिग्गजों को मंच देता है बल्कि नवोदित प्रतिभाओं के सपनों को भी नई उड़ान देता है।

ताज महोत्सव की सबसे बड़ी और ऐतिहासिक उपलब्धि यह है कि यह अमूर्त भारतीयता की भावना को एक मूर्त उत्सव में रूपांतरित कर देता है। यहां रखा हस्तशिल्प का हर एक नमूना अपनी मिट्टी की कहानी कहता है, कलाकारों की हर प्रस्तुति एक प्राचीन धरोहर को पुनर्जीवित करती है और हर व्यंजन एक क्षेत्रीय पहचान को सहेजता है। यह आयोजन इस महान सत्य का जयघोष है कि भारत केवल विविधताओं का देश नहीं है बल्कि उन तमाम भिन्नताओं को एक ही सूत्र में पिरोने की एक अद्भुत और अदम्य क्षमता रखने वाला राष्ट्र है।

जब ताजमहल की श्वेत आभा सूर्यास्त की सुनहरी किरणों में घुलती है और पृष्ठभूमि में किसी शास्त्रीय राग की अंतिम तान गूंजती है, तब ताज महोत्सव केवल एक दस दिवसीय कार्यक्रम मात्र नहीं रह जाता बल्कि भारतीय संस्कृति का एक ऐसा जीवंत और प्राणवान उत्सव बन जाता है, जहां इतिहास वर्तमान से संवाद करता है और परंपराएं आधुनिकता का हाथ थामकर भविष्य की सुनहरी राह पर चल पड़ती हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मान सरकार द्वारा 18 मार्च को पूरे राज्य में 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा: तरुणप्रीत सिंह सौंद

आप सरकार के अधीन पंजाब ने स्वयं सहायता समूहों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों की दर 18 प्रतिशत से घटाकर 2.16 प्रतिशत की: तरुणप्रीत सिंह सौंद

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

भगवंत मान सरकार के नेतृत्व में पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (पीएसआरएलएम) द्वारा 18 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस व्यापक स्तर पर मनाया जा रहा है, जिसके दौरान पंजाब सरकार द्वारा पूरे राज्य के विधानसभा क्षेत्रों, जिलों और राज्य स्तर पर 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। इस समारोह के दौरान 100 शीर्ष उद्यमियों को प्रत्येक को 25,000 रुपये प्रदान किए जाएंगे। उल्लेखनीय है कि स्वयं सहायता समूहों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों की दर 18 प्रतिशत से घटकर 2.16 प्रतिशत हो गई है। इस संबंध में बड़े स्तर पर समारोहों की घोषणा करते हुए और वर्ष 2022 के बाद दिए जा रहे वित्तीय तथा संस्थागत लाभों की जानकारी देते हुए ग्रामीण विकास एवं पंचायत मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा कि सरकार द्वारा पूरे राज्य में स्वयं सहायता समूहों का विस्तार किया गया है, वित्त पोषण में वृद्धि की गई है और ग्रामीण महिलाओं की स्थिति को सुदृढ़ किया गया है।मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने कहा, पूरे राज्य के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से स्वयं सहायता समूह की 100 महिला उद्यमियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया जाएगा। कुल 11,700 महिला उद्यमियों को पुरस्कार दिए जाएंगे। इसी प्रकार, 23 जिलों से 2,300 और प्रत्येक जिले से 100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा। राज्य स्तर पर एक समिति द्वारा पंजाब की शीर्ष 100 महिला उद्यमियों का चयन किया जाएगा और उनमें से प्रत्येक को 25,000 रुपये से सम्मानित किया जाएगा। इस प्रकार राज्य द्वारा 14,100 महिला उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा।

पंजाब सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए पंजाब के मंत्री ने कहा, वर्ष 2022 से 2026 तक कुल 28,734 स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं, जबकि पिछली सरकारों के दौरान वर्ष 2011 से 2022 के बीच 29,053 स्वयं सहायता समूह बनाए गए थे। इसी प्रकार, वर्ष 2022 से 2026 तक मात्र चार वर्षों में 2,90,213 स्वयं सहायता समूह सदस्य शामिल किए गए हैं, जबकि वर्ष 2011 से 2022 तक ग्यारह वर्षों के दौरान 2,97,083 सदस्य शामिल किए गए थे।

संस्थागत विस्तार पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा, वर्ष 2022 से 2026 तक कुल 2,427 ग्राम संस्थाएं बनाई गई हैं, जबकि 2011 से 2022 के बीच 1,806 ग्राम संस्थाएं बनाई गई थीं। इसी प्रकार, वर्ष 2022 से 2026 तक स्वयं सहायता समूहों को रिवॉल्विंग फंड के रूप में 53.03 करोड़ रुपये जारी किए गए, जबकि वर्ष 2011 से 2022 के बीच रिवॉल्विंग फंड के रूप में 28.59 करोड़ रुपये जारी किए गए थे।

वित्तीय सहायता के बारे में विवरण देते हुए मंत्री ने बताया, वर्ष 2022 से 2026 तक कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड के रूप में 84.88 करोड़ रुपये जारी किए गए हैं, जबकि 2011 और 2022 के बीच 105.72 करोड़ रुपये जारी किए गए थे। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूहों ने 2022 से 2026 तक 631.76 करोड़ रुपये के ऋण प्राप्त किए हैं, जबकि 2011 और 2022 के बीच 171.13 करोड़ रुपये के ऋण प्राप्त किए गए थे। हमारी सरकार ने 2022 से 2026 तक स्वयं सहायता समूहों की गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों को घटाकर 2.16 प्रतिशत कर दिया है, जो कि 2011 और 2022 के बीच 18 प्रतिशत थी। इससे स्पष्ट है कि वर्तमान सरकार द्वारा पिछली सरकारों की तुलना में काफी अधिक उपलब्धियां हासिल की गई हैं।

पंजाब राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के उद्देश्यों के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा, पीएसआरएलएम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण गरीब परिवारों की महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है। आज, ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं बचत, ऋण प्रबंधन, छोटे उद्यमों, कुटीर उद्योगों, कृषि सहायक गतिविधियों और सेवा क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। अनेक महिलाएं अपने गांवों में उद्यमी बन चुकी हैं, रोजगार के अवसर पैदा कर रही हैं और अन्य परिवारों के लिए प्रेरणा स्रोत बन रही हैं।

मंत्री तरुणप्रीत सिंह सौंद ने बताया कि अब तक कुल 58,000 स्वयं सहायता समूह कार्यशील हैं, जिनसे लगभग छह लाख ग्रामीण महिलाएं जुड़ी हुई हैं। पंजाब सरकार द्वारा रिवॉल्विंग फंड के रूप में 30,000 रुपये, कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड के रूप में 50,000 रुपये दिए जा रहे हैं और इन लाभार्थी महिलाओं को 7 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सुविधा प्रदान की जा रही है। अब तक सदस्यों द्वारा लगभग 802.89 करोड़ रुपये के बैंक ऋण लिए गए हैं, जिनकी गैर-निष्पादित परिसंपत्ति दर मात्र 2 प्रतिशत है। इससे स्पष्ट है कि महिलाएं समय पर ऋण का भुगतान कर रही हैं। बाढ़ के दौरान भी सरकार द्वारा 3,000 पशु खरीदने के लिए लगभग 18 करोड़ रुपये की सहायता बिना ब्याज के प्रदान की गई थी।

समग्र सहायता पर जोर देते हुए मंत्री ने कहा, पीएसआरएलएम के माध्यम से महिलाओं को न केवल वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है, बल्कि उन्हें प्रशिक्षण, बाजार तक पहुंच, बैंकिंग सहायता और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से भी जोड़ा जा रहा है। यह पहल न केवल ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि कर रही है, बल्कि उनकी सामाजिक स्थिति में भी सुधार कर रही है। हम सभी से अपील करते हैं कि वे अधिक से अधिक महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ें ताकि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाया जा सके और 'सशक्त महिला, सशक्त पंजाब' का सपना साकार हो सके।

विधायक कुलवंत सिंह ने मोहाली से 7वीं बस को हरी दिखाई झंडी

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा बस स्कीम के तहत, मोहाली के विधायक कुलवंत सिंह ने आज गुरुद्वारा कलगीधर साहिब से फेज-4 से 7वीं बस को हरी झंडी दिखाई। इस मौके पर पत्रकारों से बात करते हुए विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि आज गुरुद्वारा कलगीधर साहिब में माथा टेकने के बाद, मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा बस यात्रा स्कीम के तहत 7वीं बस को यात्रा के लिए हरी झंडी दिखाई गई है।

तीर्थ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में जो उत्साह दिख रहा है वह साफ देखने लायक है और हम भी इस मामले में काफी संतुष्ट और राहत महसूस कर रहे हैं, उन्होंने कहा कि जैसा कि आप सभी जानते हैं कि इस तीर्थ यात्रा के दौरान श्रद्धालु दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब, दुग्याणा मंदिर, वाहघा बॉर्डर, राम तीर्थ वाल्मीक मंदिर के दर्शन करेंगे और वापस लौटेंगे, उन्होंने कहा कि मैं भगवान से प्रार्थना करता हूं कि भगवान इस तीर्थ यात्रा में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी करें और भगवान मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को और अधिक शक्ति और शक्ति प्रदान करें ताकि वह और भी आगे जाकर लोगों की सेवा कर सकें, मुख्यमंत्री विधायक कुलवंत सिंह ने कहा कि इसके अलावा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी सरकार ने राज्य के लोगों की सुविधा के लिए 10 लाख रुपये की स्वास्थ्य बीमा योजना शुरू की है, जिसके लिए पूरे पंजाब में कार्ड बनाने की प्रक्रिया बड़े स्तर पर चल रही है पार्टी लेवल से एक्शन लेते हुए हर मुमकिन तरीके से सबके इंश्योरेंस कार्ड बनाए जाएंगे ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग इस मुख्यमंत्री हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम का फायदा उठा सकें, उन्होंने कहा कि इसके अलावा, पंजाब के लोगों की सुविधा के लिए रसोई घर स्कीम भी शुरू की गई है, जिसका सीधा फायदा पंजाब के 40 लाख परिवारों को मिलेगा, आटा, दाल, साबुन और घर की जरूरत का सामान उनके घरों तक पहुंचेगा, विधायक कुलवंत सिंह ने रिपोर्टर्स से बात करते हुए कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार ने अपने चुनावी मैनिफेस्टो में लोगों से जो भी वादे किए थे, वे लगभग पूरे कर दिए गए हैं और पंजाब की महिलाओं के अकाउंट में 1000 रुपए भेजने की जो गारंटी थी, उसे भी अगले बजट में पास कर दिया जाएगा। विधायक कुलवंत सिंह ने आगे कहा कि पंजाब को फिर से एक रंगीन कल्चरल स्टेट बनाने के लिए, पूरे राज्य में अलग-अलग जगहों पर कल्चरल मेले लगाए जा रहे हैं और इसके अलावा हेल्थ इंश्योरेंस स्कीम के तहत कार्ड बनाने के लिए रजिस्ट्रेशन का काम बड़े लेवल पर चल रहा है। इसके अलावा ग्रेटर पंजाब में युवाओं को ड्रग्स के दलदल से निकालने और उन्हें सेहतमंद रखने के लिए पूरे राज्य में 3500 से ज्यादा स्टेडियम बनाए जा रहे हैं, जबकि अकेले मोहाली विधानसभा क्षेत्र में 35 स्पोर्ट्स स्टेडियम बनाए जा रहे हैं।

इस मौके पर स्टेट अवार्डी-फूलराज सिंह - चुनाव क्षेत्र के कोऑर्डिनेटर, पूर्व पार्षद और आम आदमी पार्टी के सीनियर नेता गुरमुख सिंह सोहल, अमरजीत सिंह, हरभजन सिंह, गुरविंदर सिंह पिंकी, शरणजीत कौर ब्लॉक प्रधान, बलविंदर सिंह, गुरदयाल सिंह ढिल्लों, सरबजीत सिंह, दयाल सिंह भी मौजूद थे।

ड्यूटी के दौरान दिवंगत रेल कर्मचारी के परिजनों को मिली एक करोड़ की बीमा राशि

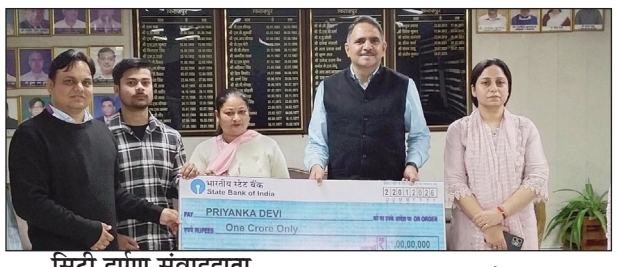

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

उत्तर रेलवे के फिरोजपुर रेल मंडल द्वारा वीरवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि फिरोजपुर मंडल के अंतर्गत कार्यरत श्री संतोष कुमार, जो वरिष्ठ खंड अभियंता (सिग्नल) जालंधर सिटी के अधीन सहायक सिग्नलर के पद पर कार्यरत थे, का 01 सितंबर 2025 को ड्यूटी के दौरान दुर्घटनावश निधन हो गया था। दिवंगत कर्मचारी का वेतन स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रेलवे सैलरी पैकेज योजना के अंतर्गत था। इस स्कीम के अनुसार, उनका बीमा दावा संबंधित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया शाखा, जालंधर को प्रेषित किया गया था। अब, आवश्यक औपचारिकताओं के बाद एक करोड़ रुपए की बीमा राशि स्वीकृत कर लिया गया है। मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्रीमती साक्षी सिंह तथा स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में एक करोड़ रुपए की राशि दिवंगत कर्मचारी के परिजनों को प्रदान की गई है। यह आर्थिक सहायता शोकाकुल परिवार के लिए कठिन समय में संबल का कार्य करेगी। फिरोजपुर मंडल ने शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। रेल प्रशासन अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों के कल्याण हेतु सदैव प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त-समाचार

32वां विशाल मुफ्त आंखों का लैंस कैंप 5-6 मार्च को लगेगा: संत ऋषि राम

जैतो। माता अमर कौर विवेक चैरीटेबल सोसाइटी चैना रोड जैतो में 32वां विशाल आंखों का मुफ्त लैंस कैंप 5-6 मार्च को सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक लगेगा।यह जानकारी सोसाइटी के मुख्य संरक्षक स्वामी ब्रह्म मुनि जी महाराज जलाल वाले व अध्यक्ष संत ऋषि राम ने दी। उन्होंने बताया कि यह मुफ्त कैंप परम पूजनीय ब्रह्मलीन 108 संत बाबा करनैल दास जी जलाल वालों के आशीर्वाद से व स्वामी ब्रह्म मुनि जी शास्त्री व इंग्लैंड नागरिक जसविंदर सिंह ढिल्लों, गुरदेव सिंह पुरेवाल, श्रीमती परमिंदर कौर पुरेवाल एडवोकेट, हरनेक सिंह धालीवाल, परमिंदर सिंह मंगत, बलविंदर सिंह चौहान, गुरमीत सिंह भल्ला, भूपिंदर पाल सिंह भामरा, जोगा सिंह ढिल्लों, हरमिंदर सिंह दुहरा, रमन कुमार शर्मा, जसपाल सिंह भल्ला, कुलबीर सिंह मोंडैर परवीन कुमार मैनी और उनके परिवार के सदस्यों के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस कैंप में आंखों के स्पैशलिस्ट डॉ. दीपक अरोड़ा एम.एस.,डॉ. भूपिंदर पाल कौर एम.एस, डॉ. मोनिका बालियान एम.एस.मरीजों का चैकअप और आप्रेशन करेंगे। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद मरीजों को मुफ्त लैंस डाले जाएंगे और दवाएं भी मुफ्त दी जाएंगी। इसके अलावा, सोसायटी मरीजों और वारिसों के रहने और लंगर का इंतजाम करेगी।

ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने बढ़ती सिविक चिंताओं पर तुरंत एडमिनिस्ट्रेटिव एक्शन की मांग की

चंडीगढ़। ओनर्स वेलफेयर एसोसिएशन पंचकूला सेक्टर 7 ने इलाके में बिगड़ते इंफ्रास्ट्रक्चर और बढ़ती पब्लिक सेफ्टी चिंताओं को लेकर प्रशासन से तुरंत दखल देने की मांग की है। 35 लाइफ मेंबर्स और 200 से ज्यादा एसोसिएट मेंबर्स को रिप्रेजेंट करते हुए, एसोसिएशन ने कहा कि सेक्टर 7, जो पंचकूला, चंडीगढ़ और मनीमाजरा के ट्राई-जंक्शन पर है, को इसके हाई-ट्रैफिक और सेंसिटिव लोकेशन की वजह से तुरंत ध्यान देने की जरूरत है। निवासियों ने कहा कि लगातार सिविक कमियों से सैनिटेशन स्टैंडर्ड्स, पब्लिक सेफ्टी और इंफ्रास्ट्रक्चर स्टेबिलिटी पर असर पड़ रहा है। एसोसिएशन के प्रेसिडेंट कर्नल (रिटायर्ड) संदीप भनोट ने कहा कि इरेगुलर वेस्ट कलेक्शन की वजह से कूड़ेदान ओवरफ्लो हो गए हैं और आस-पास गंदगी फैल गई है। उन्होंने रोजाना मैकेनाइज्ड सफाई, एंटी-लटरिंग नॉर्म्स को सख्ती से लागू करने और एक मजबूत मॉनिटरिंग सिस्टम की मांग की। एसोसिएशन ने खुले नाले की बाउंड्री पर सिक्योरिटी की चिंता भी जताई, और पेरिमीटर फेंसिंग, सिक्योरिटी ग्रिल लगाने, चौबीसों घंटे सीसीटीवी सर्विलांस, पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने और स्ट्रीट वेंडर्स का सही वेरिफिकेशन करने की मांग की। आवारा कुत्तों और बंदरों के खतरे को हाईलाइट करते हुए, एसोसिएशन ने स्टरलाइजेशन ड्राइव और साइंटिफिक तरीके से पॉपुलेशन कंट्रोल की मांग की। लोगों ने खराब सड़कों, स्पीड ब्रेकर की कमी, असुरक्षित पैदल चलने वालों के रास्तों और उलझे हुए ओवरहेड केबल से एक्सीडेंट का खतरा होने की भी शिकायत की॥

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर और इंडियन आर्म्ड फोर्सेज ने नई दिल्ली में भारत रणभूमि दर्शन सफलतापूर्वक पूरा किया

चंडीगढ़। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) भारत रणभूमि दर्शन के लिए ऑफिशियल मोबिलिटी पार्टनर है और इंडियन आर्म्ड फोर्सेज ने भारत की समृद्ध मिलिट्री विरासत, बहादुरी और एकता की हमेशा रहने वाली भावना को ट्रिब्यूट देते हुए देश भर में चलाए गए अभियान को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। समापन समारोह में चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ, जनरल उपेंद्र द्विवेदी, इंडियन आर्मी, इंडियन नेवी, बीएसएफ, सिविल एडमिनिस्ट्रेशन और टोयोटा किर्लोस्कर मोटर लीडरशिप टीम सहित इंडियन आर्म्ड फोर्सेज के सीनियर अधिकारी मौजूद थे। टोयोटा हिलक्स गाड़ी से चलाया गया अभियान नई दिल्ली में नेशनल वॉर मेमोरियल पर खत्म हुआ, जो हिम्मत और जुझारूपन का सम्मान करने वाली यात्रा का एक दिल को छू लेने वाला अंत था। यह अभियान 3 फरवरी को गुजरात के द्वारका से शुरू हुआ था, 23 दिनों में 14 शहरों और 4 राज्यों से होकर गुजरा, जो स्ट्रेटेजिक और ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण इलाकों से होकर गुजरा, और 4,400 किलोमीटर से ज्यादा की दूरी तय की। इस सफर में इंडियन आर्मी, इंडियन नेवी, बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स (बीएसएफ) और युद्ध के अनुभवी सैनिकों की 32 लोगों की टुकड़ी शामिल हुई, जिसने आर्म्ड फोर्स के लिए याद में राष्ट्रीय गौरव और सम्मान का एक साझा संदेश दिया। ऑफिशियल मोबिलिटी पार्टनर के तौर पर टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अपनी 15 टोयोटा हिलक्स गाड़ियों के एक ग्रुप के साथ इस सफर में मदद की, जो अपनी मजबूती, टिकाऊपन और भरोसे के लिए जानी जाती हैं। इससे रेगिस्तान, ऑफ-रोड हिस्सों और मुश्किल रास्तों सहित अलग-अलग इलाकों में आसानी से चलने-फिरने में मदद मिली। टोयोटा हिलक्स गाड़ियों ने पूरी यात्रा में एक जैसा परफॉर्मेंस दिया, जो एडवांस्ड 4७4 ऑफ-रोड क्षमता से पॉवर्ड था। इसके अलावा, टीकेएम ने स्पेयर पार्ट्स और ऑन-ग्राउंड टेक्निकल मदद सहित पूरी एंड-टू-एंड सर्विस सपोर्ट दिया, जिससे पूरे रास्ते में आसान ड्राइव सुनिश्चित हुई।

स्टिंग एनर्जी ने इस क्रिकेट सीजन में हर छक्के को दी अपनी खास सोनिक आइडेंटिटी

चंडीगढ़। पेप्सिको इंडिया के हाई वोल्टेज एनर्जी ड्रिंक स्टिंग एनर्जी ने अपने सोनिक ब्रांड यूनिवर्स के नए चैप्टर में कदम रखते हुए मैच में लगने वाले हर छक्के को अपने सिग्नेचर स्टिंग मूमेंट में बदलने का कैंपेन शुरू किया। अपनी मौजूदगी को देखते हुए स्टिंग एनर्जी ने इस सीजन में एक बड़ा लक्ष्य रखा है: मैच में लगने वाले हर छक्के की आवाज को उसकी पहचान देने का लक्ष्य। जब बॉल बाउंड्री के पार जाती है, तो हर बाउंड्री एक जैसी नहीं होती और न ही हर छक्का एक जैसा होता है। देशभर में शुरू किए गए इस कैंपेन से स्टिंग एनर्जी क्रिकेट के सबसे ज्यादा एनर्जेटिक पल के सेंटर में आ गई है, जहां स्टिंग एनर्जी सोनिक छक्के के लिए लगे हर शॉट को नई परिभाषा देगी। इस कैंपेन के लिए एक हाई एनर्जी फिल्म लॉन्च की गई है, जिसमें क्रिकेट दिग्गज युवराज सिंह और रवि शास्त्री नजर आए हैं। यादों और स्टाइल से भरपूर क्रिकेट के मैदान पर सेट की गई इस फिल्म की शुरुआत मजेदार बातचीत से होती है और फिर शानदार छक्कों के साथ जबर्दस्त सीन में बदल जाती है।

गैंगस्टरों पर वार का 37वां दिन: पंजाब पुलिस ने 601 स्थानों पर की छापेमारी; 203 गिरफ्तार

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू किए गए निर्णायक अभियान गैंगस्टरों पर वार के 37वें दिन पंजाब पुलिस ने आज राज्य भर में गैंगस्टरों के साथियों के पहचाने गए और मैप किए गए 601 ठिकानों पर छापेमारी की। उल्लेखनीय है कि गैंगस्टरों पर वार - पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक जंग है, जिसकी शुरूआत 20 जनवरी, 2026 को पुलिस डायरेक्टर जनरल (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने की थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्य भर में विशेष कार्रवाइयां कर रही हैं। 37वें दिन, पुलिस टीमों ने 203 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से एक हथियार बरामद किया, जिससे अभियान की शुरूआत के बाद कुल गिरफ्तारियां 11,616 हो गई हैं। इसके अलावा 147 व्यक्तियों के खिलाफ सतर्कता कार्रवाई की गई है, जबकि 145 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। पुलिस टीमों ने कार्रवाई के दौरान आठ भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि लोग एंटी गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप में वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं और अपराध तथा अपराधिक गतिविधियों के बारे में सूचना/जानकारी भी साझा की जा सकती है। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशे के विरुद्ध अपने अभियान युद्ध नशे के विरुद्ध के 362वें दिन 67 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2.4 किलो हेरोइन, 301 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 3350 रुपए की ड्रग मनी बरामद की है। इसके साथ, सिर्फ 362 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 51,305 हो गई है। नशा छुड़ाओ अभियान के हिस्से के रूप में, पंजाब पुलिस ने आज 30 व्यक्तियों को नशा छुड़ाओ और पुनर्वास उपचार करवाने के लिए मनाया है।

पुलिस टीमों ने 147 व्यक्तियों के खिलाफ की सतर्कता कार्रवाई, 145 को पूछताछ के बाद किया रिहा

अमित शाह पंजाब की ऐतिहासिक बदलाव रैली को लीड करेंगे, राज्य में बदलाव व उम्मीद की लहर: सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल

सिटी दर्पण संवाददाता
जैतो

नैशनल भाजपा नेता एडवोकेट सुखमिंदरपाल सिंह ग्रेवाल भुखरी कलां ने कहा कि वह और पंजाब के सभी लोग 14 मार्च, 2026 को मोगा पंजाब में ह्यबदलाव रैलीह्ल को संबोधित करने के लिए केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के शानदार दौरे का दिल से स्वागत करते हैं और उनकी बहुत तारीफ करते हैं। उन्होंने कहा कि अमित शाह की दूर की सोचने वाली लीडरशिप, सही शासन और राष्ट्रीय एकता, अखंडता और सुरक्षा के लिए पक्का वादा पूरे देश में लाखों लोगों को प्रेरित करता है और पंजाब के लोगों में नई उम्मीद जगाता है। आज एक प्रेस बयान में ग्रेवाल ने कहा कि यह रैली सिर्फ एक राजनीतिक सभा नहीं है, बल्कि पंजाब के लोगों की उम्मीदों की एक मजबूत झलक है,जो असली बदलाव, ईमानदार शासन और एक बेहतर भविष्य चाहते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे मजबूत और दूर की सोचने वाले नेता की मौजूदगी से लोगों में जोश आएगा और राज्य में बदलाव के लिए मिलकर किए गए इरादे को और मजबूत करेगा। ग्रेवाल ने कहा कि वह चंडीगढ़ से यह जरूरी घोषणा करने के लिए भाजपा पंजाब के वर्किंग अध्यक्ष श्री अश्विनी शर्मा की दिल से तारीफ करते हैं, जो सच में ट्रांसपेरेंसी, अकाउंटेबिलिटी और डेवलपमेंट पर आधारित शासन चाहने वाले लोगों की आवाज, उम्मीदों और डेमोक्रेटिक उम्मीदों को दिखाता है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में, पंजाब बिगड़ती लॉ एंड ऑर्डर, बढ़ता करप्शन, बढ़ता माफिया असर, फेल हेल्थकेयर और एजुकेशन सिस्टम, एम.एस.पी. पर अधूरे वादे, किसानों और मजदूरों को पेमेंट में देरी, बढ़ते क्राइम रेट और लगातार नजरअंदाज किए गए इंफ्रास्ट्रक्चर जैसी गंभीर और चिंताजनक चुनौतियों का सामना कर रहा है। उन्होंने कहा कि इन मुद्दों ने आम लोगों के भरोसे और विश्वास को गहराई से हिला दिया है। ग्रेवाल ने कहा कि पंजाब के लोग जागरूक, होश में और पक्के इरादे वाले हैं। वे फेल शासन को खारिज करने और तरक्की, इज्जत, न्याय और सबको साथ लेकर चलने वाले विकास पर बने भविष्य की ओर बढ़ने के लिए तैयार हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि पंजाब की भावना हमेशा मजबूत और लचीली रही है और अब सकारात्मक परिवर्तन के लिए एकजुट है। उन्होंने कहा कि पूरे विश्वास और आत्मविश्वास के साथ, पंजाब प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली डबल इंजन सरकार को अपनाएगा, जो समाज के हर वर्ग के लिए तेजी से विकास, स्थिरता, समृद्धि, पारदर्शिता और न्याय सुनिश्चित करेगी। उन्होंने कहा कि ऐसा शासन पंजाब को प्रगति के पथ पर वापस लाएगा और इसकी शानदार विरासत को पुनर्स्थापित करेगा।

ट्रांसलेशनल रिसर्च में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) एवं एथ्नोफामाकोलॉजी रही आयोजन की थीम

नाईपर, मोहाली द्वारा 13वें इंटरनेशनल कांग्रेस ऑफ सोसाइटी फॉर एथ्नोफामाकोलॉजी तथा ट्रांसलेशनल रिसर्च इन एथ्नोफामाकोलॉजी पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन– आधुनिक स्वास्थ्य सेवा में पारंपरिक चिकित्सा का एकीकरण

सिटी दर्पण संवाददाता
मोहाली

नेचुरल प्रोडक्ट्स विभाग, राष्ट्रीय औषधि शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (नाइपर), मोहाली, भारत, एथ्नोफामाकोलॉजी सोसायटी (एसएफई), कोलकाता, भारत के सहयोग से संयुक्त रूप से 13वीं अंतरराष्ट्रीय एथ्नोफामाकोलॉजी सोसायटी कांग्रेस तथा एथ्नोफामाकोलॉजी में ट्रांसलेशनल रिसर्च पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (एसएफईसी-आईसीटीआरई 2026) – आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं में पारंपरिक चिकित्सा का एकीकरण का आयोजन 26-28 फरवरी, 2026 को नाइपर-मोहाली, पंजाब में कर रहा है।

सम्मेलन का विषय, एआई एवं एथ्नोफामाकोलॉजी इन ट्रांसलेशनल रिसर्च, प्राचीन पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को आधुनिक वैज्ञानिक प्रगतियों एवं उभरती प्रौद्योगिकियों के साथ जोड़ने का उद्देश्य रखता है, जिससे प्राकृतिक उत्पाद अनुसंधान और औषधि खोज के क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहन मिल सके।

उद्घाटन समारोह आज संस्थान के ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया। केंद्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (सीसीआरएएस), आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के महानिदेशक प्रो. रबिनारायण आचार्य ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे। पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड के सह-संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रो. दुलाल पांडा, निदेशक, नाइपर ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। उन्होंने मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि, विशिष्ट वक्ताओं, प्रतिनिधियों तथा अन्य अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। अपने संबोधन में उन्होंने इस बात पर बल दिया कि यह सम्मेलन पारंपरिक औषधीय ज्ञान को आधुनिक जैव-चिकित्सीय विज्ञान तथा उन्नत विश्लेषणात्मक प्रौद्योगिकियों के साथ समन्वित करने की एक प्रगतिशील दृष्टि को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा कि यह आयोजन प्राकृतिक उत्पादों और पारंपरिक चिकित्सा के तीव्र गति से विकसित हो रहे क्षेत्र में ज्ञान-विनिमय, नवाचार, सहयोग तथा नीतिगत संवाद के लिए एक सशक्त वैश्विक मंच के रूप में कार्य कर रहा है।

प्रो. संजय एम. जाचक, आयोजन सचिव, एसएफई-आईसीटीआरई 2026 ने कांग्रेस का संक्षिप्त अवलोकन प्रस्तुत किया। प्रो. पुलोक कुमार मुखर्जी, संस्थापक, एसएफई-कोलकाता ने कार्यक्रम की दृष्टि एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। डॉ. सी. के. कटियार ने एसएफई के अध्यक्ष की ओर से उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया। उद्घाटन सत्र में एसएफई पुरस्कार समारोह तथा सिस्टम्स एथ्नोफामाकोलॉजी एंड सस्टेनेबल बायोरिसोर्सेज (एएइ) की संपादकीय टीम का सम्मान भी किया गया। हरिहर मुखर्जी स्मृति पुरस्कार व्याख्यान आचार्य बालकृष्ण द्वारा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद मुख्य अतिथि प्रो. रबिनारायण आचार्य का संबोधन हुआ, जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि भारतीय मानक ब्यूरो एथ्नोमेडिसिन के लिए मानकों का विकास कर रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि वर्तमान सरकार पारंपरिक चिकित्सा को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रही है, जिससे इस क्षेत्र का भविष्य अत्यंत आशाजनक है।

तीन दिवसीय इस अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस में 500 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं, जिनमें यूरोप एवं दक्षिण-पूर्व एशिया के 10 से अधिक देशों से आए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय वक्ता शामिल हैं। प्रतिभागियों में वैज्ञानिक, शिक्षाविद, पारंपरिक वैद्य, नीति-निमार्ता, नियामक विशेषज्ञ, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, आयुष विशेषज्ञ, स्टार्ट-अप उद्यमी, शोधार्थी एवं छात्र सम्मिलित हैं– जिससे यह क्षेत्रीय स्तर पर एथ्नोफामाकोलॉजी के क्षेत्र की सबसे बड़ी सभाओं में से एक बन गया है।

ब्रिटेन में हिंदू मंदिर के बंद होने का खतरा

काउंसिल ने भवन को बेचने का निर्णय लिया

- भारत हिंदू समाज मंदिर की स्थापना 1986 में शहर के न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स में हुई थी
- 13,000 से अधिक हिंदू यहां दर्शन करने आते हैं

एजेंसी (हि.स.)

लंदन

फोटोः हि.स.

पूर्वी ब्रिटेन के पीटरबरो शहर में एक परिसर में मौजूद 40 साल पुराने हिंदू मंदिर और कम्युनिटी सेंटर के बंद होने का डर है, क्योंकि स्थानीय प्राधिकारियों ने इस भवन को बेचने के फैसले को सही ठहराया है जो मंदिर के लिए किराये पर दिया गया है।

भारत हिंदू समाज मंदिर की स्थापना 1986 में शहर के न्यू इंग्लैंड कॉम्प्लेक्स में हुई थी और कैम्ब्रिजशायर, नॉरफॉक तथा लिंकनशायर के बड़े इलाके के 13,000 से अधिक हिंदू यहां दर्शन करने आते हैं। मंदिर प्रशासन पीटरबरो सिटी काउंसिल से अपने फैसले पर पुनर्विचार करने की मांग करते हुए अभियान चला रहा है। इस महीने की शुरूआत में काउंसिल कैबिनेट की बैठक में यह कहा गया कि 'संपत्ति की बिक्री से करदाताओं के लिए सर्वश्रेष्ठ मूल्य दिलाने की उसकी कानूनी जिम्मेदारी' है।

वहीं, मंदिर ने एक बयान में कहा, हम भारत हिंदू समाज से जुड़े भवन की बिक्री की कड़ी निंदा करते हैं। समुदाय द्वारा बनाई गई संस्था को बंद दरवाजों के पीछे बिना पारदर्शिता या सहमति के नहीं बेचा जाना चाहिए। इसमें कहा गया, यह सिर्फ संपत्ति के बारे में नहीं है, बल्कि विरासत, भरोसे और जवाबदेही के बारे में है। समुदाय जवाब पाने का हक रखता है, गोपनीयता का नहीं।

इस फैसले पर सवाल उठाए जाने चाहिए और इसका विरोध किया जाना चाहिए। हिंदू काउंसिल यूके, जो ब्रिटिश हिंदुओं का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमुख संस्था है, ने लेबर पार्टी के नेतृत्व वाली पीटरबरो सिटी काउंसिल (पीसीसी) के नए प्रशासन पर मंदिर के सामाजिक प्रभाव मूल्य को पूर्व में मानने और भारत हिंदू समाज को इसका स्वामित्व हस्तांतरित करने की प्रतिबद्धता को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया है।

दक्षिण अफ्रीका : विहिप करेगा राष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन का आयोजन

जोहानिसबर्ग। विश्व हिंदू परिषद की दक्षिण अफ्रीका शाखा की ओर से शनिवार को प्रिटोरिया में आयोजित होने जा रहे राष्ट्रीय हिंदू सम्मेलन में दक्षिण अफ्रीका के समक्ष मौजूद विभिन्न चुनौतियों से निपटने के उपायों पर चर्चा की जाएगी। सम्मेलन का विषय 'द नेशनल रीसेट' ए विजन फॉर ए प्रोग्रेसिव साउथ अफ्रीका रखा गया है। इसमें देशभर से आध्यात्मिक नेता, शिक्षाविद, पेशेवर, युवा प्रतिनिधि और सामुदायिक संगठनों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। यह सम्मेलन वर्ष 2024 में आयोजित पहले राष्ट्रीय सम्मेलन की सफलता के बाद हो रहा है, जिसमें दर्जनों हिंदू संगठनों ने एकजुट होकर अधिक समन्वय, वकालत और प्रतिनिधित्व की साझा मांग उठाई थी। आयोजकों के अनुसार, इस वर्ष का कार्यक्रम केवल संवाद तक सीमित न रहकर ठोस कार्ययोजना तैयार करने पर केंद्रित होगा, जिसमें सामुदायिक विकास और राष्ट्रीय योगदान के लिए व्यावहारिक कदमों की रूपरेखा बनाई जाएगी। विहिप (दक्षिण अफ्रीका) के महासचिव प्रवेश हर्डीन ने कहा, 'दक्षिण अफ्रीका एक निर्णायक मोड़ पर खड़ा है। देशभर के समुदाय आर्थिक अनिश्चितता, युवाओं में बेरोजगारी, सामाजिक विखंडन और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों से जूझ रहे हैं। 'नेशनल रीसेट' की अवधारणा हमें सनातन धर्म की शाश्वत शिक्षाओं से प्रेरणा लेकर वर्तमान समस्याओं के समाधान में सक्रिय योगदान देने का आह्वान करती है। सम्मेलन के तहत पूर्ण अधिवेशन, परिचर्चा और समूह कार्यशालाएं शामिल होंगी, जिनमें सांस्कृतिक पहचान, नैतिक नेतृत्व, सामाजिक कल्याण और नागरिक भागीदारी जैसे विषयों पर विचार-विमर्श होगा।

उग्रवादी संगठन से सांठगांठ के आरोप में पुलिस कांस्टेबल, ड्राइवर समेत 4 गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)

इंफाल

फोटोः हि.स.

मणिपुर में उग्रवादियों के विरूद्ध पुलिस एवं सुरक्षा बलों का धर-पकड़ अभियान राज्य के विभिन्न हिस्सों में जारी है। इस कड़ी में उग्रवादी संगठन केसीपी (एमएफएल) से सांठगांठ करने के आरोप में एक पुलिस कॉन्स्टेबल ड्राइवर, उग्रवादी संगठन प्रीपाक के कैडर और उसकी साथी तथा एक आरपीएफ/पीएलए कैडर को गिरफ्तार किया गया है। मणिपुर पुलिस मुख्यालय द्वारा आज दी गयी जानकारी के अनुसार मणिपुर पुलिस के एक कॉन्स्टेबल ड्राइवर कॉन्गखम सनाजोबा सिंह उर्फ इबोमचा (43) को गिरफ्तार किया गया है। इबोमचा को बिष्णुपुर जिले के नरेंद्र थानांतर्गत उट्लौ चानुरा से उसे गिरफ्तार गया है। मणिपुर पुलिस विभाग में सेवा देने के बावजूद गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का केसीपी (एमएफएल) के लिए सक्रिय सदस्य के रूप में कैडरों की भर्ती में शामिल होना पाया गया।

दूसरी कार्रवाई में सुरक्षा बलों ने एक जबरन वसूली करने वाले उग्रवादी संगठन प्रीपाक के सक्रिय सदस्य नाहकपाम शिबानंद सिंह उर्फ अमुथोई (32) को गिरफ्तार किया है। आरोपित इंफाल वेस्ट जिला के सिंगडमेई थानांतर्गत इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके एक साथी, जिसने वसूली के पैसे के लेन-देन में उसकी मदद करने वाली इंफाल वेस्ट जिला क्वाकेइथेल न्गानापिथोंग मपाल निवासी देवीया मोंगजाम (29) को भी उनके निवास स्थान से गिरफ्तार किया गया। उनसे दो मोबाइल फोन, एक आईपैड और एक आधार कार्ड जब्त किए गए। तीसरे अभियान में सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के एक सक्रिय कैडर चिंगखाम रॉकी सिंह उर्फ सनथोई उर्फ इपुंबा (38) को गिरफ्तार किया गया। आरोपित थौबल जिला के सेकमाई थाना क्षेत्र का निवासी बताया गया है। उसके पास से एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड जब्त किया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार सुरक्षा बल जिलों के अंदरुनी और संवेदनशील क्षेत्रों में तलाशी अभियान और क्षेत्र नियंत्रण जारी रखे हुए हैं। मणिपुर के विभिन्न जिलों में पुलिस ने बुधवार को पहाड़ों और घाटी दोनों में कुल 115 नाका एवं चेक प्वाइंट स्थापित किए गए थे, हालांकि किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग-37 पर आवश्यक सामान ले जाने वाले 199 वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित की गई है। सभी संवेदनशील स्थानों में कड़े सुरक्षा उपाय किए गए हैं और वाहनों की स्वतंत्र और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए संवेदनशील मार्गों में सुरक्षा काफिला प्रदान किया गया है।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में मिलाजुला कारोबार

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

ग्लोबल मार्केट से आज पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में आज फिलहाल गिरावट का रुख बना हुआ है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। वहीं एशियाई बाजार में आज मिलाजुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

टेक शेयरों में आई तेजी के कारण पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में उत्साह का माहौल बना रहा, जिससे वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। एस एंड पी 500 इंडेक्स 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 6,946.13 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 284.59 अंक यानी 1.24 प्रतिशत उछल कर 23,148.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं डाउ जॉन्स फ्यूचर्स आज फिलहाल 0.09 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 49,439.75 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी टेक शेयरों में आए उछाल के कारण पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 125.82 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 10,806.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.47 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,559.07 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 189.69 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 25,175.94 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

बीजापुर मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर, तलाशी अभियान जारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में गुरुवार सुबह सुरक्षा बलों की नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में 2 नक्सली मारे गए हैं। बीजापुर जिले के पुलिस अधीक्षक जितेंद्र यादव ने इसकी पुष्टि की है। मुठभेड़ स्थल से दोनों नक्सलियों के शव के साथ एसएलआर और इंसास हथियार बरामद किए गए हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया है कि बीजापुर जिले के जांगला थाना क्षेत्र अंतर्गत इन्द्रावती नदी के जंगलों में माओवादियों की मौजूदगी की पुख्ता सूचना मिली थी। इसी सूचना के आधार पर संयुक्त सुरक्षा बलों की टीम सर्चिंग और माओवादी विरोधी अभियान के लिए रवाना हुई थी। आज सुबह सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई। मुठभेड़ के बाद इलाके में चलाए गए सर्च अभियान में दो वर्दीधारी माओवादियों के शव बरामद हुए। घटनास्थल से एक एसएलआर रायफल, एक इंसास रायफल, एक 12 बोर रायफल के साथ विस्फोटक सामग्री और माओवादियों के दैनिक उपयोग की अन्य सामान जब्त किया गया। बस्तर के आईजी सुंदरराज पट्टलिंगम ने बताया कि क्षेत्र में अभी भी सघन सर्च अभियान जारी है। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ के दौरान घने जंगलों का फायदा उठाकर कई माओवादी भाग निकले हैं जिनकी तलाश जारी है।

बिहार में तमिलनाडु के पर्यटकों से भरी ट्रैवलर ने ट्रक में मारी टक्कर

- एक की मौत, 19 घायल

एजेंसी (हि.स.)

डेहरी आन सोन

फोटोः हि.स.

बिहार के रोहतास जिले में राष्ट्रीय राजमार्ग पर डेहरी मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सुअरा गांव के पास गुरुवार तड़के तमिलनाडु के पर्यटकों से भारी ट्रैवलर ने एक ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में एक पर्यटक की मौत हो गई और 19 लोग घायल हो गए हैं' ट्रैवलर पर 24 लोग सवार थे' घायलों को नारायण मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के अनुसार, तमिलनाडु के कांचीपुरम के पर्यटकों से भरी ट्रैवलर ने गुरुवार तड़के ट्रक में पीछे से टक्कर मार दी' जिसमे तमिलनाडु के कांचीपुरम अब्राहम स्ट्रीट निवासी 72 वर्षीय राजू एम की घटनास्थल पर मौत हो गई ' चालक व खाना देने वाले उत्तर प्रदेश के वाराणसी निवासी सहित 19 लोग घायल हो गए।

पर्यटकों को भोजन देने वाले वाराणसी निवासी घायल संजय पाल के अनुसार कांचीपुरम के 24 पर्यटक वाराणसी से ट्रेवलर से गयाजी जा रहे थे' सुबह लगभग तीन बजे ड्राइवर सोनू पाल को झपकी आई और उसने एक ट्रक मे पीछे से टक्कर मार दी' मौके पर पुलिस पहुंची और सभी को घायलों को ट्रेवलर से निकाल कर अस्पताल पहुंचाया' घायलों मे कविता (47), कायल कन्नन (50), सिलवा(43), दिव्यदर्शनी (19) के.परी (10), श्रीलता (50) बालाजी के (49) गंभीर रूप से घायल हैं।

थानाध्यक्ष नितेश कुमार के अनुसार मृतक व घायलों के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है' मृतक के परिजन फ्लाइट से चेन्नई से रवाना हो चुके हैं। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है' पुलिस मामले की जांच कर रही है।

संक्षिप्त-समाचार

सुप्रीम कोर्ट ने न्यायिक भ्रष्टाचार संबंधी एनसीईआरटी की किताब पर लगाई रोक

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नेशनल काउंसिल ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग (एनसीईआरटी) की कक्षा 8 में न्यायपालिका में भ्रष्टाचार का एक अध्याय वाली किताब पर रोक लगा दी है। चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि इस मामले में गहरी साजिश रची गई है। इस साजिश के लिए जिम्मेदार लोगों को कानून का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने स्कूल, शिक्षा विभाग और एनसीईआरटी के डायरेक्टर डॉ. दिनेश प्रसाद सकलानी को कोर्ट की अवमानना का नोटिस जारी किया। कोर्ट ने नोटिस जारी कर पूछा कि ये बताएं कि कक्षा 8 के इस अध्याय के लिए कौन लोग जिम्मेदार हैं। कोर्ट ने एनसीईआरटी और केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वो ये सुनिश्चित करें कि इस किताब की सभी प्रतियों को हर जगह हटाया जाए ताकि वो आम लोगों तक नहीं पहुंच सके। कोर्ट ने एनसीईआरटी और केंद्र सरकार को इस आदेश की अनुपालन संबंधी रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि इस किताब का ऑनलाइन या फिजिकल किसी भी तरह से प्रचार-प्रसार करना कोर्ट के आदेश की अवमानना माना जाएगा। कोर्ट ने कहा कि इस तरह की किताब एक सोची समझी साजिश के तहत न्यायपालिका को बदनाम करने की नीयत से प्रकाशित की गई है। वकील कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी ने 25 फरवरी को चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ के समक्ष इस मामले को मेंशन करते हुए चिंता जताई थी। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा था कि किसी भी व्यक्ति को न्यायपालिका को बदनाम करने की इजाजत नहीं दी जाएगी।

असम के काजीरंगा में 4 करोड़ मूल्य के 80 हजार याबा टैबलेट जब्त

काजीरंगा। असम के काजीरंगा के बागरी क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग चार करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ जब्त किए हैं। पुलिस प्रवक्ता ने गुरुवार को बताया कि यह बरामदगी एक ट्रक से की गई, जिसे नियमित जांच के दौरान रोका गया था। पुलिस सूत्रों के अनुसार ट्रक से 80 हजार याबा टैबलेट बरामद की गईं। बताया गया है कि इन टैबलेटों को मणिपुर से ग्वालपाड़ा ले जाया जा रहा था। मामले में ट्रक चालक के साथ रफीकुल इस्लाम नामक एक अन्य व्यक्ति को भी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पूरे नेटवर्क का पता लगाने के लिए आगे की जांच जारी है।

अगर हमे खतरा हुआ तो दक्षिण कोरिया को मिटा देंगेः उत्तर कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने चेतावनी दी कि अगर उनकी सुरक्षा को खतरा हुआ तो परमाणु-संपन्न देश दक्षिण कोरिया को पूरी तरह से मिटा सकता है। उन्होंने सियोल के साथ बातचीत करने से एक बार फिर इनकार कर दिया। सरकारी मीडिया ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, सत्तारूढ़ पार्टी की एक बैठक के समापन के दौरान उन्होंने अगले पांच वर्षों के लिए अपने नीतिगत लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वाशिंगटन से बातचीत के लिए अपने रास्ते खुले रखे। हाल के वर्षों में किम ने सियोल के प्रति अपनी बयानबाजी को और तीखा कर दिया है और उसके साथ कूटनीति के प्रति अपनी अस्वीकृति पर जोर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि इससे सैन्य संघर्ष की आशंका नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य एक व्यापक रणनीति को आगे बढ़ाना है, जिसके तहत किम के परमाणु हथियारों और मॉस्को तथा बीजिंग के साथ संबंधों के बल पर उत्तर कोरिया की अधिक मजबूत और प्रभावशाली भूमिका स्थापित करना है। आधिकारिक ह्यकोरियन सेंट्रल न्यूज़ एजेंसीह्न ने कहा कि किम ने अपनी परमाणु-संपन्न सेना को मजबूत करने के लिए नयी हथियार प्रणालियों को विकसित करने का भी आान किया। उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में उनके परमाणु और मिसाइल के क्षेत्र में तेजी से हो रहे विकास ने देश को परमाणु हथियार संपन्न देश के रूप में उभारा है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका लंबे समय से रुकी हुई बातचीत को फिर से शुरू करना चाहता है तो उसे उत्तर कोरिया के प्रति अपनी कथित शत्रुतापूर्ण नीतियों को छोड़ना होगा। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय ने कहा कि उत्तर कोरिया का अंतर-कोरियाई संबंधों को शत्रुतापूर्ण रूप में परिभाषित किया जाना खेदजनक है और सियोल शांति के प्रयासों को 'धैर्यपूर्वक' जारी रखेगा।

फ्लोरिडा से आई नौका से हमारे सैनिकों पर गोली चलाई गई, हमने चार लोगों को मार गिरायाः क्यूबा

हवाना। क्यूबा की सरकार ने बुधवार देर रात कहा कि उनके सैनिकों पर गोली चलाने वाले नौका सवार 10 लोग क्यूबा के हथियारबंद नागरिक थे, जो अमेरिका में रहते थे और द्वीप में घुसपैठ करके आतंकवाद फैलाने की कोशिश कर रहे थे। इससे कुछ घंटे पहले क्यूबा ने कहा था कि उसके सैनिकों ने फ्लोरिडा के पंजीकरण वाली एक स्पीड बोट पर सवार चार लोगों को मार गिराया और छह अन्य को घायल कर दिया। उसका दावा था कि नौका क्यूबा के जलक्षेत्र में घुस आई थी और उसकी तरफ से पहले सैनिकों पर गोली चलाई गई, जिसमें क्यूबा का एक अधिकारी घायल हो गया। क्यूबा की सरकार ने कहा कि नाव पर सवार 10 लोगों में से ज्यादातर का आपराधिक और हिंसक गतिविधियों का इतिहास रहा है। उसने उनमें से दो की पहचान अमीजाइल सांचेज गोंजालेज और लिओर्डन एनरिक क्रूज गोमेज के रूप में की, जो आतंकवादी कृत्यों के संबंध में देश के क्षेत्रों या दूसरे देशों में गतिविधियों को बढ़ावा देने, साजिश रचने, वित्तपोषण करने, समर्थन करने या उन्हें अंजाम देने में शामिल होने के आधार पर क्यूबा के अधिकारियों के लिए वांछित हैं। सरकार ने कहा कि उसने डुनिएल हर्नांडिज सैंटोस को भी गिरफ्तार किया है, जिसे हथियारबंद घुसपैठ के लिए अमेरिका से भेजा गया था और जिसने इस समय अपने कृत्यों को कबूल कर लिया है। एसोसिएटेड प्रेस (एपी) इस जानकारी की तत्काल पुष्टि नहीं कर सकी। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने पहले संवाददाताओं से कहा था कि उन्हें इस घटना के बारे में पता चला है और अमेरिका अब यह पता लगाने के लिए अपनी जानकारी इकट्ठा कर रहा है कि क्या पीड़ित अमेरिकी नागरिक थे या स्थायी निवासी थे। रुबियो ने सेंट किट्स के बैसेतेरे हवाई अड्डे पर संवाददाताओं से बातचीत की। वह कैरिबियाई नेताओं के साथ एक क्षेत्रीय सम्मेलन में भाग लेने के लिए यहां आए थे। उन्होंने अटकलें लगाने से बचते हुए कहा, कई तरह की चीजें हो सकती हैं, और अमेरिका सिर्फ क्यूबा के अधिकारियों द्वारा अब तक दी गई जानकारी पर निर्भर नहीं रहेगा।

वीर सावरकर की पुण्यतिथि पर लोक सभा अध्यक्ष समेत केंद्रीय मंत्रियों ने दी श्रद्धांजलि

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

महान क्रांतिकारी एवं प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक विनायक दामोदर सावरकर की पुण्यतिथि पर लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय मंत्रियों और राज्यों के नेताओं ने उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का अद्वितीय योद्धा बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने स्वातंत्र्यवीर सावरकर को भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में अपना सर्वस्व अर्पित करने वाला महान क्रांतिकारी बताते हुए नमन किया।

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि सावरकर आजादी के आंदोलन के उन नायकों में थे जिन्होंने अंग्रेजी हुकूमत से राजनीतिक स्वतंत्रता के साथ-साथ सांस्कृतिक स्वाधीनता के लिए भी संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि सावरकर ने अपने क्रांतिकारी विचारों से स्वतंत्रता आंदोलन को वैचारिक आधार प्रदान किया और देश से लेकर इंग्लैंड तक अपने साहसिक अभियानों से युवाओं को प्रेरित किया। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने उन्हें प्रखर राष्ट्रप्रेम और अतुलनीय प्रतिभा का अद्वितीय संगम बताते हुए स्मृतिदिन पर विनम्र अभिवादन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सावरकर के अदम्य साहस, अद्वितीय त्याग और राष्ट्र के प्रति अटूट समर्पण को भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का गौरवपूर्ण अध्याय बताया। उन्होंने कहा कि उनके ओजस्वी विचार आज भी करोड़ों देशवासियों को प्रेरित करते हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सावरकर को त्याग, तप और तर्क की प्रतिमूर्ति बताते हुए कहा कि उनका संघर्ष और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की परिकल्पना आज भी राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध और आत्मगौरव की प्रेरणा देती है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने कहा कि लंदन के इंडिया हाउस से लेकर सेल्युलर जेल की कालकोठरी तक सावरकर का जीवन राष्ट्रचेतना के पुनर्जागरण की गाथा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उन्हें ओजस्वी क्रांतिकारी और तेजस्वी विचारक बताते हुए कहा कि राष्ट्र की स्वतंत्रता और सांस्कृतिक अखंडता के लिए उनका त्याग भारत के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि वीर सावरकर का संपूर्ण जीवन राष्ट्र के प्रति अनन्य निष्ठा की अमर गाथा है।

सीबीआई ने वांछित आरोपित अनिल कुमार रेड्डी का यूएई से प्रत्यर्पण कराया

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने इंटरपोल के जरिए वांछित आरोपित अनिल कुमार रेड्डी येद्दुला का संयुक्त अरब अमीरात से सफल प्रत्यर्पण किया। आरोपित को गुरुवार को दुबई से हैदराबाद लाया गया और एयरपोर्ट पर आंध्र प्रदेश पुलिस को सौंप दिया गया। सीबीआई के अनुसार, अनिल कुमार रेड्डी येद्दुला आंध्र प्रदेश पुलिस का वांछित आरोपित है। उसके खिलाफ धोखाधड़ी, आपराधिक विश्वासघात और आपराधिक धमकी के कई मामले दर्ज हैं। उसे दुबई पुलिस की टीम भारत लेकर आई। आरोपित को हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर राज्य पुलिस के हवाले कर दिया गया। सीबीआई की अंतरराष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई ने विदेश मंत्रालय और अबू धाबी स्थित इंटरपोल इकाई के साथ मिलकर इस प्रत्यर्पण की प्रक्रिया पूरी की। इस मामले में एजेंसी ने आंध्र प्रदेश पुलिस के अनुरोध पर 5 सितंबर 2022 को इंटरपोल से रेड नोटिस जारी कराया था। उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ वर्षों में इंटरपोल के समन्वय से 130 से अधिक वांछित अपराधियों को भारत वापस लाया जा चुका है।

कनाडा के पीएम कार्नी का चार दिवसीय भारत दौरा, 2 मार्च को प्रधानमंत्री से करेंगे मुलाकात

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी 27 फरवरी से 2 मार्च तक भारत की यात्रा पर रहेंगे। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और नई साझेदारियों की संभावनाओं को तलाशने के उद्देश्य से कार्नी की यह भारत की पहली आधिकारिक यात्रा है। विदेश मंत्रालय के अनुसार कार्नी पहले मुंबई पहुंचेंगे। अगले दो दिनों में यहां वे अलग-अलग व्यावसायिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इसके अलावा भारत-कनाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों (सीईओ) उद्योग वित्तीय विशेषज्ञ नवाचारों शिक्षकों के साथ-साथ भारत में मौजूद कनाडाई पेंशन फंड के प्रतिनिधियों से बातचीत करेंगे।

प्रधानमंत्री कार्नी 01 मार्च को नई दिल्ली पहुंचेंगे। 02 मार्च को दोनों शीर्ष नेता हैदराबाद हाउस में प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत करेंगे। दोनों नेता भारत-कनाडा रणनीतिक साझेदारी के अलग-अलग क्षेत्रों में अब तक हुई प्रगति की समीक्षा करेंगे, जो कनानास्किस (जून 2025) और जोहान्सबर्ग (नवंबर 2025) में हुई उनकी पिछली बैठकों पर आधारित होगी। वे व्यापार निवेश ऊर्जा महत्वपूर्ण खनिजों कृषि शिक्षा अनुसंधान और नवाचार जैसे खास स्तंभों पर सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा करेंगे। दोनों नेता क्षेत्रीय और वैश्विक विकास पर भी अपने विचार साझा करेंगे। बाद में, दोनों नेता भारत-कनाडा सीईओ फोरम को संबोधित करेंगे, जो दोनों देशों के व्यापारिक रिश्तों की नई दिशा तय करेगा। आगामी बैठक भारत-कनाडा के बीच भरोसे को बहाल करने और लंबी अवधि की साझेदारी का रोडमैप तैयार करने का काम करेगी।

शुरूआती कारोबार में शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव के बीच तेजी का रुख

एजेंसी (हि.स.)

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में आज शुरूआती कारोबार के दौरान उतार-चढ़ाव के बीच तेजी का रुख बना हुआ है। आज के कारोबार की शुरूआत भी मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव की वजह से पहले 10 मिनट में ही सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की चाल में गिरावट आ गई। इसके बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। सुबह 10 बजे तक कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.12 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे।

10 बजे तक का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से श्रीराम फाइनेंस, टेक महिंद्रा, इंफोसिस, मैक्स हेल्थकेयर और एचसीएल टेक्नोलॉजी के शेयर 1.87 प्रतिशत से लेकर 1.03 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर, अदानी एंटरप्राइजेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, कोल इंडिया, एक्सिस बैंक और नेस्ले के शेयर 0.42 प्रतिशत से लेकर 0.11 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार करते हुए नजर आ रहे थे। अभीतक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,612 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,917 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 695 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 36 शेयर हरे निशान में और 14 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे।

होली

बाबा महाकालेश्वर को हर्बल गुलाल व परंपरानुसार शक्कर की माला अर्पित की जाएगी

महाकालेश्वर मंदिर में होलिका दहन 2 मार्च को

एजेंसी (हि.स.)

उज्जैन

फोटोः हि.स.

मध्य प्रदेश में उज्जैन स्थित ज्योतिलिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर में सोमवार 2 मार्च को प्राचीन परंपरा अनुसार संध्या आरती के पश्चात होलिका दहन किया जाएगा। इसी प्रकार 3 मार्च को धुलंडी का पर्व मनाया जाएगा। यह जानकारी मंदिर प्रशासक प्रथम कौशिक ने दी। उन्होंने बताया कि महाकालेश्वर भगवान की सायं आरती में सर्वप्रथम बाबा महाकालेश्वर को हर्बल गुलाल व परंपरानुसार शक्कर की माला अर्पित की जावेगी।

सायं आरती के पश्चात महाकालेश्वर मंदिर प्रांगण में ओंकारेश्वर मंदिर के सामने होलिका के विधिवत पूजन-अर्चन के पश्चात होलिका दहन किया जावेगा। वहीं 3 मार्च धुलण्डी के दिन प्रातः 4 बजे भस्मार्ती में सर्वप्रथम भगवान महाकालेश्वर को मंदिर के पुजारी एवं पुरोहितों द्वारा हर्बल गुलाल अर्पित किया जावेगा।

चंद्र ग्रहण पर मंदिर की व्यवस्था में होगा बदलाव

श्री कौशिक ने बताया कि 3 मार्च, मंगलवार (फाल्गुन शुक्ल पूर्णिमा) को महाकालेश्वर मंदिर की प्राचीन परंपरा अनुसार चंद्र ग्रहण के कारण मंदिर की पूजा पद्धति में परिवर्तन रहेगा। शाम 6:32 से 6:46 तक रहने वाले 14 मिनट के ग्रहण का वेद काल सुबह सूर्योदय से ही प्रारंभ हो जाएगा। वेद काल के कारण सुबह की दद्योदक और भोग आरती में भगवान को केवल शक्कर का भोग अर्पित किया जाएगा। ग्रहण समाप्त होने के पश्चात मंदिर में शुद्धिकरण,भगवान का स्नान पूजन के पश्चात भोग अर्पित कर संध्या आरती संपन्न की जाएगी।

आरतियों के समय में परिवर्तन

4 मार्च से- श्री कौशिक ने बताया कि परम्परानुसार ज्योतिर्लिंग महाकालेश्वर की आरतियों के समय में चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से अश्विन पूर्णिमा तक परिवर्तन होगा।

- प्रथम भस्मार्ती- प्रातः 04:00 से 06:00 बजे तक।
- द्वितीय दद्योदक आरती प्रातः 07:00 से 07:45 बजे तक।
- तृतीय भोग आरती प्रातः 10:00 से 10:45 बजे तक।
- चतुर्थ संध्या पूजन सायं 5:00 से 5:45 बजे तक।
- पचम संध्या आरती सायं 7 से 7:45 बजे तक।
- शयन आरती रात्रि 10:30 से 11:00 बजे तक होगी।

उपरोक्तानुसार भस्मार्ती, संध्या पूजन एवं शयन आरती अपने निर्धारित समय होगी।

8 मार्च को मनेगी रंगपंचमी

उन्होंने बताया कि 8 मार्च को रंगपंचमी के अवसर पर परंपरानुसार बाबा महाकाल का ध्वज चल समारोह निकाला जावेगा।

भारत बधिर क्रिकेट टीम ने जीता पहला एडीसीए टी-20 आई एशिया कप

फाइनल में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

कटक के ऐतिहासिक बाराबती स्टेडियम में खेले गए पहले एडीसीए टी20आई एशिया कप 2026 का समापन बुधवार को हुआ, जहां भारतीय बधिर क्रिकेट टीम ने फाइनल में श्रीलंका की टीम को 6 विकेट से हराकर खिताब अपने नाम किया।

यह टूर्नामेंट भारतीय बधिर क्रिकेट एसोसिएशन (आईडीसीए) द्वारा आयोजित किया गया था, जिसे ओडिशा की राज्य क्रिकेट इकाइयों का सहयोग मिला। यह एशिया कप का पहला संस्करण था और इसे बधिर क्रिकेट के इतिहास में महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

फाइनल के बाद आयोजित भव्य समापन समारोह में मुख्य अतिथि कटक के जिलाधिकारी एवं कलेक्टर दत्तात्रय भाऊसाहेब शिंदे और विशेष अतिथि पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर संजय राउल ने विजेता और उपविजेता टीमों को ट्रॉफी प्रदान की।

भारत ने अपने अभियान की शुरूआत श्रीलंका के खिलाफ 4 विकेट की जीत से की। इसके बाद नेपाल पर 10 विकेट की एकतरफा जीत दर्ज की। लीग चरण में श्रीलंका ने भी नेपाल को 6 विकेट से हराया, जबकि रिवर्स मुकाबले में नेपाल पर 157 रन की बड़ी जीत दर्ज की।

भारत ने श्रीलंका के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में 1 रन से जीत हासिल की और नेपाल पर 9 विकेट से जीत दर्ज कर फाइनल में जगह पक्की की।फाइनल में भारत ने संयमित और आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन करते हुए श्रीलंका को 6 विकेट से हराकर ऐतिहासिक ट्रॉफी जीत ली।

इस जीत के साथ भारत ने न केवल पहला एडीसीए टी20आई एशिया कप खिताब अपने नाम किया, बल्कि एशियाई बधिर क्रिकेट में अपनी मजबूत स्थिति भी साबित की।

ब्यूटी डुंगडुंग की प्रेरक और संघर्षपूर्ण है कहानी

पिता को खोया, चोट से लड़ी, परिवार का सहारा बनीं

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

महज 22 वर्ष की उम्र में भारतीय महिला हॉकी टीम की फॉरवर्ड ब्यूटी डुंगडुंग अपने कंधों पर बड़ी जिम्मेदारी उठाए हुए हैं। इस समय वह बेंगलुरु में भारतीय महिला हॉकी टीम के राष्ट्रीय शिविर में पसीना बहा रही हैं, लेकिन मैदान पर वापसी उनके जीवन की सबसे कठिन लड़ाई रही है। साल 2023 में घुटने की गंभीर चोट के कारण उन्हें लगभग दो वर्षों तक पुनर्वास से गुजरना पड़ा।इस दौरान वह लगातार यह सोचती रहीं कि क्या वह दोबारा भारत के लिए खेल पाएंगी।लेकिन मैदान की शारीरिक पीड़ा से भी बड़ा दुख उन्हें निजी जीवन में झेलना पड़ा—चोट के दौरान ही उनके पिता का निधन हो गया।

ब्यूटी ने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, चोट के समय ही मेरे पिता का देहांत हो गया। मैं घर और शिविर के बीच लगातार आ-जा रही थी।एक साथ बहुत कुछ हो रहा था। कई बार लगा कि शायद अब वापसी नहीं हो पाएगी। झारखंड के एक छोटे से गांव में पली-बढ़ीं ब्यूटी के लिए उनके पिता ही सबसे बड़े प्रेरणास्रोत थे। आर्थिक तंगी के बीच जब वह केवल पांच वर्ष की थीं, तब उनके पिता ने बांस से उनकी पहली हॉकी स्टिक बनाई थी, क्योंकि असली स्टिक खरीदने के लिए पैसे नहीं थे। बाद में उन्होंने बेटी के सपनों को पूरा करने के लिए दूसरे राज्यों में दिहाड़ी मजदूर के रूप में काम भी किया। वह भावुक होकर कहती हैं, जब पापा थे तो बहुत सहारा था। अब सब कुछ मुझे खुद संभालना है। आज ब्यूटी अपने परिवार की मुख्य आधार हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की एक कंपनी में नौकरी के माध्यम से वह पूरे परिवार का खर्च उठाती हैं। अपने भाई के परिवार की मदद करने के साथ-साथ भतीजी और भतीजों की पढ़ाई का खर्च भी वहन करती हैं। उनकी मां आंशिक रूप से लकवाग्रस्त हैं और स्मृति कमजोर हो चुकी है, जिनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी उन्हीं पर है। ब्यूटी कहती हैं, कभी-कभी तनाव हो जाता है। मां चीजें भूल जाती हैं और बार-बार पूछती हैं कि मैं घर कब आऊंगी। जब मैं बाहर रहती हूं तो मन उन्हीं के पास रहता है। अंतरराष्ट्रीय हॉकी के दबाव और घर की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाना आसान नहीं है, लेकिन ब्यूटी हार मानने को तैयार नहीं हैं।उनका कहना है, अगर ज्यादा सोचूंगी तो खुद ही परेशान हो जाऊंगी। इसलिए पूरा ध्यान खेल पर लगाती हूं। अच्छा लगता है कि मैं अपने परिवार की आर्थिक मदद कर पा रही हूं। जब भावनात्मक बोझ बढ़ जाता है, तो वह अपनी टीम के साथियों का सहारा लेती हैं।

उन्होंने कहा, अगर मैच से पहले मन ठीक नहीं होता तो मैं साथियों से खुलकर कहती हूं कि आज मेरा मन भारी है, मुझे प्रेरित करें। टीम हमेशा मेरा साथ देती है, लंबे संघर्ष के बाद ब्यूटी ने फिर से लय हासिल करनी शुरू कर दी है। वह एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और हाल ही में आयोजित हॉकी इंडिया लीग में भी खेल चुकी हैं। अब वह हैदराबाद, तेलंगाना में होने वाले वर्ष 2026 के एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप क्वालीफायर की तैयारियों के लिए राष्ट्रीय शिविर में कड़ी मेहनत कर रही हैं। अपनी तेज दौड़ और गेंद प्राप्त करने की क्षमता के लिए पहचानी जाने वाली ब्यूटी स्ट्राइकिंग सर्कल में आत्मविश्वास दोबारा हासिल करने की कोशिश कर रही हैं।

ब्यूटी डुंगडुंग अब केवल खेल के लिए नहीं खेलतीं। हर बार जब वह हॉकी स्टिक थामती हैं, तो उसमें उनकी मां की देखभाल, परिवार का भविष्य और उस पिता की याद जुड़ी होती है, जिन्होंने बांस से उनकी पहली स्टिक बनाकर उनके सपनों को आकार दिया था।

मनुष-मानव की जोड़ी सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में पहुंची, रचा इतिहास

एजेंसी (हि.स.)
सिंगापुर

भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ियों मनुष शाह और मानव ठक्कर की जोड़ी ने इतिहास रचते हुए सिंगापुर स्मैश के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। वे विश्व टेबल टेनिस के ग्रैंड स्मैश स्तर की प्रतियोगिता में सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पहली भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बन गए हैं।

छठी वरीयता प्राप्त मनुष-मानव की जोड़ी ने बेल्जियम के मार्टिन एलेग्रो और एड्रियन रासेनफॉसे को सीधे गेमों में 3-0 (11-8, 11-9, 11-9) से पराजित किया। यह मुकाबला 27 मिनट तक चला। भारतीय जोड़ी ने बेल्जियम की इस जोड़ी के खिलाफ अपना आमना-सामना रिकॉर्ड 2-0 कर लिया। उल्लेखनीय है कि बेल्जियम की जोड़ी ने क्वार्टरफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को हराकर जगह बनाई थी।

सेमीफाइनल में भारतीय जोड़ी का मुकाबला फ्रांस के चौथी वरीयता प्राप्त सगे भाई फेलिक्स लेब्रून और एलेक्सिस लेब्रून से शुक्रवार को होगा।

इससे पहले दिन में मिश्रित युगल वर्ग में मनुष शाह और दिया चिताले की छठी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी का सफर क्वार्टरफाइनल में समाप्त हो गया। उन्हें ब्राजील के तीसरी वरीयता प्राप्त ह्यूगो काल्डेरानो और ब्रूना ताकाहाशी की जोड़ी ने 3-0 (11-6, 11-9, 11-5) से पराजित किया।

विश्व कप से बाहर होने के बाद श्रीलंकाई कप्तान दासुन शनाका ने दीर्घकालिक बदलाव की मांग की

कोलंबो। श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका ने विश्व कप से बाहर होने के बाद टीम में व्यापक और दीर्घकालिक सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया है। अंतिम चार में पहुंचने की उम्मीदें तब समाप्त हो गईं जब श्रीलंका को न्यूजीलैंड ने 61 रन से पराजित किया। शनाका ने कहा कि यदि टीम को अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में लगातार मजबूत प्रदर्शन करना है तो शारीरिक तैयारी और लंबी अवधि की योजना पर गंभीरता से काम करना होगा। उन्होंने कहा, देश के लिए खेलते समय शारीरिक फिटनेस पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। इस पर कोई समझौता नहीं हो सकता। चोटों के कारण हमें मनचाहा परिणाम नहीं मिल पा रहा है। सभी जानते हैं कि वानिंदु हसरंगा कितने महत्वपूर्ण खिलाड़ी हैं, और मथीशा पथिराना तथा ईशान मलिंगा टीम के लिए कितने अहम हैं। जब ये खिलाड़ी उपलब्ध नहीं होते तो टीम पर असर पड़ता है। यह बहाना नहीं है, लेकिन अधिकतर चोटें शारीरिक तैयारी से जुड़ी हैं। शनाका ने कहा कि पिछले कई विश्व कप में भी चोटें प्रमुख चर्चा का विषय रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने पिछले पांच विश्व कप खेले हैं। लगभग हर बार यही सवाल उठा कि चोटों से बेहतर तरीके से कैसे निपटा जाए।

72वीं सीनियर नेशनल्स मेन्स कबड्डी चैंपियनशिपः दूसरे दिन हरियाणा, यूपी, दिल्ली और तमिलनाडु की धमाकेदार जीत

एजेंसी (हि.स.)
वडोदरा

फोटोः हि.स.

वडोदरा के समा इंडोर कॉम्प्लेक्स में चल रही 72वीं सीनियर नेशनल्स मेन्स कबड्डी चैंपियनशिप 2026 के दूसरे दिन रोमांचक और एकतरफा मुकाबलों का शानदार मिश्रण देखने को मिला। पूल चरण में नॉकआउट की दौड़ तेज हो गई है और हर अंक अब अहम साबित हो रहा है। **पूल एः** आंध्र की रोमांचक जीत, हरियाणा का दमदार प्रदर्शन- पूल ए के सबसे करीबी मुकाबले में आंध्र प्रदेश ने तेलंगाना को 47-45 से हराया। पोटला गोपी चंद (17 अंक) और गली लक्ष्मा रेड्डी (10 अंक) ने जीत में अहम भूमिका निभाई, जबकि तेलंगाना के जी राजू ने 20 अंक जुटाए। इसी पूल में हरियाणा ने तेलंगाना को 49-18 से एकतरफा अंदाज में हराया। नीरज नरवाल ने 11 अंक, नितिन कुमार ने 9 अंक बनाए, जबकि सुरजीत सिंह और नितेश कुमार ने 4-4 टैकल अंक लेकर रक्षा मजबूत की। **पूल बीः** मध्य प्रदेश की आखिरी पलों में बाजी- पूल बी में मध्य प्रदेश ने गोवा को 35-34 से रोमांचक मुकाबले में हराया। भवानी राजपूत (14 अंक) और उदय परते (9 अंक) ने अहम योगदान दिया। **पूल सीः** तमिलनाडु और हिमाचल की बड़ी जीत- तमिलनाडु ने विदर्भ को 40-21 से हराकर अपना मजबूत अभियान जारी रखा। सतीश कन्नन ने 8 अंक बनाए, जबकि दीपक एस ने 8 टैकल अंक लेकर रक्षा की कमान संभाली। हिमाचल प्रदेश ने गुजरात को 51-34 से 17 अंकों के अंतर से हराया। अनिल ने 14 अंक जुटाए, जबकि पप्पू कमल कुमार और मयंक सैनी ने बढ़िया साथ दिया। **पूल डीः** उत्तर प्रदेश की रिकॉर्डतोड़ जीत- उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को 70-33 से हराकर टूर्नामेंट की अब तक की सबसे बड़ी जीतों में से एक दर्ज की। उदय डबास ने 25 अंकों का शानदार प्रदर्शन किया, जबकि सौरभ ने 12 अंक जोड़े। यूपी ने 53 रेड अंक और 8 ऑल-आउट के साथ मुकाबले पर पूरी तरह कब्जा जमाया।

पूल एफ और एचः केरल और दिल्ली का जलवा- केरल ने छत्तीसगढ़ को 45-30 से हराया। नंदू टी (11 अंक) और आदित्यन (10 अंक) ने संतुलित प्रदर्शन किया। पूल एच में दिल्ली ने त्रिपुरा को 64-42 से मात दी। आशीष ने 18 अंक और हिमांशु सिंह ने 14 अंक बनाए। त्रिपुरा के ए. दास ने 25 अंक जुटाए, लेकिन दिल्ली की मजबूत रक्षा निर्णायक साबित हुई। दो दिनों के खेल के बाद पूल तालिका स्पष्ट होने लगी है। जैसे-जैसे टीमें नॉकआउट में जगह बनाने के लिए जोर लगाएंगी, मुकाबले और अधिक रोमांचक होने की उम्मीद है।

भारतीय अंडर-20 महिला टीम ने स्वीडिश क्लब एन्स्केडे आईके डैम से खेला ड्रॉ

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

फोटोः हि.स.

भारतीय अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम ने बुधवार, रात स्वीडन के लिडिंगो स्थित बोसोन नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए अभ्यास मैच में स्वीडिश क्लब एन्स्केडे आईके डैम के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। भारत की ओर से सिबानी देवी नोंगमेइकापाम ने 44वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। हालांकि मुकाबले के अंतिम क्षणों में 88वें मिनट पर एन्स्केडे ने बराबरी का गोल दागकर स्कोर 1-1 कर दिया। भारत अंडर-20 टीम के मुख्य कोच योआकिम अलेक्जेंडरसन ने पिछले मैच की तुलना में शुरूआती एकादश में आठ बदलाव किए। भारतीय टीम ने अपने पिछले मुकाबले में टैबी एफके को 4-0 से हराया था, जबकि उससे पहले हामरबी आईएफ के खिलाफ उसे 0-6 से हार का सामना करना पड़ा था। यंग टाइग्रेस अब 28 फरवरी को स्वीडन के क्लब कार्लबर्ग्स बीके के खिलाफ एक और अभ्यास मैच खेलेगी। यह दौरा इस वर्ष थाईलैंड में होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप की तैयारियों का हिस्सा है।

भारत अंडर-20 महिला टीम

मोनालिशा देवी मोइरांगथेम (गोलकीपर), निशिमा कुमारी (रेमी थोखचोम 60वें मिनट), थोइनबिसाना चानू तोइजाम, सिंडी रेमरुआतपुई कोलनी, शुभांगी सिंह, पूजा, अंजू चानू कायेनप्पैबाम (भूमिका देवी खुमुकचाम 60वें मिनट), लिंगदेकिम, सुलंजना राउल, सिबानी देवी नोंगमेइकापाम (नेहा 60वें मिनट), बबीता कुमारी (दीपिका पाल 46वें मिनट, शिल्जी शाजी 88वें मिनट)।

आज मनाया जाएगा विश्व एनजीओ दिवस

विश्व भर में हर साल 27 फरवरी को वर्ल्ड एनजीओ डे मनाया जाता है। ये दिवस एनजीओ के महत्व को समझाने और विश्व भर के एनजीओ में काम करने वाले उन लोगों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से मनाया जाता है, जो लोगों और जीवों के हित के लिए कार्यरत हैं। पहली बार इस दिन को 27 फरवरी, 2014 को वर्ल्ड एनजीओ डे के रूप में मनाया गया था

क्या है एनजीओ

एनजीओ का मतलब है नॉन-गवर्नमेंट ऑर्गनाइजेशन यानी गैर-सरकारी संगठन। ये संगठन सरकार के साथ पंजीकृत होते हैं। ये अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य करते हैं। इनका काम है, जरूरतमंदों की मदद करना। कुछ एनजीओ इंसानों की मदद के लिए, तो कुछ जीवों की बेहतरी के लिए कार्य करते हैं। ये मदद करने के लिए किसी से किसी भी तरह का शुल्क नहीं वसूलते हैं। लोगों और जीवों की मदद के लिए सरकार इन एनजीओ को आर्थिक सहायता प्रदान करती है, जिससे वे समाज की बेहतरी के लिए अच्छे से अच्छा कार्य कर सकें।

उद्देश्य

'विश्व एनजीओ दिवस' मनाने का उद्देश्य लोगों को एनजीओ के महत्व को समझाना और विश्व भर के एनजीओ में काम करने वाले उन लोगों को प्रोत्साहित करना है जो लोगों और जीवों के हित के लिए कार्य कर रहे हैं। ये दिन एनजीओ संस्थापकों, कर्मचारियों, सदस्यों, समर्थकों और स्वयं सेवियों को सम्मानित करने का अवसर भी प्रदान करता है। साथ ही अन्य लोगों को एनजीओ से जुड़ने और जरूरतमंद लोगों एवं जीवों की मदद करने के लिए भी प्रेरित करता है। एक-दूसरे के साथ एनजीओ से जुड़े ज्ञान और अनुभव को साझा करने के लिए भी ये दिन मनाया जाता है।

इतिहास

विश्व एनजीओ दिवस, 27 फरवरी, को ब्रिटिश मानवतावादी मार्किस लिओर्स स्काड्मानिस ने प्रतिष्ठित किया था। इस दिवस को बाल्टिक सागर के राज्यों की काउंसिल के, बाल्टिक सागर एनजीओ फोरम द्वारा, 17 अप्रैल 2010 को आधिकारिक रूप से मान्यता दी गयी थी। बाल्टिक सागर के एनजीओ फोरम के सदस्य राष्ट्र, बेलारूस, डेनमार्क, एस्टोनिया, फिनलैंड, जर्मनी, आइसलैंड, लटविया, लिथूनिया, पोलैंड, रूस, नॉर्वे और स्वीडन थे। 27 फरवरी 2014 को इस दिन को पहली बार मनाया गया था। इसका आयोजन फिनलैंड की राजधानी हेलसिंकी में किया गया था।जिसकी मेजबानी फिनलैंड के विदेश मंत्रालय द्वारा की गई थी। इस दिवस को वर्ष 2010 से 2018 के बीच 89 देशों और छह महाद्वीपों में पहचान मिली थी।

महत्व

दुनिया भर में गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के योगदान को पहचानने, सम्मान देने और जश्न मनाने के लिए प्रतिवर्ष 27 फरवरी को विश्व एनजीओ दिवस मनाया जाता है। 2014 में स्थापित, इस अंतर्राष्ट्रीय दिवस का उद्देश्य गैर सरकारी संगठनों के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाना, समाज में उनकी भूमिका को उजागर करना और गैर सरकारी संगठनों और सरकारों, व्यवसायों और व्यक्तियों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना है। एनजीओ की उपलब्धियों को प्रदर्शित करने और नए समर्थकों को शामिल करने के लिए 89 से अधिक देशों और छह महाद्वीपों को शामिल करते हुए विश्व स्तर पर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह दिन पिछली उपलब्धियों को प्रतिबिंबित करने, सुधार के क्षेत्रों की पहचान करने और भविष्य की पहल की योजना बनाने के अवसर के रूप में कार्य करता है जिससे मानवता को लाभ होगा। वर्ल्ड एनजीओ डे एनजीओ के काम की समझ को बढ़ावा देता है, सहयोग को बढ़ावा देता है और तीसरे क्षेत्र के विकास का समर्थन करता है।

विश्व एनजीओ दिवस में भाग लेने से कई लाभ मिलते हैं

जागरूकता बढ़ानाः विश्व एनजीओ दिवस सकारात्मक परिवर्तन लाने, विकास को बढ़ावा देने और हाशिए पर पड़ी आबादी की वकालत करने में एनजीओ की आवश्यक भूमिका के बारे में सार्वजनिक जागरूकता बढ़ाने में मदद करता है।

नेटवर्किंग के अवसरः एनजीओ स्थानीय व्यवसायों, सरकारी एजेंसियों या शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी बनाने से लाभान्वित हो सकते हैं, जो उनकी पहल के प्रभाव को बढ़ा सकते हैं और उनके समर्थन नेटवर्क का विस्तार कर सकते हैं।

सामुदायिक जुड़ावः विश्व एनजीओ दिवस पर कार्यशालाओं, सेमिनारों और धन उगाहने की पहल जैसे कार्यक्रमों में भाग लेकर, व्यक्ति सामुदायिक जागरूकता में योगदान दे सकते हैं और सामाजिक मुद्दों को संबोधित करने के प्रयासों में एनजीओ का समर्थन कर सकते हैं।

प्रेरक कार्रवाईः वर्ल्ड एनजीओ डे व्यक्तियों को स्वयंसेवा करने, कार्यक्रमों में भाग लेने, ऑनलाइन अभियानों का समर्थन करने और स्थानीय गैर सरकारी संगठनों के लिए प्रशंसा व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करता है, लोगों को तीसरे क्षेत्र में करियर पर विचार करने और सार्थक कार्यों में शामिल होने के लिए प्रेरित करता है।

शैक्षिक अवसरः यह दिन शिक्षा का अवसर प्रदान करता है, जिससे दुनिया भर के लोग अधिक स्पष्ट रूप से समझ पाते हैं कि एनजीओ स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समाज के लिए क्या कर रहे हैं।

ऐसे मनाया जाता है दिवस

हर साल 27 फरवरी को दुनिया भर के लोग विश्व एनजीओ दिवस मनाते हैं और गैर-सरकारी संगठनों के लक्ष्यों और योगदान का सम्मान करते हैं। इस दिन, यूरोप की परिषद के एनजीओ का सम्मेलन पूरे यूरोप में एक उच्च-स्तरीय सम्मेलन की मेजबानी करता है। जिसमें कई हितधारक शामिल होते हैं। जिनमें यूरोप के सेक्ट्रेट परिषद के सदस्य और दुनिया भर के नागरिक समाज के प्रतिनिधि रहते हैं। एक व्यक्ति कितने भी एनजीओ के लिए स्वयंसेवा दे सकते हैं। जिनके प्रयासों में से विश्व में बदलाव आया। एक व्यक्ति इसमें अपना समय, पैसा या फिर दोनों के जरिए एसे संगठनों का सहयोग कर सकता है।

कैसे कार्य करता है एनजीओ

एनजीओ यानी नॉन गवर्नमेंट ऑर्गेनाइजेशन जिसे हिंदी में गैर सरकारी संगठन के रूप में जाना जाता है, का कार्य मुख्य तौर पर इंसानों की मदद करना होता है। ये गैर सरकारी संगठन सरकार के साथ पंजीकृत होते हैं। और सरकार से प्राप्त फंडिंग की मदद से अलग-अलग क्षेत्रों में जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए कार्य करते हैं। बिना किसी शुल्क के गरीबों, असहायों, शारीरिक रूप से अक्षम, अनाथ, विधवा, वृद्ध लोगों के बेहतर जीवन के लिए उनकी मदद करते हैं। समाज के लिए बेहतर कार्य करने के लिए एनजीओ को सरकार की तरफ से आर्थिक सहायता के साथ-साथ समय-समय पर प्रोत्साहन भी मिलता है।

ऐसे कर सकते हैं योगदान

कार्यक्रम आयोजित करनाः वर्ल्ड एनजीओ डे अपने काम के बारे में जागरूकता बढ़ाने और जनता के साथ जुड़ने के लिए कार्यशालाओं, सेमिनारों, वेबिनार या सामुदायिक समारोहों जैसे कार्यक्रमों का आयोजन कर सकते हैं।

जागरूकता फैलानाः व्यक्ति और संगठन सोशल मीडिया अभियानों के माध्यम से विश्व एनजीओ दिवस के बारे में जागरूकता फैला सकते हैं, दिन के महत्व और एनजीओ के प्रभाव के बारे में जानकारी साझा कर सकते हैं।

धन उगाहने वाली गतिविधियाँः दान अभियान, दान अभियान, या दान कार्यक्रमों जैसी धन उगाहने वाली गतिविधियों के माध्यम से गैर सरकारी संगठनों का समर्थन करने से उनकी परियोजनाओं और पहलों के लिए धन जुटाने में मदद मिल सकती है।

शैक्षिक पहलः पैनल चर्चा, स्कूल प्रस्तुतियों या ऑनलाइन पाठ्यक्रमों जैसी शैक्षिक पहल की मेजबानी से जनता को गैर सरकारी संगठनों के महत्व और समाज में उनकी भूमिका के बारे में शिक्षित करने में मदद मिल सकती है।

वर्चुअल कॉन्फ्रेंसः विश्व एनजीओ दिवस पर आभासी सम्मेलनों में भाग लेना या आयोजन करना गैर सरकारी संगठनों को वैश्विक दर्शकों के साथ अपने अनुभव, सर्वोत्तम प्रथाओं और नवीन समाधानों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान कर सकता है।

आज है राष्ट्रीय प्रोटीन दिवस

राष्ट्रीय प्रोटीन दिवस हर साल 27 फरवरी को पूरे भारत के साथ-साथ अन्य देशों में भी मनाया जाता है। यह दिन हमारे शरीर के विकास और रख-रखाव के लिए, हमारे आहार में प्रोटीन के महत्व पर प्रकाश डालता है। प्रोटीन, चाहे पशु या पौधे के स्रोत से हों, जैविक अणु हैं जिन्हें हमारे शरीर के निर्माण खंड के रूप में जाना जाता है।

इतिहास

भारत में राष्ट्रीय प्रोटीन दिवस की स्थापना वर्ष 2020 में प्रोटीन का अधिकार जागरूकता अभियान के दौरान किया गया था। यह एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य पहल था। प्रोटीन दिवस का पहला आयोजन 27 फरवरी 2020 को हुआ।

प्रोटीन क्यों महत्वपूर्ण हैं

प्रोटीन को बॉडी बिल्डिंग ब्लॉक माना जाता है। यह शरीर का निर्माण करता है इसलिए इसका अलग-अलग रूपों में सेवन करना जरूरी है। शरीर के हार्मोन, एंजाइम आदि सभी में प्रोटीन होता है यानी प्रोटीन के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। लेकिन, यह भी ध्यान रखना जरूरी है कि किसी भी चीज की अधिकता स्वाभाविक रूप से दुष्प्रभाव डालती है।

अपना आहार संतुलित करें

आप जो भी खाएं, संतुलित तरीके से खाएं। खाना बनाते समय इस बात का ध्यान रखें कि इसमें प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और हेल्दी फैट का स्रोत होना चाहिए। इससे पर्याप्त मात्रा में सुविधा मिलेगी। शरीर को प्रोटीन मिलेगा और आप स्वस्थ हो जायेंगे।

विविधता महत्वपूर्ण है

यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपके शरीर को आवश्यक सभी आवश्यक अमीनो एसिड मिल रहे हैं, विभिन्न खाद्य समूहों से प्रोटीन स्रोतों को शामिल करें।

पोषक तत्वों से भरपूर प्रोटीन स्रोत

नट और बीजः ये लघु पावरहाउस प्रोटीन, स्वस्थ वसा और फाइबर से भरे हुए हैं। नाश्ते के रूप में उनका आनंद लें, उन्हें सलाद या दही पर छिड़कें, या उन्हें स्मूदी और बेक किए गए सामान में जोड़ें।

दाल और फलियांः पौधों पर आधारित ये चमत्कार प्रोटीन और फाइबर से भरपूर हैं, जो एक संतोषजनक और लागत प्रभावी विकल्प प्रदान करते हैं। सूप, सलाद, स्ट्यू और डिप्स में विभिन्न प्रकार के छोले, काली फलियाँ और राजमा के साथ प्रयोग करें।

अंडेः बहुमुखी और बजट के अनुकूल, अंडे प्रोटीन, विटामिन और खनिजों का एक समृद्ध स्रोत प्रदान करते हैं। इन्हें भूनकर, भुनकर, उबालकर या पके हुए माल में डालकर इनका आनंद लें।

वसायुक्त मछलीः सैल्मन, टूना और सार्डिन प्रोटीन और ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं, जो हृदय और मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। साप्ताहिक रूप से 2-3 सर्विंग का लक्ष्य रखें।

ग्रीक दहीः मलाईदार और प्रोटीन और कैल्शियम से भरपूर, ग्रीक दही एक आनंददायक उपचार के रूप में कार्य करता है। इसका आनंद सादे रूप में, फलों के साथ, या डिप्स और सॉस के आधार के रूप में लें।

शाकाहारियों के लिए प्रोटीनः पौधों पर आधारित प्रोटीन जैसे टोफू, टेम्पेह, नट्स और बीज शाकाहारियों और शाकाहारियों के लिए प्रोटीन के बेहतरीन स्रोत हैं। इनमें आमतौर पर फाइबर और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्व भी उच्च मात्रा में होते हैं।

प्रोटीन की कमी के लक्षण

त्वचा, बाल और नाखून की समस्याएं, मांसपेशियों का नुकसान, हड्डियों के फ्रैक्चर का खतरा, अधिक भूख और अधिक कैलोरी का सेवन, संक्रमण का खतरा, फैटी लीवर बच्चों में शरीर के समुचित विकास को बाधित कर सकता है।

हर आयु वर्ग के लिए अलग-अलग जरूरतें

आम तौर पर, एक स्वस्थ और शारीरिक रूप से सक्रिय व्यक्ति को प्रति किलोग्राम वजन पर एक ग्राम की दर से प्रोटीन की आवश्यकता होती है। उदाहरण के लिए, यदि किसी व्यक्ति का वजन 60 किलोग्राम है, तो उसे 50 से 60 ग्राम प्रोटीन की आवश्यकता होती है। हालांकि, प्रोटीन लेते समय इस बात का भी ध्यान रखना चाहिए कि आपकी जीवनशैली कैसी है। अगर कोई मजदूरी कर रहा है और कोई बैठ कर काम कर रहा है तो दोनों की जरूरतें अलग-अलग होंगी। प्रोटीन आवश्यक मात्रा में और चिकित्सीय निर्देशों के अनुसार लेना चाहिए।

बच्चों को नशे से दूर रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी : सतपाल शर्मा

उपायुक्त ने नशीले पदार्थों के उपयोग की रोकथाम के लिए गठित जिला स्तरीय एनकोर्ड कमेटी की बैठक की अध्यक्षता

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रखना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों को नशे के विरुद्ध जागरूक करने के साथ-साथ कड़े कदम उठाने भी जरूरी हैं।

उपायुक्त आज लघु सचिवालय के सभागार में नशीले पदार्थों के उपयोग की रोकथाम के लिए गठित जिला स्तरीय एनकोर्ड कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक में बच्चों को नशे जैसी कुरीतियों से दूर रखने पर विस्तार से चर्चा की गई। यह स्पष्ट किया गया कि विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ स्कूल समय में उनके बस्तों की जांच भी की जा सकती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कोई असामाजिक तत्व उन्हें नशे के अंधकार की ओर न धकेल सके।

उपायुक्त ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को समय दें और उन पर नियमित रूप से नजर रखें, ताकि वे गलत संगत में पड़कर अपने भविष्य से खिलवाड़ न करें। उन्होंने कहा कि अभिभावकों के साथ-साथ शिक्षकों का भी कर्तव्य है कि वे बच्चों को शिक्षा देने के साथ उनमें उच्च मूल्यों का संचार करें, ताकि वे बेहतर नागरिक बनकर देश के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें।

उन्होंने शिक्षण संस्थानों में जागरूकता शिविर, नुक्कड़ नाटक और सेमिनार आयोजित कर विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करने के निर्देश दिए। साथ ही बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ खेलों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने पर भी जोर दिया, ताकि वे मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रह सकें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि स्कूलों के आसपास रेहड़ी-फड़ी वालों का नियमित निरीक्षण किया जाए, ताकि किसी सामान की आड़ में नशीले पदार्थों की बिक्री न हो।

बैठक में बताया गया कि पुलिस विभाग द्वारा टोल-फ्री नंबर 7087081100 शुरू किया गया है। इस नंबर पर कोई भी व्यक्ति मादक पदार्थों के उपयोग व तस्करी के संबंध में सूचना दे सकता है। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

बैठक में यह भी बताया गया कि जनवरी 2026 में एनडीपीएस एक्ट के तहत 8 मामले दर्ज किए गए और 17 लोगों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 9 किलो 60 ग्राम पोपी हस्क, 6 किलो 296 ग्राम गांजा, 334 ग्राम हेरोइन, 6 ग्राम कोकीन और 2280 टैबलेट्स बरामद की गईं।

इस अवसर पर एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, सिविल सर्जन पंचकूला डॉ. मुक्ता कुमार, एसीपी क्राइम अरविंद कंबोज, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, सीएमओ कार्यालय से डॉ. संदीप सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने समाधान शिविर में सुनी जिलावासियों की समस्याएं प्राथमिकता के आधार पर समाधान करने के दिए निर्देश

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने बुढनपुर के ग्रामीणों की श्मशान घाट निर्माण की मांग पर संज्ञान लेते हुए नगर निगम के संबंधित अधिकारी को जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने हिमशिखा निवासियों की पानी की निकासी समस्या व गली को नीची करने की मांग पर संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारी को मौके का मुआयना कर एसडीएम कालका को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त लघु सचिवालय के सभागार में आज हरियाणा सरकार द्वारा निर्देशित समाधान शिविर में जिलावासियों की समस्याएं सुन रहे थे। उन्होने 16 जिलावासियों की अलग-अलग समस्याएं सुनी कुछ का मौके पर ही निवारण किया बाकि समस्याओं का संबंधित अधिकारी को प्राथमिकता के आधार पर निदान करने के निर्देश दिए।

उपायुक्त ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि समाधान शिविर में आई शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर बिना विलम्ब किए समाधान करें ताकि जिलावासियों को समय पर सुविधाओं व योजनाओं का लाभ मिल सके व उनकी समस्याओं का समाधान हो सके। उपायुक्त ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की मंशा है कि लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अलग अलग कार्यालयों में न जाना पडे। इसी सोच के अनुरूप मुख्यमंत्री के निदेर्शानुसार हर कार्यदिवस के दिन लघु सचिवालय के सभागार में सोमवार व वीरवार को प्रात 10 बजे से 12 बजे तक समाधान शिविर का आयोजन किया जाता है जंहा सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहते हैं। उन्होने कहा कि समय समय पर मुख्यमंत्री स्वयं वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जुडकर लोगों से बातचीत करते हैं और उनकी समस्याओं पर की गई कारवाई का फीडबैक लेते हैं।

इस अवसर पर नगराधीश जागृति, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, जिला बागवानी अधिकारी अशोक कौशिक, तहसीदार सुरेश, सहायक मृदा सरंक्षण अधिकारी राहुल बरकोदिया, सीएम विंडो के एमिनेंट पर्सन सत्यवान भारद्वाज, जसमेर बंजारा, परमजीत सिंह, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, लोक निर्माण विभाग, एचएसवीपी, पीएमडीए, पुलिस, स्वास्थ्य, सिंचाई, नगर निगम सहित अन्य विभागों के संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

यूके द्वारा हरियाणा में वीजा फ्रॉड से बचे अभियान का विस्तार

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

यूनाइटेड किंगडम ने हरियाणा में वीजा फ्रॉड से बचे अभियान की शुरूआत की है, ताकि भारतीय नागरिकों को वीजा धोखाधड़ी और अनियमित प्रवासन के शारीरिक, आर्थिक और भावनात्मक जोखिमों से सुरक्षित रखा जा सके। इस अभियान का शुभारंभ सोनीपत में हरियाणा के युवा सशक्तिकरण एवं उद्यमिता राज्य मंत्री गौरव गौतम और यूके गृह कार्यालय के कार्यवाहक स्थायी सचिव साइमन रिडलीरिडले के साथ किया गया। यह अभियान अंबाला, कैथल, करनाल और कुरुक्षेत्र जिलों पर केंद्रित रहेगा तथा राज्य सरकार के सहयोग और समन्वय से संचालित किया जाएगा। यह अभियान यूके की यात्रा करने के इच्छुक लोगों को समर्पित व्हाट्सऐप चैटबॉट (+91 70652 51380) के माध्यम से जानकारी की पुष्टि करने और सतर्क रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस पहल के अंतर्गत यूके की टीमें इन क्षेत्रों में जनसंपर्क कार्यक्रम आयोजित करेंगी और वीजा धोखाधड़ी के चेतावनी संकेतों को उजागर करेंगी। लोगों को सामान्य झूठे दावों से सावधान रहने की सलाह दी जाएगी, जैसे वीजा और यूके में रोजगार की गारंटी का वादा करना, यह कहना कि इंटरनेशनल इंग्लिश लैंग्वेज टेस्टिंग सिस्टम (आईईएलटीएस) जैसे अंग्रेजी भाषा परीक्षण की कोई आवश्यकता नहीं है, तथा अत्यधिक शुल्क की मांग करना। हरियाणा भारत का तीसरा राज्य है जहाँ यह अभियान पंजाब और तमिलनाडु के साथ शुरू किया गया है। कैमरन, भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त, लिंडी कैमरन ने कहाः हरियाणा तक वीजा धोखाधड़ी से बचें अभियान का विस्तार इस बात को रेखांकित करता है कि यूनाइटेड किंगडम संभावित यात्रियों को सटीक और आधिकारिक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। हम चाहते हैं कि प्रत्येक आवेदक यह जाने कि विश्वसनीय मार्गदर्शन उपलब्ध है, यूनाइटेड किंगडम उनकी आकांक्षाओं का सम्मान करता है और किसी को भी उनका शोषण करने वालों का शिकार नहीं होना चाहिए। मैं यूनाइटेड किंगडम की यात्रा पर विचार कर रहे सभी लोगों से आग्रह करती हूँ कि वे अपनी सुरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने के लिए केवल सत्यापित माध्यमों पर ही भरोसा करें, जिनमें हमारा व्हाट्सऐप संवाद सहायक भी शामिल है।

26वां निरंकारी क्रिकेट टूनार्मेंट - खेल और अनुशासन का प्रेरणादायक आयोजन

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़/पंचकूला

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं निरंकारी राजपिता रमित जी के मागदर्शन में आध्यात्मिक चेतना, मानवीय मूल्यों और खेल भावना के दिव्य समन्वय को साकार करते हुए 26वें बाबा गुरबचन सिंह मेमोरियल क्रिकेट टूनार्मेंट का भव्य शुभारम्भ आज संत निरंकारी आध्यात्मिक स्थल, समालखा (हरियाणा) की पावन धरा पर अत्यंत श्रद्धा, अनुशासन और सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। यह आयोजन न केवल खेल प्रतिस्पर्धा का प्रतीक है, बल्कि मानवता, एकता और सामूहिक प्रगति के संदेश को भी उजागर करता है। 26 फरवरी से 10 मार्च 2026 तक आयोजित इस प्रतिष्ठित टूनार्मेंट में देश के विभिन्न राज्यों से चयनित 24 श्रेष्ठ टीमें सहभागिता कर रही हैं। इनमें पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, महाराष्ट्र, ओडिशा, कोलकाता, गुजरात, दिल्ली एवं दिल्ली एन.सी.आर. से आए युवा खिलाड़ी, खेल के माध्यम से अनुशासन, संयम और भातृभाव का सजीव परिचय प्रस्तुत कर रहे हैं। मैदान पर उनका समर्पण, मर्यादित आचरण और सेवा भाव इस आयोजन को केवल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि प्रेरणा का उत्सव बना रहा है। इस विशाल आयोजन का संचालन संत निरंकारी मंडल के सचिव आदरणीय श्री जोगिंदर सुखीजा के कुशल नेतृत्व में किया जा रहा है। कार्यक्रम की जानकारी सांझा करते हुए उन्होंने बताया कि टूनार्मेंट को लेकर युवाओं में अपार उत्साह देखने को मिल रहा है तथा सहभागिता के लिए उल्लेखनीय संख्या में पंजीकरण प्राप्त हुए हैं। यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभा को निखारता है, बल्कि आत्मसंयम, एकता और आध्यात्मिक चेतना को भी दृढ़ करता है। इस टूनार्मेंट की आधारशिला बाबा हरदेव सिंह जी द्वारा बाबा गुरबचन सिंह जी की पावन स्मृति में रखी गई थी। बाबा गुरबचन सिंह जी का सदैव यह विश्वास रहा कि खेलों के माध्यम से युवा शक्ति को संयम, अनुशासन और सेवा के मार्ग पर अग्रसर किया जा सकता है।

संक्षिप्त-समाचार

डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी पंचकूला ने 2 बच्चों को बाल मजदूरी से बचाया

पंचकूला। श्री अजय कुमार घनघस, सीजेएम-कम-सेक्रेटरी, एडीआर सेंटर, डीएलएसए डिस्ट्रिक्ट कोर्ट्स पंचकूला ने बताया कि पैन इंडिया रेस्क्यू एंड रिहैबिलिटेशन कैंपेन प्रोग्राम- चाइल्ड लेबर को खत्म करने की दिशा में एक कदम के तहत सेक्टर-4 और गांव हरिपुर, पंचकूला में एक स्पेशल रेस्क्यू रेड की गई। रेड के दौरान, दो बच्चों को अलग-अलग जगहों से बचाया गया, जहाँ वे बाल मजदूरी करते पाए गए थे। यह रेड एक संयुक्त एनफोर्समेंट टीम द्वारा की गई, जिसमें चाइल्ड वेलफेयर कमेटी (सीडब्लयूसी) ऑफिस, डिस्ट्रिक्ट चाइल्ड प्रोटेक्शन यूनिट (डीसीपीओ), खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय (डीईओ), लेबर इंस्पेक्टर, स्पेशल जुवेनाइल पुलिस यूनिट (एसजेपीयू), डीएलएसए के पैरा लीगल वॉलंटियर्स, प्रोटेक्शन ऑफिसर, बचपन बचाओ आंदोलन के प्रतिनिधी और डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स (डीटीएफ), पंचकूला के मेंबर शामिल थे। यह संयुक्त अभियान बाल मजदूरी को खत्म करने और बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन के पक्के इरादे को दिखाता है। श्री घनघस ने बताया कि इस अभियान का मकसद न सिर्फ बच्चों को खतरनाक और शोषण वाली मजदूरी से बचाना है, बल्कि उनका सही पुनर्वास, शिक्षा और समाज की मुख्य धारा में पुनः शामिल करना है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बाल मजदूरी बच्चों के अधिकारों का गंभीर उल्लंघन है और बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य और एक सम्मानजनक बचपन के उनके बुनियादी अधिकार से दूर रखता है। सभी टीम अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि बचाए गए बच्चों को उनकी शिक्षा, आर्थिक मदद और पूरे विकास के लिए बनी सही सरकारी कल्याण योजनाओं से जोड़ा जाए। बचाव ऑपरेशन के बाद, दोनों बच्चों को संबंधित पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहाँ कानूनी प्रक्रिया के अनुसार डेली डायरी रिपोर्ट (डीडीआर) ठीक से दर्ज की गई। इसके बाद, उनकी शारीरिक स्थिति का पता लगाने और उनकी सेहत का ध्यान रखने के लिए उन्हें मेडिकल जांच के लिए सिविल अस्पताल ले जाया गया। इसके बाद, बच्चों को जरूरी आदेशों के लिए चाइल्ड वेलफेयर कमेटी, पंचकूला के सामने प्रस्तुत किया गया।

राजकीय महाविद्यालय कालका द्वारा दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का किया गया आयोजन

पंचकूला। राजकीय महाविद्यालय कालका की प्राचार्या डॉक्टर गीता सुखीजा के निर्देशन में हरिद्वार गमन हेतु दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण का आयोजन किया गया। जिसके प्रभारी वैदिक रिसर्चर संस्कृत विभाग डॉक्टर प्रदीप कुमार रहे। भ्रमण यात्रा कालका महाविद्यालय से प्रारंभ हुई, सर्वप्रथम देव संस्कृति विश्वविद्यालय, शांतिकुंज, हरिद्वार का भ्रमण किया गया। इस भ्रमण में 51 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह एक आध्यात्मिक अनुभव था। सभी विद्यार्थियों के लिए इस विश्वविद्यालय का ध्यान कक्ष हिमालय पर्वत का साक्षात दर्शन कराता है। यहाँ अत्यंत शांत वातावरण था। यह विश्वविद्यालय अत्यंत विशाल आकार में स्थापित है और सांय काल में ठहरने की व्यवस्था भी विद्यार्थियों के लिए यही की गई थी। इसके बाद विद्यार्थियों को हरिद्वार के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल हर की पौड़ी ले जाया गया जहां विद्यार्थियों ने गंगा के दर्शन किए। सर्व प्राचीन भारत की अत्यंत पवित्र नदी गंगा आध्यात्मिक ऋषि काल के दर्शन कराती है। हरिद्वार के श्रद्धेय प्राचीन दक्ष महादेव मंदिर अत्यंत ऐतिहासिक परंपरा वाला मंदिर है जहां विद्यार्थियों ने सती घाट तथा दक्ष यज्ञ वेदी के दर्शन किए। इसी प्रकार विद्यार्थियों ने भारत माता मंदिर तथा अनेक आश्रम स्थलों का भी भ्रमण किया। अंत में विद्यार्थियों ने गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय का दौरा किया जहां कुलपति प्रोफेसर प्रतिभा मेहत लूधरा तथा ऋषि परंपरा का निर्वहन करने वाले अत्यंत सम्माननीय वैदिक प्रबुद्ध व्यक्तित्व प्रोफेसर सत्यदेव निगम निगमालंकार रजिस्टार, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय द्वारा यज्ञ के माध्यम से विद्यार्थियों का भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर कुलपति एवं कुल सचिव ने मंत्र उच्चारण तथा पुष्प वर्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को आशीर्वाद प्रदान किया। इस कार्यक्रम में संस्कृत दिव्यांग अध्यक्ष प्रोफेसर ब्रह्मदेव विद्याकार ने अपने व्यक्तित्व निर्माण से संबंधित उत्कृष्ट व्याख्यान द्वारा विद्यार्थियों का ज्ञानवर्धन किया।

उपायुक्त ने पांच दिनों में अवैध माइनिंग के विरुद्ध कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत करने के दिए निर्देश

पंचकूला। जिला में अवैध माइनिंग गतिविधियों में संलिप्त लोगों पर शिकंजा कसने और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने अवैध माइनिंग रोकने हेतु गठित चेकिंग टीमों/फ्लाइंग स्क्वॉड के प्रभारियों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में अब तक उठाए गए कदमों की एक्शन टेकन रिपोर्ट पांच दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। उपायुक्त आज यहां लघु सचिवालय में जिला स्तरीय टास्क फोर्स (माइनिंग) की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। पंचकूला और कालका सब-डिवीजन के लिए दो-दो मोबाइल चेकिंग टीमें/फ्लाइंग स्क्वॉड गठित किए गए हैं। इन टीमों में सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, पुलिस, वन विभाग, माइनिंग विभाग, आरटीए पंचकूला तथा हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी शामिल हैं। ये टीमें अवैध माइनिंग संभावित क्षेत्रों और गांवों में नियमित रूप से औचक निरीक्षण कर रही हैं। नियमित फील्ड निरीक्षण और 24.7 प्रवर्तन गतिविधियों के महत्व पर जोर देते हुए उपायुक्त ने अधिकारियों को जिले के संवेदनशील स्थानों की पहचान करने तथा संबंधित एसडीएम की निगरानी में व्यापक स्तर पर चेकिंग अभियान चलाने के निर्देश दिए, ताकि अवैध माइनिंग गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। उपायुक्त ने जिला में विभिन्न स्थानों पर पुलिस, माइनिंग विभाग और आरटीए द्वारा संयुक्त रूप से स्थापित चेक पोस्ट (नाकों) को प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर भी बल दिया।

AIDSCON-14 - राष्ट्रीय सम्मेलन एड्स मुक्त विश्व की ओर - प्रथम दिवस

सिटी दर्पण संवाददाता
चंडीगढ़

राष्ट्रीय एचआईवी/एड्स सम्मेलन अक्क्ष्उडठ-14ः एड्स मुक्त विश्व की ओर का शुभारंभ आज होटल माउंटव्यू, चंडीगढ़ में किया गया। यह दो दिवसीय सम्मेलन चण्डीगढ़ स्टेट एड्स कंट्रोल सोसाइटी तथा नेशनल एड्स कंट्रोल संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है। सम्मेलन में देशभर से आए प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में श्री एच. राजेश प्रसाद, आईएएस, मुख्य सचिव, यूटी चंडीगढ़ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्री मंदीप सिंह बराड़, आईएएस, सचिव स्वास्थ्य, यूटी चंडीगढ़ तथा डॉ. सुमन सिंह, निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, यूटी चंडीगढ़ भी उपस्थित रहे।

मुख्य सचिव ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय एड्स एवं यौन संचारित संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत भारत की संगठित एचआईवी प्रतिक्रिया की सराहना की तथा साक्ष्य-आधारित एवं सामुदायिक सहभागिता पर आधारित रणनीतियों के माध्यम से महामारी नियंत्रण के प्रति प्रशासन की प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने 95-95-95 लक्ष्य से आगे बढ़कर 99 प्रतिशत से अधिक उपलब्धि प्राप्त करने पर बल दिया तथा कहा कि जो व्यक्ति अपनी एचआईवी स्थिति से अनभिज्ञ हैं, वे समाज के लिए जोखिम हैं। उन्होंने उच्च जोखिम समूहों को निःशुल्क एवं गोपनीय एचआईवी जांच के लिए आगे आने हेतु प्रेरित करने का आान किया।

सचिव स्वास्थ्य, श्री मंदीप सिंह बराड़ ने कहा कि निरंतर सहयोग, वैज्ञानिक प्रगति और उत्तरदायी प्रशासन के माध्यम से एड्स-मुक्त पीढ़ी की दिशा में आगे बढ़ा जा सकता है।

नाको की निदेशक, सुश्री भारती साहई ने मिशन एड्स सुरक्षाः 95-95-99 लक्ष्य एवं ट्रिपल एलिमिनेशन की दिशा में रणनीतिक प्राथमिकताएं विषय पर संबोधन दिया। उन्होंने परीक्षण रणनीतियों को सुदृढ़ करने, एआरटी उपचार पद्धतियों के अनुकूलन, वायरल लोड मॉनिटरिंग के विस्तार तथा एचआईवी, टीबी एवं वायरल हेपेटाइटिस के एकीकृत प्रबंधन पर बल दिया। चंडीगढ़ सैक्स की परियोजना निदेशक, डॉ. सद्भावना पंडित ने स्वागत भाषण देते हुए चंडीगढ़ में एचआईवी रोकथाम, देखभाल एवं सामुदायिक सहभागिता में हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने दिसंबर 2026 तक 95-95-95 लक्ष्य प्राप्त कर 95-95-99 की ओर अग्रसर होने का आान किया तथा कहा कि एड्स-मुक्त विश्व के लिए सरकार, स्वास्थ्य तंत्र, नागरिक समाज, सामुदायिक नेटवर्क, अकादमिक संस्थानों एवं विकास साझेदारों के बीच मजबूत सहभागिता आवश्यक है।

निदेशक स्वास्थ्य सेवाएं, डॉ. सुमन सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय कार्यक्रम की प्रमुख उपलब्धियों में से एक विकेंद्रीकरण है, जिसके माध्यम से सेवाएं समुदायों के निकट पहुंची हैं। सामुदायिक आधारित जांच, विभेदित एआरटी वितरण मॉडल, वायरल लोड मॉनिटरिंग तथा एकीकृत परामर्श सेवाओं ने उपचार परिणामों को बेहतर बनाया है।

कार्यक्रम के दौरान सम्मेलन पुस्तिका संकल्प का विमोचन किया गया। उद्घाटन सत्र धन्यवाद प्रस्ताव के साथ संपन्न हुआ। इसके उपरांत वैज्ञानिक सत्र प्रारंभ हुए।

भारत-यूनाइटेड किंगडम संसदीय मैत्री समूह में राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा का नामांकन - हरियाणा के लिए गौरव का क्षण

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

लोक सभा सचिवालय द्वारा 18वीं लोक सभा के कार्यकाल हेतु विभिन्न देशों के साथ संसदीय मैत्री समूहों का गठन किया गया है। इसी क्रम में लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला द्वारा राज्यसभा सांसद श्रीमती रेखा शर्मा को भारत-यूनाइटेड किंगडम संसदीय मैत्री समूह में नामित किया गया है। यह नामांकन न केवल हरियाणा, बल्कि समूचे देश के लिए गर्व का विषय है। भारत और यूनाइटेड किंगडम के संबंध ऐतिहासिक गहराई, लोकतांत्रिक परंपराओं और साझा मूल्यों पर आधारित रहे हैं। वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में यह संसदीय मैत्री समूह दोनों देशों की संसदों के बीच संवाद, नीति-समन्वय, व्यापार, शिक्षा, प्रौद्योगिकी एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान को नई गति प्रदान करेगा। श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा कि वे इस महत्वपूर्ण दायित्व को न्यू इंडिया की वैश्विक भूमिका को और सशक्त बनाने के अवसर के रूप में देखती हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का उल्लेख करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि यह मंच भारत-यूके संबंधों को और ऊँचाइयों तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने इस दायित्व के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला के प्रति आभार व्यक्त किया और कहा कि वे राष्ट्रहित सर्वोपरि रखते हुए पूरी निष्ठा एवं सक्रियता के साथ अपनी भूमिका निभाएँगी।

मंथन

तीन मामलों को चिन्हित अपराध की श्रेणी से हटाने का निर्णय लिया गया

उपायुक्त सतपाल शर्मा ने चिन्हित अपराधों को लेकर आयोजित बैठक की अध्यक्षता की, विभिन्न श्रेणी के मामलों पर विस्तार से की गई चर्चा

सिटी दर्पण संवाददाता
पंचकूला

उपायुक्त श्री सतपाल शर्मा ने लघु सचिवालय के सभागार में जिला में चिन्हित अपराधों को लेकर गठित समिति की आयोजित बैठक की अध्यक्षता की। उन्होने कहा कि अपराधियों को सजा और पीड़ितों को न्याय दिलाना समिति का मुख्य उदेश्य है।

उन्होने जिला में दर्ज विभिन्न संगीन अपराधों पर की गई कारवाई की समीक्षा करते हुए जांच में तेजी लाने और मामलों की गहनता और निष्पक्षता से जांच करके कानून के दायरे में अपराधियों को सजा दिलवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए ताकि पीड़ितों को जल्द से जल्द न्याय मिल सके।

बैठक के दौरान कुल 100 मामलों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिनमें महिलाओं के विरूद्ध अपराध, जघन्य अपराध, पासपोर्ट एक्ट, हरियाणा पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, एनडीपीएस कर्मशियल क्वांटिटी और गैंगवार/वाईलेशन से संबंधित मामले शामिल है। चर्चा के उपरांत बैठक में 2 नए मामलों को चिन्हित अपराध की श्रेणी में शामिल करने का निर्णय लिया गया जबकि न्यायालय से अंतिम निर्णय आने के पश्चात 3 मामलों को चिन्हित अपराध की श्रेणी से हटाने का निर्णय लिया गया।

बैठक में मामलों से संबंधित कानूनी पहलुओं पर गहनता से विचार विमर्श किया गया। उपायुक्त ने निदेश दिए कि महिलाओं के विरूद्ध अपराध के मामलों में सभी साक्ष्यों को जुटाया जाए और माननीय न्यायालय में मजबूती से मामले की पैरवी की जाए ताकि अपराधी बच न सके और उसे कडी सजा मिले। उपायुक्त ने कहा कि ऐसे संगीन मामलों में जल्द सुनवाई के लिए माननीय न्यायालय से अनुरोध किया जाना चाहिए।

एसीपी क्राईम श्री अरविंद कंबोज ने उपायुक्त को विस्तार से सभी मामलों के बारे में जानकारी दी। उपायुक्त ने एसीपी को निर्देश दिये कि मामलों की जांच प्रक्रिया में तेजी ला कर जल्द से जल्द निपटान किया जाए। जिन संगीन अपराधिक मामलों में आरोप तय हो चुके है, ऐसे मामलों में न्यायालय के माध्यम से अपराधियों को कानून के अनुसार सजा दिलवाना सुनिश्चत किया जाए ताकि आपराधिक प्रवृति के लोगों में कड़ा संदेश जाए और वे इस प्रकार की गतिविधियों से दूर रहें।

जिला न्यायवादी ने उपायुक्त को विभिन्न धाराओं के तहत दर्ज किए गए मामलों में की गई कार्रवाई की प्रगति के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। जिला न्यायवादी ने उपायुक्त को आश्वासन दिलाया कि आपराधिक मामलों की जांच प्रक्रिया में और तेजी लाते हुए न्यायालय के माध्यम से अपराधियों को कानून के अनुसार सजा दिलवाना सुनिश्चित किया जाएगा।

इस अवसर पर एसडीएम पंचकूला चंद्रकांत कटारिया, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी विशाल पराशर, ड्रग इंस्पेक्टर डॉ. प्रवीण कुमार, सीएमओ आफिस से डॉ संदीप जैन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।